

# मध्यमकालिन खर्च संरचना (२०८२/८३-२०८४/८५)



जोशीपुर गाउँपालिका गाउँ कार्यपालिकाको  
कार्यालय जोशीपुर, कैलाली

**मध्यमकालीन खर्च संरचना (आ. व. २०८२।०८३- २०८४।०८५)**

**MID TERM EXPENDITURE FRAMEWORK (MTEF)**

प्रकाशक : जोशीपुर गाउँपालिका  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, जोशीपुर कैलाली

सर्वाधिकार : प्रकाशकमा

प्रकाशन मिति : २०८२

प्रावीधिक सहयोग : भु-संसार ईन्जिनियरिङ्ग प्रा.लि.

सम्पर्कका लागि : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय  
जोशीपुर, कैलाली, सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल

सम्पर्क नं :  
ईमेल :

## विषयसूची

१.१ पृष्ठभूमि .....	2
१.२ अवधारणा तथा उद्देश्य .....	3
१.३ संस्थागत व्यवस्था .....	4
१.३.१ स्रोत अनुमान तथा बजेट निर्धारण समिति .....	4
१.३.२. मध्यमकालीन खर्च संरचना प्राविधिक समिति/कार्यदल .....	4
१.३.३. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति .....	5
१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया .....	5
१.४.१ चालु आवधिक योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समीक्षा .....	5
१.४.२ त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपण सहित कुल बजेटको आकार निर्धारण .....	6
१.४.३ बजेट सीमा निर्धारण र बाँडफाँड .....	6
१.४.४ बजेट सीमा र मार्गदर्शन स्वीकृत तथा सम्प्रेषण .....	6
१.४.५ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी .....	6
१.४.६ विषयगत योजना तर्जुमा समितिहरुमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामाथि छलफल .....	7
१.४.७ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयारी .....	8
१.४.८ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति .....	8
परिच्छेद दुई: मध्यमकालीन खर्च संरचना .....	9
२.१ पृष्ठभूमि .....	9
२. २ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति .....	9
२. २. १ सोच .....	9
२. २. २ उद्देश्य .....	9
२. २. ३ रणनीति र कार्यनीति .....	10
२. ३ मध्यमकालीन आर्थिक खाका .....	12
२. ४ मध्यमकालीन नतिजा खाका .....	13
२.५ मध्यमकालीन बजेट खाका .....	14

२.६ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड .....	16
परिच्छेद तीन: आर्थिक विकास क्षेत्र .....	21
३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा .....	22
१. पृष्ठभूमि .....	22
२. समस्या तथा चुनौति.....	23
३. लक्ष्य .....	23
४. उद्देश्य .....	23
५. रणनीति .....	23
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	24
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	24
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	25
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	25
३.२ पशुपन्छी विकास.....	25
१. पृष्ठभूमि .....	25
२. समस्या तथा चुनौति.....	25
३. लक्ष्य .....	26
४. उद्देश्य .....	26
५. रणनीति .....	26
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	27
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	28
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	28
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	28
३.३ भूमि व्यवस्था र सिँचाई, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था .....	29
१. पृष्ठभूमि .....	29
२. समस्या तथा चुनौति.....	29
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	30
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	30
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	30
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	31
३.४ उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय.....	31

१.	पृष्ठभूमि .....	31
१.	लक्ष्य .....	32
२.	उद्देश्य .....	32
३.	रणनीति र कार्यनीति .....	32
४.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	33
५.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	33
६.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	34
७.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	34
३.५	पर्यटन तथा सांस्कृति .....	34
१.	पृष्ठभूमि .....	34
३.	लक्ष्य .....	35
४.	उद्देश्य .....	35
५.	रणनीति .....	35
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	36
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	36
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	36
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	36
३.६	श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण .....	37
१.	पृष्ठभूमि .....	37
२.	समस्या तथा चुनौति .....	37
३.	लक्ष्य .....	38
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	38
६.	विषयक्षेत्र नतिजा सूचक .....	38
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	39
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	39
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	39
	परिच्छेद चार: सामाजिक विकास क्षेत्र .....	39
४.१	जनस्वास्थ्य तथा पोषण .....	39
१.	पृष्ठभूमि .....	39
२.	समस्या तथा चुनौति .....	40

३.	लक्ष्य .....	40
४.	उद्देश्य .....	40
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	40
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	41
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	42
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	42
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	43
४.२	शिक्षा विज्ञान, प्रविधि तथा कला, भाषा र साहित्य .....	43
१.	पृष्ठभूमि .....	43
२.	समस्या तथा चुनौति.....	43
३.	लक्ष्य .....	43
४.	उद्देश्य .....	44
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	44
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	45
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	45
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	45
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	46
४.३	खानेपानी तथा सरसफाई .....	46
१.	पृष्ठभूमि .....	46
२.	समस्या तथा चुनौति.....	46
३.	लक्ष्य .....	47
४.	उद्देश्य .....	47
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	47
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	47
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	48
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	48
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	48
४.४	युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन .....	49
१.	पृष्ठभूमि .....	49
२.	समस्या तथा चुनौति.....	49

३.	लक्ष्य .....	49
४.	उद्देश्य .....	49
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	49
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	50
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	50
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	50
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	51
४.५	महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण .....	51
१.	पृष्ठभूमि .....	51
२.	समस्या तथा चुनौति.....	51
३.	लक्ष्य .....	52
४.	उद्देश्य .....	52
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	52
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	53
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	53
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	53
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	54
४.६	सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण .....	54
१.	पृष्ठभूमि .....	54
२.	समस्या तथा चुनौति.....	54
३.	लक्ष्य .....	54
४.	उद्देश्य .....	55
५.	रणनीति .....	55
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	55
७.	विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	55
८.	कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण.....	55
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	56
	परिच्छेद पाँच: पूर्वाधार विकास क्षेत्र .....	57
५.१	भवन, आवास, बस्ती तथा सहरी विकास.....	57
१.	पृष्ठभूमि .....	57

३.	लक्ष्य .....	57
४.	उद्देश्य .....	57
५.	रणनीति .....	58
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	58
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	58
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	59
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	59
५.२	सडक, पुल तथा यातायात व्यवस्था .....	59
१.	पृष्ठभूमि .....	59
२.	समस्या तथा चुनौति .....	60
३.	लक्ष्य .....	60
४.	उद्देश्य .....	60
५.	रणनीति .....	60
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	60
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	61
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	61
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	61
५.३	जलस्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा .....	62
१.	पृष्ठभूमि .....	62
२.	समस्या तथा चुनौति .....	62
३.	लक्ष्य .....	62
४.	उद्देश्य .....	62
५.	रणनीति .....	62
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	63
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	63
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	64
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	64
५.४	सुचना तथा सञ्चार प्रविधि .....	64
१.	पृष्ठभूमि .....	64
२.	समस्या तथा चुनौति .....	64

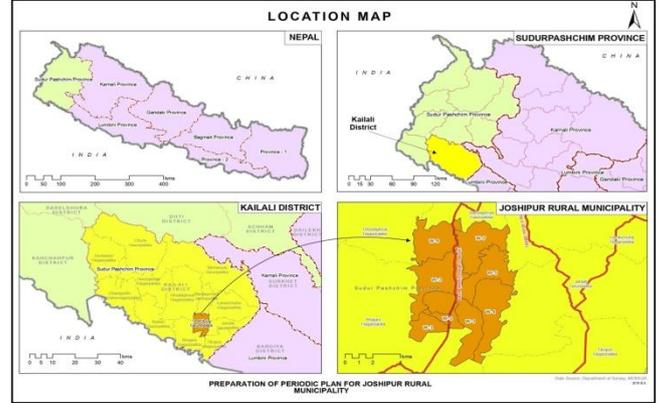
३.	लक्ष्य .....	65
४.	उद्देश्य .....	65
५.	रणनीति .....	65
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	65
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	66
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	66
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	66
	परिच्छेद छ: वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र .....	67
६.१	वन तथा भू-संरक्षण .....	67
१.	पृष्ठभूमि .....	67
२.	समस्या तथा चुनौति .....	67
३.	लक्ष्य .....	67
४.	उद्देश्य .....	67
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	67
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	68
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	68
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	68
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	69
६.२	विपद् जोखिम व्यवस्थापन .....	69
१.	पृष्ठभूमि .....	69
२.	समस्या तथा चुनौति .....	69
३.	लक्ष्य .....	70
४.	उद्देश्य .....	70
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	70
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य .....	70
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	71
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	71
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	71
६.३	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन .....	72
१.	पृष्ठभूमि .....	72

२.	समस्या तथा चुनौति.....	72
३.	लक्ष्य .....	72
४.	उद्देश्य .....	72
५.	रणनीति .....	72
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	72
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	73
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	73
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	73
६.४	फोहोरमैला व्यवस्थापन.....	73
१.	पृष्ठभूमि .....	73
२.	समस्या तथा चुनौति.....	74
३.	लक्ष्य .....	74
४.	उद्देश्य .....	74
५.	रणनीति .....	74
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	74
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	75
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	75
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	75
	परिच्छेद सातः संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र .....	75
७.१	नीति, कानून, मापदण्ड, सेवा प्रवाह र सुशासन .....	75
१.	पृष्ठभूमि .....	75
२.	समस्या तथा चुनौति.....	75
३.	लक्ष्य .....	76
४.	उद्देश्य .....	76
५.	रणनीति र कार्यनीति .....	76
६.	विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	77
७.	विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	78
८.	कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	78
९.	जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	78
७.२	संगठनात्मक विकास तथा मानव संशाधन.....	79

१. पृष्ठभूमि .....	79
२. समस्या तथा चुनौति.....	79
३. लक्ष्य .....	79
४. उद्देश्य .....	79
५. रणनीति .....	79
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	80
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	80
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	80
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	81
७.३ तथ्याङ्क प्रणाली, योजना व्यवस्थापन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन.....	81
१. पृष्ठभूमि .....	81
२. समस्या तथा चुनौति.....	81
३. लक्ष्य .....	81
४. उद्देश्य .....	81
५. रणनीति .....	81
६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य.....	82
७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	82
८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण .....	82
९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान.....	82
अनुसूची १ .....	83

## परिच्छेद एक: परिचय

जोशीपुर गाँउपालिका कैलाली जिल्लाको पूर्वी दक्षिण भागमा अवस्थित एक सुन्दर एवं प्राकृतिक स्रोतले सम्पन्न गाँउपालिका हो। समुन्द्री सतहबाट १४५ देखि १६५ मिटर उचाई सम्म फैलिएको यो गाँउपालिका ६५.५७ वर्ग कि.मी. क्षेत्रफलमा फैलिएको छ। जोशीपुर गाँउपालिकाको उत्तरी अक्षांश विश्व मान चित्रमा २८°३०'५०" देखि २८°३७'२६" सम्म र पूर्वी देशान्तर ८०°५९'८" देखि ८०°४'५" सम्म फैलिएको छ। नयाँ मुलुकका रूपमा चिनिने कैलाली जिल्ला सुगौली सन्धि पश्चात राणा प्रधानमन्त्री जंग बहादुर राणाको पालामा वि.सं १९१४ मा भारतमा भएको सिपाही तथा रजौटाको बिद्रोह दबाउन मद्धत गरेवापत नेपाललाई उपहार स्वरूप दिईएको ४ जिल्ला मध्ये एक हो । स्थानीय तह पुनसंरचनाका क्रममा वि.सं. २०७३ साल फाल्गुन २३ गते साविक जोशीपुर र बौनिया गाविस लगायतका क्षेत्रलाई समावेश गरि जोशीपुर गाँउपालिका स्थापना गरिएको हो। यस गाँउपालिकालाई भौगोलिक अवस्था एवं जनसंख्याको अनुपात अनुसार ७ वटा वडामा विभाजन गरिएको छ। २०७८ सालको जनगणना अनुसार यस गा.पा.को कुल जनसंख्या ३७१८७ रहेको छ, जसमा महिलाको संख्या १९४३३ र पुरुषको संख्या १७७५४ रहेको छ भने उक्त जनगणनाका अनुसार नै यस गा.पा. भित्र ७७५१ घरधुरी रहेका छन्।



### भौगोलिक बनावट

- समावेश भएका साविकका गाविसहरू : जोशीपुर र बौनिया
- क्षेत्रफल : ६५.५७ वर्ग किलोमिटर
- केन्द्र : जोशीपुर
- वडा संख्या : ७
- पूर्व : जानकी गाँउपालिका र टिकापुर नगरपालिका
- पश्चिम : भजनी नगरपालिका र घोडाघोडी नगरपालिका
- उत्तरमा : बर्दगोरिया गाँउपालिका र लम्कीचुहा नगरपालिका
- दक्षिणमा : भजनी नगरपालिका र टिकापुर नगरपालिका

नेपालको संविधान २०७२ ले संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको मुल संचरना संघ, प्रदेश र स्थानीय तह गरि तीन तहको हुने तथा राज्यशक्तिको प्रयोग तीनै तहले कानून बमोजिम गर्ने ब्यवस्था अनुरूप यस गाँउपालिकाले २ वटा स्थानीय तहको निर्वाचन पश्चात संविधान र बिद्यमान ऐन कानून बमोजिम स्थानीय सरकार प्रारम्भ भएको ८ वर्ष पुरा भएको छ। संघको अस्पष्ट नीतिगत ब्यवस्था एवं सांगठनीक संरचना, अप्रयाप्त जनशक्ति तथा सिमित स्रोतसाधन, भौगोलिक बिकटता, प्रशासनिक जटिलता लगायतका समस्यालाई चिदै यस अवधिमा यस गाँउपालिकाले विभिन्न विकासात्मक कार्यहरू सम्पन्न गरेको छ।

### वडागत जनसंख्या विवरण

वडा नं.	पुरुष	महिला	जम्मा
१	२७७६	२९८०	५७५६
२	२३३२	२५३४	४८६६

वडा नं.	पुरुष	महिला	जम्मा
३	२९९२	३४३१	६४२३
४	२४३२	२६४४	५०७६
५	२६७१	२९०७	५५७८
६	२४१६	२५३१	४९४७
७	२१३५	२४०६	४५४१
<b>जम्मा</b>	<b>१७७५४</b>	<b>१९४३३</b>	<b>३७१८७</b>

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०७८

### १.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको कार्यान्वयन, “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि”को दीर्घकालिन सोच सहितको स्रोत योजना साथै के.आई.सिंह गाउँपालिकाको “जोशीपुर समृद्धिको आधार:कृषि उत्पादन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति पर्यटन र पूर्वाधार” र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि स्रोत साधनको विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता तथा वित्तीय अनुशासन तीन वटा पक्ष उत्तिकै प्रभावकारी हुनुपर्दछ । यी पक्षहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन तथा व्यवस्थापन गर्ने औजारका रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना रहेको छ ।

गाउँपालिकाको आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता र सामञ्जस्यता कायम गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना महत्वपूर्ण औजारका रूपमा रहेको छ । यसले विकास योजनाका लक्षित नतिजा हासिल गर्न स्रोत साधनको न्यायोचित वितरण र महत्तम परिचालन, पारदर्शी र मितव्ययी खर्च प्रणाली, पूर्वाधार निर्माण तथा सेवाको गुणस्तर तथा प्रभावकारिता, वित्तीय अनुशासन जस्ता पक्षमा सुधार ल्याउँछ । यसको सकारात्मक असर सार्वजनिक वित्त क्षेत्रमा मात्र नभई आर्थिक तथा वित्तीय स्थायित्वमा समेत पर्दछ ।

गाउँपालिकाको खर्चको व्यवस्थापन विभिन्न किसिमका अनुदान तथा वित्तीय हस्तान्तरणका आधारमा गर्नुपर्ने भएकाले समग्र साधन तथा स्रोतको सही किसिमले उपयोग होस् भन्नाका लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना रहेको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले आवधिक योजनाले लिएको दीर्घकालिन सोच तथा लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीतिहरू हासिल गर्नका लागि क्षेत्रगत आयोजना/कार्यक्रमगत प्राथमिकता निर्धारण, खर्च र स्रोतको आँकलन तथा प्रक्षेपण गरी वित्त व्यवस्थापन तथा आर्थिक विकासमा सहयोग पुऱ्याउँछ ।

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ ले नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकार तथा स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । उक्त प्रावधान अनुरूप मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्तावित योजनाको उद्देश्य तथा सो योजनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गर्न वा बजेट विनियोजनमा आवश्यकताको पुष्ट्याईलाई समेटिनु पर्ने, प्रस्तावित योजना कार्यान्वयन हुने आर्थिक वर्ष र त्यसपछिका थप दुई आर्थिक वर्षमा प्राप्त हुनसक्ने प्रतिफल र उपलब्धि समेत उल्लेख हुनुपर्ने व्यवस्था छ । साथै, योजना लागु गर्न आवश्यक पर्ने खर्चको विवरण र सो रकम कुन कुन स्रोतबाट व्यहोर्ने र खर्च गरिएको रकमबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल र उपलब्धिको प्रक्षेपण गरिएको हुनुपर्ने प्रावधान छ ।

अन्त सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा १७ (१) मा स्थानीय तहले ऐनको दफा १६ बमोजिमको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । उक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनामा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत वित्त खाका, बजेट तथा कार्यक्रमको खाका र नतिजा खाकाको साथै प्रस्तावित आयोजना वा

कार्यक्रमको क्रियाकलापगत विवरण, क्रियाकलापको अनुमानित प्रति इकाई लागत, आयोजना वा कार्यक्रम सञ्चालनमा लाग्ने अनुमानित समय तथा सोबाट प्राप्त हुन सक्ने प्रतिफल समेत खुलाई प्रत्येक आयोजना वा कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ ।

यो खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरण गर्ने आधारहरु परिमार्जन गरी वस्तुगत रूपमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना तथा दिगो विकास लक्ष्यसँग कार्यक्रम/आयोजनाको सामञ्जस्यता कायम गर्ने गरी प्राथमिकीकरणको निश्चित मापदण्ड बनाइएको छ । समग्र विकासका विषय क्षेत्रहरुलाई ५ क्षेत्रमा विभाजन गरी मापदण्डहरुमा सबै क्षेत्रले गर्ने योगदान पन्याउनु पर्ने गरी उपक्षेत्रगत आधार तय गरिएका छन् । यस खर्च संरचनामा पहिलो वर्ष वा आर्थिक वर्ष २०८२।०८३ को हकमा विनियोजित बजेट अनुरूप र त्यसपछिका बाँकी दुई वर्षको हकमा आयोजनाको कार्यान्वयनको स्थिति, उपलब्ध साधन स्रोत र खर्च गर्ने क्षमतालाई आधार मानी रकम अनुमान गरिएको छ । साथै गाउँपालिका तथा वडाले सञ्चालन गर्ने आयोजना वा कार्यक्रमका विभिन्न क्रियाकलापहरुको प्रति एकाई खर्च अनुमानका साथै विभिन्न क्षेत्रमा आगामी तीन वर्षभित्र गरिने लगानीबाट प्राप्त हुने लक्षित प्रतिफल तथा नतिजा सुचकहरु प्रस्तुत गरिएको छ ।

## १.२ अवधारणा तथा उद्देश्य

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनको एक औजारका रूपमा यस खर्च संरचनाले उपलब्ध साधन स्रोतको आँकलन गर्ने र त्यसलाई योजनको प्राथमिकताको क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि बाँडफाँड गर्ने गर्दछ । यस अन्तर्गत राजश्व, संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सर्शत अनुदान, समपूरक अनुदान, विशेष अनुदान तथा आन्तरिक ऋणको आँकलन गरी समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिन्छ । यसैका आधारमा खर्च क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत मन्त्रालय र सरकारका अन्य निकायहरुको नीति तथा कार्यक्रमहरु कार्यान्वयन गर्न आवश्यक मध्यम अवधिको बजेट विनियोजन सहितको मध्यमकालीन खर्च अनुमानको खाका तयार गरिन्छ । यसरी निर्धारण भएको स्रोतभित्र रहेर गाउँपालिका एवम वडाले नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको क्रममा लाग्ने खर्च रकमको अनुमान गर्दछन् । सम्बन्धित विषयगत समितिसँगको छलफलपछि तीन वर्ष अवधिको बजेटको खाका तयार गरिन्छ ।

यो खाका तयार गर्दा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरिन्छ । यसमा पहिलो वर्षको खर्च र स्रोत अनुमानको वार्षिक बजेटसँग तादात्म्यता रहन्छ र बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपण गरिन्छ । पहिलो वर्ष कार्यान्वयन भएपछि नयाँ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरिन्छ । जसमा पहिलो वर्षको प्रगति समीक्षा गरिन्छ भने बाँकी दुई वर्षको विगतमा प्रक्षेपण गरेको अनुमानलाई परिमार्जन गरी एक वर्षको बजेट प्रक्षेपण थप गरिन्छ । यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रिय हिसाबले प्रत्येक वर्ष तीन वर्षको बजेटको आँकलन गर्नुपर्ने हुन्छ । त्यसैले यसलाई विकासको आवश्यकता आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था, राजश्व र वैदेशिक सहायता अनुमान समेतको आधारमा प्रत्येक वर्ष परिमार्जन गरिनुपर्ने हुन्छ । यसबाट मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन महत्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनाका उद्देश्य निम्नानुसार छन्:

१. सार्वजनिक खर्च प्रणालीमा वित्त अनुशासन कायम गरी समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्नका लागि गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने मध्यम अवधिको आन्तरिक र बाह्य स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट खाका तर्जुमा गर्ने ।
  २. गाउँपालिकाको विकास योजनाको प्राथमिकताका क्षेत्रमा लगानीको सुनिश्चित प्रदान गर्न स्रोत साधनको विनियोजन प्रक्रियाको पुर्न संरचना गरी प्राथमिकताप्राप्त विषयगत क्षेत्रमा बजेटको बाँडफाँड गर्ने ।
  ३. सार्वजनिक खर्चलाई बढी प्रभावकारी र कुशल बनाई लक्षित प्रतिफल सुनिश्चित गर्ने ।
  ४. सम्बन्धित मन्त्रालयहरूको बजेट अनुमान वास्तविक बनाउने ।
- उल्लेखित लक्ष्य हासिल गर्न आवधिक रुपमा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी कार्यान्वयनमा लैजानु पर्दछ ।

### १.३ संस्थागत व्यवस्था

मध्यमकालीन खर्च संरचना आवधिक योजना र वार्षिक बजेटबीच तादात्म्यता अपनाउने उपकरण भएकाले वार्षिक बजेट निर्माणमा यसको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । यसका लागि संस्थागत व्यवस्थाका रुपमा देहाय बमोजिमका विभिन्न स्तरका समितिहरूको व्यवस्था गरिएको छ ।

#### १.३.१ स्रोत अनुमान तथा बजेट निर्धारण समिति

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६६ बमोजिमको समितिले गर्नेछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम हुनेछः

- क. आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गर्ने,
- ख. प्रक्षेपित कुल स्रोत र खर्चको आधारमा विषय क्षेत्रगत खर्चको सीमा निर्धारण गर्ने,
- ग. मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी समग्र कार्यको निर्देशन गर्ने ।

#### १.३.२. मध्यमकालीन खर्च संरचना प्राविधिक समिति/कार्यदल

जोशीपुर गाउँपालिकामा मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको लागि देहायबमोजिमको एक प्राविधिक समिति/कार्यदल रहनेछ । सो कार्यदलले प्रत्येक क्रियाकलापमा एकाईगत लागत आँकलन, परिमार्जनका साथै शाखा अन्तर्गतका मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यमा समन्वय तथा सहजीकरण गर्ने तथा सो शाखाहरूको वियषगत रुपमा एकीकृत बजेट मस्यौदा तयार गर्नेछः

- |                             |              |
|-----------------------------|--------------|
| क) प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत  | - संयोजक     |
| ख) विषयगत शाखा प्रमुखहरू    | - सदस्य      |
| ग) योजना शाखा / एकाई प्रमुख | - सदस्य सचिव |

यस कार्यदलले आवश्यकता अनुसार विषय विज्ञलाई आमन्त्रण गर्न सक्नेछ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचना बजेट तयारी गर्ने सन्दर्भमा कार्यदलले देहाय बमोजिमका कार्यहरू सम्पन्न गर्नुपर्नेछः

- क) त्रिवर्षीय प्रक्षेपण सहित बजेटको आकार र स्रोतको आँकलन गरी स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति समक्ष पेश गर्ने,
- ख) मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी मार्गदर्शनको मस्यौदा तयार गरी कार्यपालिकामा पेश गर्ने,
- ग) विषयगत शाखा तथा समितिहरूसँग आवश्यक समन्वय गर्ने,
- घ) मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गरी विषयगत समितिमा पेश गर्ने,
- ङ) मध्यमकालीन खर्च संरचना सम्बन्धी अन्य कार्यहरू गर्ने ।

### १.३.३. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति

विषयगत समितिमा प्रस्ताव भएका कार्यक्रम/आयोजनाहरूको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहित तयार विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना र बजेटको एकीकृत मस्यौदा तयार सम्बन्धी कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७ बमोजिम गठित बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले गर्नुपर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा यस समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहायबमोजिम हुनेछः

- क) खर्चको माग र स्रोतको विश्लेषण गरी विषय क्षेत्रगत खर्चको माग र विवरण तयार गर्ने,
- ख) विगतको उपलब्धि, आय र खर्चको प्रवृत्ति समेतको विश्लेषण गरी गाउँपालिकाको आर्थिक खाका तयार गर्ने,
- ग) गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीति र चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकासको लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकालाई आधार लिई खर्च तथा स्रोतको अनुमान सहितको मध्यमकालीन बजेट खाका तर्जुमा गर्ने,
- घ) गाउँपालिकाको आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य र उपलब्धि सुचकका आधारमा तोकिएको ढाँचामा समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका तयार गर्ने,
- ङ) विषय क्षेत्रगत सन्तुलन तथा प्राथमिकता कायम हुने गरी स्रोत विनियोजन तथा प्रक्षेपण गर्ने,
- च) मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अन्तिम रूप दिई स्वीकृतिका लागि आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमसँगै कार्यपालिकामा पेश गर्ने ।

### १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रिया

मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धी कार्य स्थानीय तहका लागि नवीन अभ्यास हो । यसका लागि सर्वप्रथम संरचनाको आवश्यकता, महत्व र प्रक्रियागत चरणहरूका बारेमा सम्बद्ध सरोकारवालाहरू स्पष्ट हुन आवश्यक हुन्छ । सो का लागि कार्यपालिका सदस्य सहित शाखा प्रमुखहरूलाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा देहायको प्रक्रियागत चरणहरू देहाय बमोजिम रहेका छन्:-

#### १.४.१ चालु आवधिक योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समीक्षा

जोशीपुर गाउँपालिकाबाट चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक बजेट, कार्यक्रमको लक्ष्य र उपलब्धिको आधारमा गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक परिसुचक समावेश भएको आर्थिक सर्वेक्षण तयार गर्नका लागि पहल गरिएको हो । त्यो भन्दा पनि यस गाउँपालिकामा रहेका पाँच वटा विषयगत क्षेत्र/ उपक्षेत्रगत रूपमा उपलब्धि विवरण तयार पारिएको हो । यसरी तयार पारिएको उपलब्धि विवरणका आधारमा आवधिक योजनाका लक्ष्य, उद्देश्य र प्राथमिकता तथा वार्षिक विकास कार्यक्रम कार्यान्वयनको अवस्था समेतलाई

विश्लेषण गरी समीक्षा प्रतिवेदन तयार गरिएको छ । कार्यपालिका, विषयगत शाखा, वडा कार्यालयसँग छलफल गरी योजना शाखाले आर्थिक खाकाको प्रारम्भिक विवरण तयार पारिएको हो ।

### १.४.२ त्रिवर्षीय खर्चको प्रक्षेपण सहित कुल बजेटको आकार निर्धारण

आर्थिक वर्ष २०७९/०८० यथार्थ आयव्यय, आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ को यथार्थ आयव्यय र आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को संसोधित आयव्यय का लागि संघीय सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त भएको अनुदान तथा राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त भएको बजेट सीमामा आधारित भइ त्रिवर्षीय बजेटको खर्च प्रक्षेपण गरिएको छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले चालु आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना, आन्तरिक स्रोतको सम्भावना, राजश्व तथा व्ययको प्रक्षेपण र प्राथमिकताको आधारमा आगामी आर्थिक वर्षको बजेटको आकार तथा थप दुई वर्षको खर्च तथा स्रोतको आकार निर्धारण गरिन्छ ।

### १.४.३ बजेट सीमा निर्धारण र बाँडफाँड

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तयार गरेको आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत तथा खर्चको प्रक्षेपणको आधारमा बजेट सीमा निर्धारण गरिएको छ । बजेट सीमा निर्धारण तथा स्रोतको बाँडफाँड गर्दा आवधिक योजना र विषय क्षेत्रगत रणनीतिक आधारमा लक्ष्य तथा उपलब्धिलाई आधार मानिएको छ । यसैगरी क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था, सम्भाव्यता अध्ययन वा लागत अनुमान यकिन भएका कार्यक्रम तथा विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना र उपक्षेत्रगत रूपमा स्रोतको बाँडफाँड गरिएको छ ।

### १.४.४ बजेट सीमा र मार्गदर्शन स्वीकृत तथा सम्प्रेषण

स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तयार पारेको आगामी तीन वर्षको कुल स्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, विषय उपक्षेत्रगत बजेट सीमा र मार्गदर्शन उपर कार्यपालिकाले छलफल गरी स्वीकृत गर्दछ । यसरी स्वीकृत भएको खर्च अनुमानमा चालु, पूँजीगत र वित्तीय व्यवस्था सम्बन्धी खर्चको अनुमान र बजेटको स्रोत समावेश हुनुपर्दछ । मार्गदर्शनमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा ध्यान दिनुपर्ने शर्तहरू समावेश भएको हुनुपर्दछ । स्वीकृत बजेट सीमा र मार्गदर्शनलाई तोकिएको समयभित्र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले तोकिए बमोजिमको ढाँचामा सम्बन्धित शाखा र वडा कार्यालयमा पठाउनुपर्नेछ ।

यसरी बजेट सीमा र मार्गदर्शन पठाउँदा वडा कार्यालयको हकमा विषयक्षेत्रगत सीमा निर्धारण गर्न वा कुनै विषय क्षेत्रमा मात्र बजेट तथा कार्यक्रम प्रस्ताव गर्नुपर्ने भएमा सो व्यहोरा मार्गदर्शनमा स्पष्ट रूपमा खुलाएर पठाउनुपर्नेछ । गाउँपालिकाको विशेष प्राथमिकतामा परेका विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र वा क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनालाई बजेट सुनिश्चित (Earmark) गर्नुपर्ने भएमा विषयगत शाखा वा वडा कार्यालयलाई बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन पठाउँदा सो समेत खुलाई पठाउनुपर्नेछ । यसैगरी गाउँपालिकाको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार भई कुल लागत एकीन भइसकेका बहुवर्षीय आयोजनाको हकमा आयोजनागत रूपमा र अन्यको हकमा कार्यक्रम उपक्षेत्रगत रूपमा आयोजना विवरण तयार गर्नुपर्छ ।

### १.४.५ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयारी

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले पठाएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन भित्र रही विषयगत शाखाले उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयार गर्नुपर्छ । यस्तो विवरण तयार गर्दा गत आर्थिक वर्षको

यथार्थ स्थिति, चालु आर्थिक वर्षको अनुमान र चालु मध्यमकालीन खर्च संरचनाको आधारमा आगामी आर्थिक वर्ष (बजेट वर्ष) र थप दुई आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमको प्रक्षेपण गर्नुपर्दछ ।

उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको विवरण तयार गर्दा सर्वप्रथम आगामी तीन वर्षमा कार्यान्वयन गरिने कार्यक्रम तथा आयोजनागत विवरण तयार गर्नुपर्छ । विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएका तथा कुल लागत यकिन भएका क्रमागत अथवा बहुवर्षीय आयोजनाको हकमा आयोजनागत रूपमा र अन्यको हकमा उपक्षेत्रगत रूपमा उपलब्ध बजेट सीमाभित्र रही प्राथमिकताको आधारमा कार्यक्रम/आयोजनाको विवरण तयार गर्नुपर्दछ । लागत अनुमान यकीन भइनसकेका आयोजनाको हकमा प्रति एकाई लागतका आधारमा लागत एकीन गर्नुपर्दछ । साथै उपक्षेत्रगत रूपमा लागत अनुमान एकीन गर्दा चालु र पूँजीगत खर्चका आधारमा गर्नुपर्दछ । यसरी एकीन गरिएको कुल लागत समेतको आधारमा कार्यक्रम र आयोजनाको संक्षिप्त विवरण तयार गर्नुपर्दछ ।

कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणमा समावेश भएका कार्यक्रम तथा आयोजना वा उपक्षेत्रको त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, प्राथमिकीकरण एवम् रणनीतिक स्तम्भ, दिगो विकास लक्ष्य, जलवायु संकेत तथा लैङ्गिक संकेतको आधारमा साङ्केतिकरण गर्नुपर्दछ । कार्यक्रम तथा आयोजना र उपक्षेत्रको प्राथमिकीकरण, लैङ्गिक र जलवायु सांकेतिकरण सम्बन्धी आधार र प्रक्रिया **अनुसुची-१** मा उल्लेख भएबमोजिम हुनेछ । यसरी तयार भएको विवरण तथा उपलब्ध बजेट र सीमा र मार्गदर्शन बमोजिम उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तयार गरिन्छ । उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमानको ढाँचा तयार हुनेछ । उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तयार भएपश्चात गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक योजना तथा गुरुयोजनाको लक्ष्य र उपलब्धि सूचकका आधारमा अनुसुचीमा तोकिएको ढाँचामा उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा खाकाको विवरण तयार गरिन्छ ।

विषयगत शाखाबाट तयार भएको उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको विवरण कार्यदलको समन्वय र निर्देशनमा विषयक्षेत्रगत रूपमा एकीकृत गरी निश्चित ढाँचामा विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा तयार गरिन्छ । यसरी तयार भएको प्रारम्भिक मस्यौदालाई कार्यदलले पुनरावलोकन गरी बजेट सीमा र मार्गदर्शनसँग सामञ्जस्यता भए नभएको एकीन गरी आवश्यक परिमार्जन गर्नुपर्दछ । यसरी परिमार्जन भएको विषयगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदालाई कार्यदलले सम्बन्धित विषयगत समितिमा पठाउनुपर्दछ ।

#### **१.४.६ विषयगत योजना तर्जुमा समितिहरूमा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामाथि छलफल**

परामर्शदाता संस्थाबाट प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको त्रिवर्षीय खर्च प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रारम्भिक मस्यौदा र आगामी आर्थिक वर्षको बजेटमाथि सम्बन्धित विषयगत समितिमा दफावार छलफल गर्नुपर्दछ । यसरी छलफल गर्दा नेपालको संविधान (मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र स्थानीय तहको अधिकार), राष्ट्रिय दीर्घकालिन सोच, दिगो विकासको लक्ष्य, राष्ट्रिय तथा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, गाउँपालिकाको आवश्यकता र सम्भावना तथा छनौट गरिएका कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरणलाई आधार बनाउनु पर्दछ । यसरी विषयगत समितिमा भएको छलफलबाट तयार भएको विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति समक्ष पेश गरिन्छ ।

### १.४.७ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अन्तिम मस्यौदा तयारी

विषयत समितिबाट पेश भएको विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई एकीकृत गरी समष्टिगत नतिजा खाका र बजेट खाका एवम् आगामी तीन वर्षको खर्चको अनुमान र प्रक्षेपणको बाँडफाँड सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ६७ बमोजिमको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले गर्नेछ । साथै समितिले समिक्षा प्रतिवेदन तथा विगतको उपलब्धि र समष्टिगत नतिजा खाकाको आधारमा चालु आवधिक योजना तथा विषय क्षेत्रगत अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न सहयोग पुग्ने गरी स्थानीय आर्थिक खाका तयार गर्नुपर्दछ । स्थानीय आर्थिक खाकामा स्थानीय उत्पादन, रोजगारी, आय र लगानी खाका लगायतका सुचकहरु समावेश भएको हुनपर्दछ । आर्थिक खाका तयार गर्दा गत आर्थिक वर्षको यथार्थ अवस्था, चालु आर्थिक वर्षको अनुमानित उपलब्धिको आधारमा आगामी आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गर्नुपर्दछ भने आगामी दोस्रो र तेस्रो आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गर्दा चालु आवधिक योजनाको लक्ष्यको आधारमा तयार गरिएको हो ।

समष्टिगत नतिजा खाका तयार गर्दा गाउँपालिकाको आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत योजनाको लक्ष्य र उपलब्धि तथा विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचकको आधारमा तयार गर्नुपर्दछ । यसैगरी गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकता तथा रणनीति र चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, दिगो विकासको लक्ष्यको स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकालाई आधार लिई खर्च तथा स्रोत अनुमान सहितको ढाँचामा समष्टिगत मध्यमकालीन बजेट खाका तर्जुमा गर्नुपर्दछ । बजेट खाकामा विषय क्षेत्रगत सन्तुलन तथा प्राथमिकता कायम हुने गरी स्रोतको विनियोजन तथा प्रक्षेपण गर्नुपर्दछ ।

समष्टिगत बजेट खाकाको तयारीसँगै विषय क्षेत्रगत रुपमा तयार भएको आगामी तीन वर्षको खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण, प्राथमिकीकरण एवम् रणनीतिक स्तम्भ, दिगो विकासको लक्ष्य, लैङ्गिक संकेत तथा जलवायु संकेतका आधारमा एकीकृत विवरण तयार गर्नुपर्दछ । साथै स्थानीय गौरवका आयोजनाको तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण पनि तयार गर्नुपर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको एकीकृत मस्यौदा तयारी कार्यमा कार्यदलले बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिलाई आवश्यक सहयोग गर्नुपर्दछ । बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिले मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयार गरी स्वीकृतिका लागि आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रमसँगै कार्यपालिकामा पेश गरिन्छ ।

### १.४.८ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति

बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिबाट पेश भएको मध्यमकालीन खर्च संरचना उपर कार्यपालिकामा आवश्यक छलफल गरी स्वीकृत गरिन्छ। यसरी कार्यपालिकाबाट स्वीकृत भएको मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई अनुमोदनका लागि वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रमको साथमा सभामा पेश गरिन्छ । यसरी सभाबाट स्वीकृत भएको मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई प्रमाणित गरिसकेपछि कार्यान्वयनको चरणमा जान्छ ।

**परिच्छेद दुई: मध्यमकालीन खर्च संरचना**  
(आ. व. २०८२/०८३ - २०८४/०८५)

### २.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले लोक कल्याणकारी राज्यको अवधारणा र समाजवाद उन्मुख आर्थिक प्रणालीमार्फत मुलुकमा सुशासन, विकास र समृद्धि हासिल गर्ने परिकल्पना गरेको छ । मौषममा आधारित कृषि उत्पादन, पर्यटन उर्जा र विप्रेषण यस गाउँपालिकाको समग्र अर्थतन्त्रको मुख्य आयाम हुन् । यस योजनाले गाउँपालिकाको दिगो विकास र सामाजिक न्याय आधारमा समृद्धि हासिल गर्ने लक्ष्य हासिल गरेको छ । संविधान भित्र रहेर कानून तथा नीतिको निर्माण, आर्थिक स्रोतको व्यवस्था, स्थानीय आवश्यकता अनुरूपका विकासका योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार राख्दछ । यसै सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/०८३-२०८४/०८५) तर्जुमा गरिएको हो ।

योजनाको लक्ष्य प्राप्तिका लागि बजेटको कुशल व्यवस्थापन, तीव्र आर्थिक विकास र उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नुपर्नेछ । सो बमोजिम गाउँपालिकाको आवधिक योजनासँग सामञ्जस्य हुनेगरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको मध्यमकालीन खर्च संरचना (आ. व. २०८२/०८३- २०८४/०८५) तर्जुमा गरिएको छ । यस त्रिवर्षीय खर्च संरचना तयार गर्दा दीर्घकालिन सोच सहितको गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा उल्लेखित सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र दिगो विकास लक्ष्यलाई मुख्य आधार लिइएको छ ।

### २. २ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

#### २. २. १ सोच

**“जोशीपुर समृद्धिको आधार: कृषि उत्पादन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति पर्यटन र पूर्वाधार”**

#### २. २. २ उद्देश्य

- रोजगारी सिर्जना, आर्थिक विकास र गरिबी निवारणमा प्रत्यक्ष योगदान कृषि तथा पशुजन्य उत्पादनको व्यावसायीकरण र स्थानीय स्रोतसाधन र बजारले मागेको औद्योगिक उत्पादन तथा उत्पादनशील सेवा तथा सुविधाको उपलब्धता र उपयोग र बजारीकरणमा वृद्धि गर्ने ।
- शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक सेवाहरूको उपलब्धता र उपयोगमा वृद्धि गर्ने ।
- धार्मिक तथा सांस्कृतिक पूर्वाधारहरूको संरक्षण र विकास गर्दै र संस्कृतिसँचि पर्यटनको विकास गर्ने।
- नागरिकको जीवन र जीविकोपार्जन सहज बनाउन स्थानीय पूर्वाधारहरू दिगो बनाइ व्यवस्थित गर्ने ।
- सूचना प्राविधिको विकास र उपयोग व्यापक बनाउने ।
- विपद् प्रतिकार्यहरूको उचित व्यवस्था गर्दै जैविक विविधता र वातावरणीय स्रोतको संरक्षण र दिगो उपयोगलाई बढावा दिने ।
- गाउँपालिकाको कार्य सम्पादनलाई जनताले महसुस गर्ने गरी सुशासित बनाउने ।

## २. २. ३ रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
रणनीति १: खेतीयोग्य जमिन भएको तर सिँचाइको पहुँच नपुगेको वा अपर्याप्त भएको क्षेत्रमा प्राथमिकताको आधारमा सिँचाइको पहुँच वृद्धि गरिनेछ। (चालक १: कृषि)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिँचाइ नपुगेका अथवा अपर्याप्त खेतीयोग्य जमिनको विवरण तयार पारिनेछ।</li> <li>• निर्माण भए तापनि समुचित प्रयोगमा नआएका सिँचाइ कुलोहरूको प्रयोगमा आउनेगरी पुनर्निर्माण गरिनेछ।</li> <li>• एक योजनाबाट समुदायमा खानेपानी र सिँचाइको व्यवस्थापन गर्न सम्भव भएको अवस्थामा त्यस्ता योजनालाई प्राथमिकता दिइनेछ।</li> <li>• सिँचाइकोलागि प्राथमिकताको आधारमा साना जलासय, पोखरी आदि संरचना तयार गरिनेछ।</li> <li>• सिँचाइका संरचनाको मर्मत सम्भारकोलागि सामूहिक कोषको व्यवस्था गरिनेछ।</li> <li>• संरचना विस्तारकोलागि उपभोक्ताको लागत सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ।</li> <li>• सिँचाइको व्यवस्थापनकोलागि उपभोक्ताहरूको समितिको गठन गरिनेछ।</li> </ul>
रणनीति २ ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक र सांस्कृतिक सम्पदाको पुनर्निर्माण, जीर्णोद्धार र व्यवस्थापन गर्ने (चालक ३)	<ul style="list-style-type: none"> <li>• महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक सम्पदालाई विश्व सम्पदा सूचीमा सूचीकृत गर्नकालागि पहल गर्न निर्देशिका बनाई यसकालागि प्रदेश र संघ सरकारसँग समन्वय गरिनेछ।</li> <li>• पालिका क्षेत्र भित्र रहेका सम्पदाहरूको खोज, अन्वेषण गरी संरक्षण गरिनेछ।</li> <li>• यसका लागि पर्यटन स्थलहरूको थप पहिचान तथा सुधार गरी, प्राचीन संस्कृति र सम्पदाहरूको संरक्षण र होमस्टे लगायत पर्यटन सुविधामा वृद्धि गरिने छ।</li> <li>• विभिन्न जातजातिसँग सम्बन्धीत मौलिक एवम् स्थानीय सामग्रीहरूलाई उत्पादन र प्रवर्द्धन गरिनेछ।</li> <li>• लोपोन्मुख स्थानीय कला, भाषा, लिपि, र संस्कृतिको अभिलेखीकरण गरी संरक्षण र विकास गरिनेछ।</li> <li>• भाषा, कला, नृत्य, नाट्यकला, लिपि र संस्कृतिलाई अभ्यास र स्थलीय सघनताका आधारमा सामुहीकरण गरी विकास र संरक्षणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ।</li> <li>• मौलिक भाषा, लोक संगीत, संस्कृति र कला सम्बन्धी सामग्री आधारभूत तहको स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ।</li> <li>• पर्यटन क्षेत्रको विकासकालागि स्थानीय निजी क्षेत्रलाई आह्वान गरिनेछ। पर्यटकीय महत्त्वका स्थानहरूमा आवागमन सहज बनाउन सडक, पदमार्ग, झोलुङ्गे पुल आदि निर्माण गरिनेछ र भइरहेका सडक र पदमार्गको स्तरोन्नति गरिनेछ।</li> </ul>
रणनीति ३ सामाजिक सुसम्पन्नतालाई अगाडि बढाउन विद्यालय जाने उमेर समूहका सबै बालबालीकालाई माध्यमिक तहसम्मको शिक्षा प्रदान गरी योग्य, दक्ष र उद्यमशील बनाउँदै जनतामा रोग नलाग्ने चेतना व्यक्त	<ul style="list-style-type: none"> <li>• शिक्षा क्षेत्रका विकासका लागि आवश्यक भौतिक संरचनाको विकास गर्ने।</li> <li>• आवश्यक शिक्षक दरबन्दीको व्यवस्था गर्ने।</li> <li>• विज्ञान प्रयोगशाला तथा पुस्तकालयको व्यवस्था गर्ने</li> <li>• खेलकुद सामग्री उपलब्ध गराइने।</li> <li>• स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधार गर्ने भौतिक क्षमताको विकास गरिने।</li> <li>• आवश्यक स्वास्थ्यकर्मीको व्यवस्थापन।</li> <li>• स्वास्थ्य सेवालालाई बढी सहज बनाइ उपलब्ध सेवाहरूको स्तरोन्नति गर्ने।</li> <li>• सरसफाइलाई जनताको बानीको रूपमा विकास गर्ने।</li> <li>• शुद्ध खानेपानीलाई सबैको पहुँचमा पुऱ्याउने।</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
<p>व्यक्तिमा र रोगको उपचार वस्ती बस्तीमा पुन्याएर स्थानीय जनताको स्वास्थ्य सवल बनाउने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• खेलकुदको विकासलाई जोड दिन एक वडा एक भलिबल मैदान र एक वडा एक कर्भर्ड हल निर्माण र उपयुक्त स्थानमा समग्र खेलकुद सुहाउँदो खेल मैदान निर्माण गरिने ।</li> <li>• खेलकुद शिक्षकको व्यवस्थापन र खेलकुद प्रतियोगिताहरूको आयोजना गरिने ।</li> <li>• विद्यालय छाडेको विपन्न वर्गका किशोरीहरूको सीप विकास गरिने</li> <li>• असहाय र जेष्ठ नागरिकको जीवनयापनलाई सहज बनाइने ।</li> <li>• सामाजिक, लैंगिक तथा जातीय विभेद अन्त्य गर्न सो अनुकूलका योजना गतिविधिहरू अगाडि बढाइने छ ।</li> <li>• आर्थिक र सामाजिक सुसम्पन्नताको विकासलाई सँगसँगै लगिने छ ।</li> <li>• लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण व्यवहारमै ल्याउन नीतिगत तह तथा योजनाका प्रत्येक चरणमा लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीकरणलाई व्यवहार मै उतारिने ।</li> <li>• विकासको केन्द्रविन्दुमा बहिष्कृत तथा सीमान्तकृत हुने</li> </ul>
<p>रणनीति ४: विकास निजी तथा सामुदायिक साझेदारीमा</p>	<p>ज्ञान, सीप तथा अनुभव र विकासमा स्वामित्व बोधका हिसाबले पनि विकास साझेदार बढाउँदा बढी नतिजा निकाल्न सकिने र सहकार्य पनि बढ्ने हुँदा "फेरि पनि सबैको विकास सबैसँग" भन्ने मान्यता अनुरूप यो गाउँपालिका जनताको सामाजिक तथा आर्थिक विकास लगायत वातावरण तथा पूर्वाधार विकासमा स्थानीय संघ, संस्था तथा निजी क्षेत्रसँगको हातेमालो र सहकार्यलाई विशेष जोड दिइने छ ।</p>
<p>रणनीति ५: आर्थिक विकास र सामाजिक रूपान्तरणलाई सघाउ पुग्ने गरी गुणस्तरीय भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्दै जाने । (चालक ३ पूर्वाधार)</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मानवीयताको आधारमा सबै बस्तीमा १२ महिना भरपर्दो र सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित गर्न मोटर बाटोको व्यवस्था हुने गरी सडकहरूको निर्माण, स्तरोन्नति र पुल पुलेसाहरूको निर्माण गरिने छ ।</li> <li>• उत्पादन क्षेत्रलाई जोड्ने गरी सडकलाई आर्थिक पूर्वाधारको रूपमा विकास गरिने छ ।</li> <li>• सडक निर्माण गर्दा वातावरणीय संवेदनशीलतालाई ध्यान दिई वातावरणमैत्री बनाइने छ ।</li> <li>• यस्ता पूर्वाधार निर्माण गर्दा बोटविरुवामा हुने क्षति को परिपूर्तिको लागि सडकको दायँबायाँ तथा तलमाथि वृक्षरोपण (वायोइन्जिनियरिङ्ग) गरिने छ ।</li> <li>• निर्माण पूर्वाधारहरूको आकस्मिक क्षति पुग्दाको अवस्थामा मर्मत सम्भार गर्न निर्माण लागतको २ प्रतिशतका दरले जम्मा गर्ने गरी मर्मत सम्भार कोष स्थापना गरिने छ ।</li> <li>• आकस्मिक रूपमा आइपर्ने सानातिना छिटपुट योजनाहरूको लागि भैपरी आउनेमा बजेट व्यवस्था गरी उपयोग गरिने छ ।</li> <li>• विद्युतीय प्राविधिको उपयोगलाई विस्तार गर्ने ।</li> <li>• अत्यावश्यक सामुदायिक सेवाका लागि भवनहरूको निर्माण गरिने छ</li> <li>• भवनहरूलाई अशक्तमैत्री बनाइने छ ।</li> <li>• हराभरा जोशीपुर बनाउन वृक्षरोपण, वनको हैसियत तथा बनले ढाकेको क्षेत्रको वृद्धि गरिने छ ।</li> <li>• पानीका मुहानहरूको संरक्षण गरिने छ ।</li> <li>• विपद् व्यवस्थापनका प्रतिकार्यहरू गरिने छ ।</li> <li>• खाली रहेका सार्वजनिक स्थानहरूको संरक्षण गरिने छ ।</li> <li>• जलवायु अन्कलनका उपायहरू अवलम्बन गर्दै प्रतिकार्य गरिने छ ।</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
रणनीति ६: विपद् व्यवस्थापन, वातावरणीय संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्न वन, वातावरण संरक्षण र विपद् व्यवस्थापनमा स्थानीय सरकार, समुदाय र सरोकारवाला क्रियाशील रहने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>हराभरा जोशीपुर बनाउन वृक्षरोपण, वनको हैसियत तथा वनले ढाकेको क्षेत्रको वृद्धि गरिने छ ।</li> <li>पानीका मुहानहरूको संरक्षण गरिने छ ।</li> <li>विपद् व्यवस्थापनका प्रतिकार्यहरू गरिने छ ।</li> <li>खाली रहेका सार्वजनिक स्थानहरूको संरक्षण गरिने छ ।</li> <li>जलवायु अनुकूलनका उपायहरू अवलम्बन गर्दै प्रतिकार्य गरिने छ ।</li> </ul>

### २.३ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

जोशीपुर गाउँपालिकाको आवधिक योजनामा उल्लेखित लक्ष्यका आधारमा आगामी तीन वर्षको समष्टिगत आर्थिक खाका निर्धारण गरिएको छ । आर्थिक खाका तर्जुमा गर्दा सार्वजनिक वित्तको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन, निजी तथा सहकारी क्षेत्रको लगानी, उत्पादन र रोजगारीमा प्रोत्साहन सहित समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गर्न जोड दिइएको छ । यस गाउँपालिकाका वास्तविक क्षेत्र अन्तर्गत उत्पादन, रोजगारी र आयका साथै वित्तीय क्षेत्र एवम् बाह्य क्षेत्रको खाका तर्जुमा गरिएको छ । खर्च संरचनाको दोस्रो र तेस्रो वर्षको लक्ष्य पनि यसमा उल्लेख गरिएको छ । उल्लेखित सूचकहरूको विद्यमान स्थिति, चालु आर्थिक वर्षको अनुमानित उपलब्धि तथा आगामी तीन वर्षको लक्ष्य तालिका नं २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं २.१: समष्टिगत मध्यमकालीन आर्थिक खाका							
क्र सं	सुचक	एकाई	गत आव सम्मको उपलब्धी २०८०/०८१	चालु आ व को उपलब्धि २०८१/०८२	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८२/०८३	२०८३/०८४	२०८४/२०८५
१	वार्षिक उत्पादन	रु लाखमा	५५०	६००	६७५	७२५	७७५
१.१	कृषि	रु लाखमा	५००	५५०	६००	६२५	६५०
१.२	गैर कृषि उद्योग र सेवा	रु लाखमा	५०	५०	७५	१००	१२५
२	औषत पारिवारिक आय	रु लाखमा					
३	उद्योग व्यापार र व्यवसाय	संख्या	६००	७५०	८००	८५०	९००
४	औपचारिक क्षेत्रमा रोजगार सिर्जना	कार्यदिन					
५	आधारभुत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका परिवार	प्रतिशत	६०	६०	६५	७०	७५

## २.४ मध्यमकालीन नतिजा खाका

जोशीपुर गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, आवधिक योजनाले लिएका लक्ष्यहरू र विषय क्षेत्रगत अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका निर्धारण गरिएको छ । सो खाका निर्धारण गर्दा गत आ. व. २०८०।०८१ सम्मको उपलब्धि, चालु आ. व. २०८१।०८२ को अनुमानित उपलब्धि तथा २०८२।०८३ को लक्ष्य तथा थप दुई आर्थिक वर्षको लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको समष्टिगत लक्ष्य तालिका नं २.२ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका नं २.२: समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका							
क्र सं	सुचक	एकाई	गत आ व सम्मको उपलब्धि (२०८०।०८१)	चालु आवको अनुमानित उपलब्धि (२०८१।०८२)	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८२।०८३	२०८३।०८४	२०८४।०८५
१.	२ वर्ष मुनिका कम तौल भएका बालबालिका	प्रतिशत					
२.	साक्षरता दर	प्रतिशत	७२.७	७२.७	७३	७४	७५
३.	कृषि क्षेत्रमा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत	५५	६०	६७	७०	७१
४.	कुल कृषि योग्य भूमिमा सिचाई सुविधा पुगेको क्षेत्रफल	प्रतिशत	६०	६५	६८	६९	७०
५.	कूल भूमिमध्ये कृषि योग्य भूमि	वर्ग कि.मि.	६०.५४	६०.५४	६०.५४	६०.५४	६०.५४
६.	स्थानीय सडक कालोपत्रे	कि. मि.	३४.९१	३६	४०	४६	५२
७.	स्थानीय सडक ग्रावेल	कि. मि.	११२.२७	११५	१२०	१२५	१३०
८.	स्थानीय सडक धुले	कि. मि.	३९.९७	४२	४५	५०	५५
९.	३० मिनेटको दुरीमा यातायातको पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत	९०	९२	९४	९५	९६
१०.	विद्युतको पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत	९८.६२	९९	१००	१००	१००
११.	उर्जा उपभोगमा नवीकरणीय उर्जा अनुपात	प्रतिशत	०	५	६	७	२३
१२.	आधारभूत खानेपानीको पहुँच भएको जनसंख्या	प्रतिशत	९०.१६	९०.१६	९२	९३	९४
१३.	विपद्का घटनाबाट हुने मानवीय क्षति (घाइते सहित)	संख्या	१०	७	५	४	३
१४.	वनजंगलको कूल क्षेत्रफलको	वर्ग कि.मि.	२.१६	२.१६	२.१६	२.१६	२.१६
१५.	शौचालय भएका परिवार संख्या	प्रतिशत	८६.३१	८६.३१	८८	८९	९२
१६.	स्थानीय सेवा प्रवाहबाट सन्तुष्ट जनसंख्या	प्रतिशत	९०	९८	९९	१००	१००
१७.	ईन्टरनेटको पहुँच भएका परिवार	प्रतिशत	७५	८०	८५	९०	९५

## २.५ मध्यमकालीन बजेट खाका

त्रिवर्षीय बजेट खाका निर्माण गर्दा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (२०८२।०८३-२०८६।०८७) मा उल्लेखित सोच, उद्देश्य, रणनीति र प्राथमिकता, गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, बजेटका सिद्धान्त र प्राथमिकता दिगो विकासका लक्ष्य, २०३० को मार्गचित्र एवम् समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व, विनियोजन कुशलता र अनुमान योग्यतालाई मुख्य आधार लिइएको छ । वित्तको कुशल व्यवस्थापन, उच्च आर्थिक वृद्धि, तीव्र आर्थिक सामाजिक विकास र समन्यायिक वितरण गर्न विकास कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा जोड दिइएको छ । माथि उल्लेखित नतिजा खाकाका साथै विषय क्षेत्रगत नतिजा प्राप्त हुनेगरी स्रोत र खर्च अनुमान गरिएको छ ।

गाउँपालिकाका विभिन्न शाखा तथा वडाहरूमा चालु तथा पूँजीगत विकासका रूपमा बाँडफाँड सम्बन्धी मापदण्ड बमोजिम आयोजना बाँडफाँड गरिएको छ । गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना, रूपान्तरणकारी आयोजना, नयाँ प्रमुख कार्यक्रम र बहुवर्षीय ठेक्कामा गएका अन्य आयोजनाका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित (Earmark) हुने गरी विषय क्षेत्रगत बजेट खाका निर्माण गरिएको छ । क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यान्वयन अवस्था र आगामी कार्यान्वयन योजनाको आधारमा अर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवम् उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ । कार्यान्वयनको अवस्था, आयोजना अवधि, सिर्जित दायित्व तथा खर्च गर्नसक्ने अवस्था अनुसार क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनःप्राथमिकीकरण गरी विनियोजनको प्राथमिकता निर्धारणमा जोड दिइएको छ । क्रमागत कार्यक्रम तथा आयोजनाको पुनरावलोकन गरी दोहोरोपना रहेका एउटै प्रकृतिका कार्यक्रम वा आयोजना एक आपसमा गाभ्ने वा खारेज गर्ने गरी बजेट अनुमान गरिएको छ । नयाँ आयोजनाका लागि पूर्व तयारी कार्य सम्पन्न भएका बहुवर्षीय ठेक्का लगाउनुपर्ने प्रकृतिका आयोजनालाई कार्यान्वयनमा लैजान एक तिहाई बजेट विनियोजन हुनेगरी र तयारी कार्य सम्पन्न नभएका आयोजनाको लागि आवश्यक रकम विनियोजन गरी तयारी कार्य सम्पन्न गर्ने गरी बजेट प्रस्ताव गरिएको छ ।

मध्यमकालीन स्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक राजश्व परिचालनको स्थिति, संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने विभिन्न किसिमका अनुदान तथा राजश्व बाँडफाँडको अवस्था आदिलाई विशेष ध्यान दिइएको छ । माथि उल्लेखित आधारमा आगामी तीन वर्षको गाउँपालिकाको कुल बजेट रु. २२०७२२५०९५/- रहने प्रक्षेपण गरिएको छ । यस मध्ये चालु खर्च रु. ....- र पूँजीगत खर्च रु. ....- रहने प्रक्षेपण गरिएको छ । यस सम्बन्धी विवरण तालिका नं २.३ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं २.३ स्थानीय मध्यमकालीन बजेट खाका							
क्र. सं	विवरण	गत आ. व. (२०८०।८१) सम्मको यथार्थ	चालु आ. व. (२०८१।८२) को संसोधित अनुमान	मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण (रकम रु.)			
				२०८२।०८३ को अनुमान	२०८३।०८४ को प्रक्षेपण	२०८४।०८५ को प्रक्षेपण	तीन वर्षको कुल
१.	खर्च अनुमान						
	चालु खर्च	२९८४६३६५३		२९९८७३२२५	३०६४६६८८६.३	३२९७९०२३०.६	९२०९३०३४९.८
	पूँजीगत खर्च	८९९८६८२५.३७		९६७६९७८००	९७५९९८६९०	९८४७९८६२४.५	५२८४९५९९४.५
	वित्तीय व्यवस्था	०		०	०	०	०
	कूल	३८८४५०४७८.		४५९४९९०२५	४८२४६५५७६.३	५०६५८८८५५.९	९४४८५४५४५६

तालिका नं २.३ स्थानीय मध्यमकालीन बजेट खाका

क्र. सं	विवरण	गत आ. व. (२०८०/८१) सम्मको यथार्थ	चालु आ. व. (२०८१/८२) को संसोधित अनुमान	मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण (रकम रु.)			
				२०८२/०८३ को अनुमान	२०८३/०८४ को प्रक्षेपण	२०८४/०८५ को प्रक्षेपण	तीन वर्षको कुल
		३७					
२.	आय अनुमान						
	नगद मौज्जात	४२००००००	४६२०००००	५०८२००००	५५९०२०००	६१४९२२००	२५६४१४२००
	आन्तरिक राजस्व	३००००००	४२३५०००	४६५८५००	५१२४३५०	५६३६७८५	२२६५४६३५
	संघीय सरकारबाट प्राप्त वित्तीय समानीकरण अनुदान	९६८०००००	८५५०००००	९४०५००००	१०३४५५०००	११३८००५००	४९३६०५५००
	सशर्त अनुदान (संघीय सरकार)	१५५५०००००	१४६९०००००	१६१५९००००	१७७७४९०००	१९५५२३९००	८३७२६२९००
	संघीय सरकारबाट राजस्व बाडफाट प्राप्त आय	८५५९३०००	८३८६९७००	९२२५६६७०	१०१४८२३३७	१११६३०५७१	४७४८३२२७८
	क. प्रदेश सरकारबाट प्राप्त वित्तीय समानीकरण अनुदान	६७१४०००	७०७२०००	७७७९२००	८५५७९२०	९४१२८३२	३९५३५१५२
	ख. राजस्व बाँडफाट (प्रदेश सरकार)	१९०१०००	२०२३०००	२२२५३००	२४४७८३०	२६९२६१३	११२८९७४३
	ग. समपुरक अनुदान (संघ)	३४००००००	२२००००००	२४२०००००	२६६२००००	२९२८२०००	१३६१०२०००
	घ. समपुरक अनुदान (प्रदेश सरकार)	१००८७०००	५५०००००	६०५००००	६६५५०००	७३२०५००	३५६१२५००
	विशेष अनुदान (संघ)	३८००००००	१०००००००	११००००००	१२१०००००	१३३१००००	८४४१००००
	क. विशेष अनुदान (प्रदेश)	२५०००००	२५०००००	२७५००००	३०२५०००	३३२७५००	१४१०२५००
	अन्य		४००००	४४०००	४८४००	५३२४०	१८५६४०
४	कूल	४७६७२७२४७	३८४६३९७००	४०६६०३६७०	४४७२६४०३७	४९१९९०४४१	२२०७२२५०९५

## २.६ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विश्लेषण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

### १. रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण

कार्यक्रम तथा आयोजना आवधिक विकास योजनाको रणनीतिक स्तम्भ बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ । यसरी वर्गीकरण गर्दा गाउँपालिकाका विषयगत शाखा तथा वडाहरुलाई प्रदान गरिएका विभिन्न कार्यक्रम रहने तथा सो को जानकारीका आधारमा रणनीतिक स्तम्भमा रहेका कार्यक्रम तथा योजनाका लागि बजेट विनियोजन गरिएको छ ।

तालिका नं २.४ रणनीतिक स्तम्भका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण

(रकम रु. हजारमा)

रणनीतिक संकेत	रणनीतिक स्तम्भ	आ. व. ०८०।८१ को यथार्थ		आ. व. २०८१।८२ को संशोधित अनुमान		आ. व. २०८२।८३ को व्यय अनुमान		आ. व. २०८३।८४ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८४।८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	प्रतिस्पर्धात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी बढाउने	०	०	२५९०८	८.१०	३३३२२	८.७६	३७७६९	९.०१	३७७९३	८.१०
२	विकासका अवसरहरूमा समतामुलक पहुँच सुनिश्चित गर्ने	०	०	१२०००	३.७६	१४०८०	३.७०	२२५६६	५.३८	२५१६९	५.४०
३	शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभूत सेवाहरूको गुणस्तर र पहुँच अभिवृद्धि गर्दै मौलिक हकको प्रत्याभूति गर्ने	०	०	१६७४२७	५२.३५	२४७००३	६०.९५	२५२७२६	६०.३१	२६०७२६	५५.८८
४	गुणस्तरीय पूर्वाधारमा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने	०	०	४२१६६.५	१३.१९	४९९५२	१३.१३	५६३०६	१३.४३	५५२८९	११.८५
५	वातावरणीय सन्तुलन एवम् जल, जमिन, जङ्गल, जैविक विविधता आदि प्राकृतिक स्रोत र सम्पदाको संरक्षण तथा विकास गर्ने	०	०	४६७८	१.४७	२३५८८	६.२०	२६३६६	६.२९	२५५९७	५.४८
६	सुशासन सम्बन्धी नीतिगत, कानून एवम् संस्थागत व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने	०	०	६७६४८.२	२१.१९	१२३८३	३.२५	२३२६७	५.२५	६१९२६	१३.२७
	जम्मा	०	०	३१९८२७.७	१००	३८०३२८	१००	४१९०००	१००	४६६५००	१००

रणनीतिक स्तम्भका आधारमा सबैभन्दा बढी रकम शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी जस्ता आधारभूत सेवाहरूको गुणस्तर र पहुँच अभिवृद्धि गर्दै मौलिक हकको प्रत्याभूति गर्ने (रणनीतिक स्तम्भ ३) र सुशासन सम्बन्धी नीतिगत, कानून एवम् संस्थागत व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने (रणनीतिक स्तम्भ ६) मा बाँडफाँड भएको छ । आगामी आ. व. २०८२।०८३ मा पनि अरु क्षेत्रभन्दा बढि बजेटको हिस्सा रणनीतिक स्तम्भ ३ ले नै ओगटेको देखिन्छ । यस क्षेत्रमा विनियोजन हुने बजेट चालु तर्फ बढी हुने भएकाले यसको आकार बढी देखिएको हो ।

## २. प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकताक्रम बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा समपूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई प्राथमिकताक्रम निर्धारण गरिएको छ भने मागमा आधारित रहेका ससाना प्रकृतिका कार्यक्रमका लागि सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.५: प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

प्राथमिकताक्रम	आयो जना संख्या	रकम (रु. हजारमा)									
		गत आ. व. २०८०।०८१ को यथार्थ		चालु आ व. २०८१।०८२ को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८२।०८३ को विनियोजन		आ. व. २०८३।०८४ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८४।०८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
पहिलो (P1)											
दोस्रो (P2)											
जम्मा											
कुल जम्मा											

पहिलो प्राथमिकताका कार्यक्रम वा आयोजनाका लागि बजेट विनियोजनको अंश आगामी २०.४५ प्रतिशत रहेको छ भने दोस्रो प्राथमिकतामा रहेका कार्यक्रम वा आयोजनाको लागि १२ प्रतिशत रहेको छ । आगामी वर्ष पहिलो प्राथमिकतामा रहेका योजनाका लागि बजेट वृद्धि हुनेछ ।

## ३. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.६ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सशर्त अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा समपूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा सांकेतिकरण गरिएको छ भने मागमा आधारित रहेका ससाना प्रकृतिका कार्यक्रमका लागि दिगो विकास लक्ष्यको सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.६: दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

दिगो विकास लक्ष्य संकेत नं	दिगो विकास लक्ष्य	गत आ. व. २०८०।८१ को यथार्थ		चालु आ व. २०८१।८२ को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८२।८३ को विनियोजन		आ. व. २०८३।८४ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८४।८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	गरिवीको अन्त्य	०	०	२४०००	७.८७	२८०००	८.७८	३००००	८.२९	३५०००	७.६२
२	शून्य भोकमरी	०	०	५८०००	१९.०२	४४०००	१३.८०	४८०००	१३.२७	५२०००	११.३२
३	स्वस्थ जीवन	०	०	३२२६०	१०.५८	३३०००	१०.३५	३८०००	१०.५०	४४०००	९.५८
४	गुणस्तरीय शिक्षा	०	०	१२४०००	४०.६७	१३००००	४०.७७	१३७०००	३७.८७	१४००००	३०.४९
५	लैङ्गिक समानता	०	०	३०००	०.९८	३५००	१.०९	५०००	१.३८	६४०००	१३.९५
६	स्वच्छ पानी र सरसफाई	०	०	७०००	२.२९	१००००	३.१३	१५०००	४.१४	१८०००	३.९२
७	आधुनिकउर्जामापहुँच	०	०	१२००	०.३९	१६००	०.५०	५०००	१.३८	७०००	१.५२
८	समावेशी आर्थिक वृद्धि र मर्यादित काम	०	०	२०००	०.६५	५०००	१.५६	७०००	१.९३	९०००	१.९७
९	उद्योग नवीन खोज र पूर्वाधार	०	०	४३२००	१४.१७	५३५००	१६.७८	६३९००	१७.६६	७४०००	१६.१२
१०	असमानता न्यूनीकरण	०	०	४००	०.१३	६००	०.१८	१०००	०.२७	१२००	०.२६
११	दिगो शहर र बस्ती	०	०	२००	०.०६५	५००	०.१५	१०००	०.२७	१४००	०.३०
१२	दिगो उपभोग र उत्पादन	०	०	३०००	०.९८	४०००	१.२५	५०००	१.३८	७०००	१.५२
१३	जलवायु परिवर्त र अनुकूलन	०	०	४०००	१.३१	३०००	०.९४	३५००	०.९६	४०००	०.८७
१५	भूसतह स्रोत उपयोग	०	०	१००	०.०३	१००	०.०३	१००	०.०२	१५०	०.०३
१६	शान्ति, न्याय र सबल संस्था	०	०	१५००	०.४९	१०००	०.३१	१२००	०.३३	१३००	०.२८
१७	दिगो विकासका लागि साझेदारी	०	०	१०००	०.३२	१०००	०.३१	१०००	०.२७	१०००	०.२१
				३०४८६०	१००	३१८८००	१००	३६१७००	१००	४५९०५०	१००
	साङ्केतिकरण नगरिएको			९०५८२		६१५२८		५७३००		७४५०	
	जम्मा			३९५४४२		३८०३२८		४१९०००		४६६५००	

आ. व. २०८२।०८३ मा सबैभन्दा ठूलो हिस्सा गुणस्तरीय शिक्षा (लक्ष्य नं ४), शून्य भोकमरी(लक्ष्य नं २), स्वस्थ जीवन(लक्ष्य नं ३) र पूर्वाधार(लक्ष्य नं ९) मा रहेकाले आगामी वर्षहरूमा अन्य क्षेत्रहरूमा पनि बजेटको हिस्सा वृद्धि हुँदै जाने अनुमान छ ।

#### ४. लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

लैङ्गिक संकेत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.७ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सर्शत अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा सम्पूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई लैङ्गिक संकेतको आधारमा समावेश गरिएको छ भने पूर्वाधार विकास कार्यक्रमका लागि सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.७: लैङ्गिक संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

संकेत नं	लैङ्गिक संकेत	गत आ. व. २०८०।०८१ को यथार्थ		चालु आ व. २०८१।०८२ को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८२।८३ को विनियोजन		आ. व. २०८३।०८४ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८४।०८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
०१	निर्दिष्ट	०	०	५०००	३.०८	६०००	३.३५	६५००	३.६८	७०००	३.७४
०२	सहयोगी	०	०	५५०००	३३.९५	५४०००	३०.१६	४९०००	२७.७६	५००००	२६.७३
०३	तटस्थ	०	०	१०२०००	६२.९६	११९०००	६६.४९	१२१०००	६८.५६	१३००००	६९.५१
				१६२०००	१००	१७९०००	१००	१७६५००	१००	१८७०००	१००
	साङ्केतिकरण नगरिएको			२३३४४२		२०९३२८		२४२५००		२७९५००	
कुल जम्मा				३९५४४२		३८०३२८		४१९०००		४६६५००	

लैङ्गिक संकेतका आधारमा निर्दिष्ट क्षेत्रमा बजेटको थोरै हिस्सा रहेको छ भने अन्य क्षेत्रमा बढी रहेको छ । यसमा पूर्वाधार क्षेत्रको बजेट लैङ्गिक संकेतमा नपर्ने भएकाले यसले बजेटको बढी हिस्सा ओगटेको देखिन्छ ।

#### ५. जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

जलवायु संकेत बमोजिम तीन वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं २.८ मा प्रस्तुत गरिएको छ । गाउँपालिकाबाट विनियोजित कार्यक्रम तथा संघ र प्रदेशबाट सर्शत अनुदानका रूपमा प्राप्त कार्यक्रम तथा सम्पूरक अनुदानका कार्यक्रम तथा आयोजनालाई जलवायु संकेतमा समावेश गरिएको छ । यी बाहेक ससाना प्रकृतिका आयोजनालाई जलवायु संकेतका आधारमा सांकेतिकरण गरिएको छैन ।

तालिका २.८: जलवायु संकेतको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम (रु. हजारमा)

संकेत नं	जलवायु परिवर्तन संकेत	गत आ. व. २०८०।०८१ को यथार्थ		चालु आ. व. २०८१।०२ को संशोधित अनुमान		आगामी आ. व. २०८२।०३ को विनियोजन		आ. व. २०८३।०८४ को खर्च प्रक्षेपण		आ. व. २०८४।०८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
०१	प्रत्यक्ष	०	०	४०००	५.४८	३०००	३.२२	३५००	३.५९	४०००	३.२२
०२	अप्रत्यक्ष	०	०	१४०००	१९.१७	२५०००	२६.८९	२२०००	२.२६	२८०००	२२.५६
०३	तटस्थ	०	०	५५०००	७५.३५	६५०००	६९.९९	७२०००	७३.८५	९२१००	७४.२२
				७३०००	१००	९३०००	१००	९७५००	१००	१२४१००	१००
	सांकेतिकरण नगरिएको			३२२४४२		२८७३२८		३२१५००		३४२४००	
कुल जम्मा				३९५४४२		३८०३२८		४१९०००		४६६५००	

जलवायु संकेतका आधारमा सांकेतिकरण गर्दा तटस्थ क्षेत्रमा बढी बजेटको हिस्सा बढी ओगटेको छ भने सांकेतिकरण नगरिएको क्षेत्र पूर्वाधार क्षेत्र पर्ने भएकाले यसले बजेटको हिस्सा बढी ओगटेको छ ।

६. विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

तालिका २.९: विषय क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण

क्र.सं.	विषयगत क्षेत्र उपक्षेत्र	अनुमानित बजेट लागत (रु.हजारमा)			
		पहिलो आ.व.	दोस्रो आ.व.	तेस्रो आ.व.	जम्मा
1	आर्थिक क्षेत्र	१८०५०	१४३५०	१३५००	४५९००
1.1	कृषि तथा पशुपन्छी	६०५०	४१५०	३६००	१३८००
1.2	सिंचाई	१८००	१६००	१५००	४९००
1.3	पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा	६९००	५७००	५५००	१८१००
1.4	उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति	५००	५००	६००	१६००
1.5	श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा	२८००	२४००	२३००	७५००
2	सामाजिक क्षेत्र	६०३००	५७५००	५५७००	१७३५००
2.1	स्वास्थ्य तथा पोषण	९९००	१०२००	१०१००	३०२००
2.2	शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन	३४२००	३१८००	३०६००	९६६००
2.3	खानेपानी तथा सरसफाई	२७००	३१००	३४००	९२००
2.4	महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग	१००००	८८००	८३००	२७१००
2.5	युवा तथा खेलकुद	३५००	३६००	३३००	१०४००
3	पूर्वाधार क्षेत्र	१४७०००	१४८३००	१३८१००	४३३४००
3.1	बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक	११९००	१३३००	११३००	३६५००

क्र.सं.	विषयगत क्षेत्र उपक्षेत्र	अनुमानित बजेट लागत (रु.हजारमा)			
		पहिलो आ.व.	दोस्रो आ.व.	तेस्रो आ.व.	जम्मा
	निर्माण				
3.2	सडक, पुल तथा यातायात	१२३३००	१२५२००	११६०००	३६४५००
3.3	जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा	९९००	७९००	९०००	२६८००
3.4	सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि	१९००	१९००	१८००	५६००
4	वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र	१५९००	१७८००	१५७००	४९४००
4.1	वन तथा जैविक विविधता	१९००	२०००	२६००	६५००
4.2	भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	१०८००	१२४००	९५००	३२७००
4.3	वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन	५००	४००	५००	१४००
4.4	विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता	२७००	३०००	३१००	८८००
5	संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र	२०६५०	१५५९०	१५१६०	५१४००
5.1	संस्थागत विकास तथा सुशासन	२०६५०	१५५९०	१५१६०	५१४००
जम्मा योजना बजेट		२२२४५०	१७९३९०	१७०८६०	५७२७००

### परिच्छेद तीन: आर्थिक विकास क्षेत्र

#### ३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

##### १. पृष्ठभूमि

कृषि तथा पशुपन्छी क्षेत्रले यस पालिकामा कुल गार्हस्थ उत्पादनको सर्वाधिक करिब ५३ प्रतिशतको योगदान गरेको पाइन्छ। कृषि क्षेत्रमा प्रचुर सम्भावना भएको गाउँपालिकामा करिब एक तिहाइ खेतीयोग्य भूमि रहेको अवस्थामा उपलब्ध भूमिको वैज्ञानिक ढंगले समुचित प्रयोग गरी कृषि र कृषि उद्योगको विकास गर्नुपर्ने आवश्यकता छ। एकातर्फ जग्गाको खण्डीकरण रोकनुपर्ने चुनौती छ भने अर्कोतर्फ जग्गा बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्नुपर्नेछ। कृषि उत्पादनका क्षेत्रमा आत्मनिर्भर बनाई निर्यातमूलक अवस्थामा पुऱ्याउने सोच अनुरूप नै यस पालिकालाई विशेष प्राथमिकतामा राखिएको छ। उपलब्ध श्रम र सीपको पहुँच विस्तार गरी रोजगार सिर्जना गर्दै कृषिमा आधुनिकीकरण, व्यवसायीकरण र यान्त्रीकरणको माध्यमबाट कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने लक्ष्य लिइएको छ।

दिगो विकास लक्ष्यअन्तर्गत भोकमरीको अन्त्य लगायतका लक्ष्य प्राप्त गर्न आदर्श उत्पादन र न्यायिक वितरण प्रणाली प्रति विशेष पहल गर्नुपर्ने देखिन्छ। पोषण तथा खाद्य विविधता प्रवर्द्धन गर्नका लागि खाद्यान्नका अतिरिक्त दूध, माछा, मासु र अण्डाको महत्वपूर्ण भूमिकालाई मनन गरी गाउँपालिकामा

पशुपन्धी पालनका माध्यमबाट पोषण तथा खाद्य सुरक्षा प्रवर्द्धन भई रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना हुनुका साथै आर्थिक उन्नतितर्फ अग्रसर हुनको लागि सहयोग पुग्ने देखिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौति

### समस्या तथा चुनौती

यस गाउँपालिकामा कृषिको विकास तथा व्यवसायीकरणका समस्याहरूमा मुख्यतः बजारको अभाव, लगानीको अभाव तथा आधुनिक उपकरण तथा गुणस्तरीय विउविजन, मलखाद एवं औषधीहरूको अभाव तथा विक्री वितरण गर्न सडक यातायात तथा ढुवानीको समस्या रहेको अवस्था छ । यसैगरी व्यावसायिक खेती तथा बजारीकरणका लागि सिप तथा पूंजीको अभाव, स्थानीय स्तर विमा गर्ने निकायको अभावले गर्दा पहिरो, असिना आदिका कारणबाट वाली उत्पादनमा भैरहेको क्षतीप्रमुख समस्याको रूपमा रहेको पाईन्छ । अर्कोतर्फ कृषिमा लागत लाभको दृष्टिकोणमा खेती प्रणाली खर्चिलो हुनु, माटोको नियमित परीक्षण नहुनु जस्ता समस्या, व्यावसायिक सोचको कमी विद्यमान रहनु, कृषि संकलन केन्द्र नहुनु, कृषि पर्यटन तथा पकेट खेती विकास कार्यक्रम नहुनु एव प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम संचालन नहुनु, कृषि उपजको सुरक्षित भण्डारको सुविधा नहुनु, रष्टिक स्टोर लगायतको सुविधा नहुनुबाट व्यवस्थित विक्री वितरण प्रणाली समेत नभएको अवस्था छ भने अधिकांश कृषकहरूमा व्यावसायिक कृषि र पशुपालन सम्बन्धी प्राविधिक, व्यवस्थापकीय र बजारीकरण सम्बन्धी ज्ञान, सीप र प्रविधिको प्रयोगमा कमी हुनु रहेको छ । आर्थिक विकास संभावनाका क्षेत्रहरू प्रचुर भएपनि परम्परागत र निर्वाहमुखी खेती प्रणाली, व्यावसायिक ज्ञान तथा प्रविधि सम्बन्धी सूचनाको कमी, कर्जामा कम पहुँच, बजारोन्मुख खेती प्रणाली नहुनुका साथै कृषि विज्ञको समेत कमी भएको अवस्था पाइन्छ। स्थानीय हावापानी सुहाउँदो र बढी उत्पादन दिने खालको विभिन्न प्रजातीका बीउ बिजन उत्पादन गर्ने नर्सरी नहुँदा कृषकहरूले माग र आवश्यकता अनुसारको वोट विरुवा प्राप्त गर्न सकेका छैनन्। साथै जलवायु परिवर्तनको असरका कारण बालीमा देखापर्ने हानीकारक झार, रोग तथा किराहरूको प्रकोप लगायत पोषण र पानी सम्बन्धी जोखिममा वृद्धि भएको अवस्था छाजडीबुटी उत्पादन विस्तार र बजारीकरण समस्या, संकलन साथै उत्पादनका लागि औजार उपकरणको कमी, वन्यजन्तुको समस्या समेत विद्यमान रहेको छ ।

भूमि व्यवस्थापन तथा भूमि प्रशासन सेवालाई वैज्ञानिकिकरण तथा सरलीकरण गर्नु, गुठी जग्गाको अभिलेखाङ्कन गरी अतिक्रमण रोक्नु, परम्परागत खेती प्रणालीलाई आधुनिकीकरण र व्यावसायिकरण गराई युवा जनशक्तिलाई कृषि तथा पशु व्यवसायतर्फ आकर्षित गराउनुका साथै कोभिड-१९ महामारीका कारण वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केकाहरूका लागि कृषिमा आकर्षित हुने खालका कार्यक्रमहरूबाट स्वरोजगार गराउनु, खाद्यान्नको उचित वितरण गर्नु र यसको प्रयोगमा जनचेतनामूलक कार्य सञ्चालन गर्नुका साथै कृषि सहकारीहरूको लगानीलाई व्यापकरूपमा कृषि उत्पादन तथा उद्योगमा परिचालन गर्नुपर्ने चुनौतीहरू रहेका छन्।

### ३. लक्ष्य

माटो सुहाउदो कृषि उत्पादन र कृषिमा यान्त्रिकरणको माध्यमबाट कृषि उत्पादनको व्यावसायीकरण गरी उत्पादन वृद्धि गरिने छ ।

### ४. उद्देश्य

- जलवायु तथा माटोको प्रकृति अनुकूल भएका कृषि क्षेत्रको पहिचान गर्ने
- कृषकहरूको क्षमता विकास गर्ने
- लागत सहभागितामा कृषिमा यान्त्रिकरण
- कृषि उत्पादनलाई बजार सञ्जालमा जोड्ने

### ५. रणनीति

- कृषिलाई निर्वाहमुखीबाट व्यावसायीकरण गर्न कृषकहरूलाई प्रोत्साहन गरिने छ ।

- व्यावसायिक उत्पादनको बजारीकरणका लागि बजार सन्जालमा कृषक हरुलाई जोड्न सहयोग गरिने छ ।
- किसानसँगको लागत सहभागितामा कृषिमा यान्त्रिकरण गरिने छ ।
- विशेष प्रकारका उत्पादनमा दिइने कृषि अनुदानलाई व्यवस्थित गरिने छ ।

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.१ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्म अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
ताजा तरकारी उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	२००	२६३	२८०	३००	३१५
वार्षिक ताजा तरकारी उत्पादन मे.टन	मे.टन	१००	१५०	१७५	२००	२२५
आलु उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	२००	३६३	४००	४२०	४४०
वार्षिक आलु उत्पादन मे.टन	मे.ट.	२५००	२९५१	३०००	३१००	३१८०
फलफुल उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	८०	१२०	१६०	१८०	२१०
वार्षिक फलफूल उत्पादन मे.टन	मे.टन.	४००	६००	६५०	७००	८००
भटमास उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	२००	३५०	४००	४५०	४७५
वार्षिक भटमास उत्पादन मे.टन	संख्या	५००	७००	७५०	८००	८५०
मह उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	१२	३०	४०	५०	६०
वार्षिक मह उत्पादन	के.जी	८०	१५०	१७०	१९०	२१०
अन्य मसाला बाली अदुवा, बेसार, लसुन, प्याज उत्पादक कृषक संख्या	संख्या	२०	५५	६०	६५	७०
अदुवा के.जी	के.जी.	१०००	२०००	२०५०	२१००	२१५०
लसुन तथा प्याज के.जी	के.जी.	२५००	४०००	४०५०	४१००	४१५०

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१९५२२	९५२२	१००००	-	१०००	१८०००	५२२	-
२	२०८३।०८४	२२०००	६०००	१६०००	-	१५००	१९८००	७००	-
३	२०८४।०८५	२२५००	७०००	१५५००	-	-	२२०००	५००	-

जम्मा	६४०२२	२२५२२	४१५००		२५००	५९८००	१७२२	
-------	-------	-------	-------	--	------	-------	------	--

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.३ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	माटो परिक्षण कार्यक्रम	माटो अनुसार कृषि उपज उत्पादन गर्ने	सालबसाली	२०००	बजेट	कृषि क्षेत्रको उत्पादन बढेको
२	तरकारी पकेट क्षेत्र विशेष कार्यक्रम	तरकारी उत्पादनमा वृद्धि गर्ने	सालबसाली	७०००	बजेट	तरकारीमा आत्मनिर्भर भएको हुने
३	खाद्य सुरक्षा तथा रैथाने बाली संरक्षण	रैथाने बालि संरक्षण	सालबसाली	१०००	वार्षिक बजेट	खाद्य सुरक्षाका लागि विभिन्न रैथाने बाली संरक्षण हुने
४	कृषि प्रसार तथा आधुनिक प्रविधि हस्तान्तरणका लागि अनुदान कार्यक्रम	आधुनिक तवरबाट कृषि उत्पादन बढाउनु तथा कृषि उत्पादनलाई बढावा दिन	सालबसाली	१२०००	बार्षिक बजेट	५०% अनुदानमा कृषि औजार वितरण भएको हुने
५	फलफुल पकेट क्षेत्र निर्धारण कार्यक्रम	फलफुल उत्पादनमा वृद्धि गरी आय आर्जन गर्ने	सालबसाली	८००	वार्षिक बजेट	फलफुल क्षेत्रको उत्पादकत्व वृद्धि

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

जोशीपुर गाउँपालिकालाई कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास गरिएपनि यसक्षेत्रमा कृषि कार्यसँगै बालीनालीमा देखापर्ने रोग किराहरुको पूर्वानुमान गर्न नसक्नु तथा जंगली जनावरहरुलाई नियन्त्रण गर्न नसक्नाले पनि कृषि उत्पादन बढाउन सकिएको छैन । त्यसैगरी बजेट अभावका कारण प्राकृतिक मुहानको आवश्यक संरक्षण गर्न आवश्यक पहल गर्न सकिएको छैन ।

## ३.२ पशुपन्छी विकास

### १. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा बनजंगल र पशुचौपायाहरुका लागि आवश्यक चरण क्षेत्र प्रशस्तै रहेको छ। तथापी, हाल बनजंगल तथा चरिचरन क्षेत्रको अभाव, पशुपालन प्रति नयाँ पिढीमा लगाव नहुनु र हाल रोजगारीको लागि विदेशिने प्रचलन ग्रामिण क्षेत्रमा पनि बढ्दै गईरहेकोले पशुपालन गर्ने घरपरिवार संख्या र पशुचौपाया संख्या घट्दै गैरहेको छ। विगतमा यस जोशीपुर गाउँपालिकाका मानिसहरुले प्रसस्त मात्रामा भेडा बाख्रा, भैंसी, गाईगोरु पालन गर्ने गरेको भएतापनि हाल पशुपन्छी पालन घट्दै गईरहेको देखिन्छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

यस गाउँपालिकाभित्र पशुपक्षी उत्पादनका केही समस्या तथा चुनौती छन्, जस्तै: पशुपालनतर्फ उन्नत जातको गाईभैंसी, बाखापालन नहुनु, आधुनिक किसिमको गोठ, खोरको व्यवस्थामा अझै कमी, उन्नत घाँसको व्यवस्था नहुनु तथा दक्ष प्राविधिकको सेवा विस्तार हुन नसक्नु, सरल कर्जाको व्यवस्था नहुनु, उत्पादकत्व वृद्धि, बजार को सञ्जाल निर्माण, उत्पादनमा

## समस्या तथा चुनौती

संलग्न किसानहरूको व्यावसायिक दक्षता अभिवृद्धि जस्ता कार्य अझै पनि चुनौतीको रूपमा रहिरहेको छाकुना काप्चामा एग्रोभेटको अभाव, उन्नत जातको घाँसहरूको कमी, दक्ष जनशक्तिको अभाव, पशु स्वास्थ्य उपकरणको कमी, नस्ल सुधारको अझै कमी, भेटेरीनरी प्रसार सेवाको कमीजस्ता पक्ष पनि थप समस्याको रूपमा रहेका छन्।

### ३. लक्ष्य

जोशीपुर बासीको पौष्टिकता र आय वृद्धिका लागि उन्नत जातका पशुपक्षी उत्पादन तथा बजारीकरणमा वृद्धि गर्ने।

### ४. उद्देश्य

- उन्नत पशुपक्षीमा विविधिकरण र व्यावसायीकरण गर्ने।
- नस्ल सुधार, गोठ सुधार र पशु बीमामा जोड दिने।
- पशु उत्पादनको बजारीकरणमा सहजता ल्याउने।
- पशुजन्य उत्पादनको प्रशोधन र बजारीकरणमा सहयोग गर्ने।

### ५. रणनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. पशुपक्षीको नस्ल सुधार गरी व्यवसायलाई नतिजामुखी दिगो बनाइने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● नस्ल सुधार गर्नु पर्ने पशुपालक कृषकको पहिचान गरी नस्ल सुधारबारे सचेतना जगाउने।</li> <li>● गाई भैसी, बाखा तथा बड्गुरको किसानसँगको लागत सहभागितामा नस्ल सुधारका गर्ने</li> <li>● नस्ल सुधार भएका चौपायाको लालन पालनमा किसानहरूलाई सहयोग गर्ने</li> <li>● त्यस्ता चौपायाको बजारीकरणमा सहयोग गर्ने</li> </ul>
२. पशुपक्षीमा व्यावसायीकरणमा जोड दिइने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पकेट क्षेत्र पहिचान</li> <li>● किसानलाई आवश्यक तालिम</li> <li>● लागत सहभागितामा पशु धन खरिद</li> <li>● नस्ल सुधारमा जोड दिने।</li> <li>● व्यावसायिक बन्न इच्छुक कृषकलाई पशुपक्षीमा व्यावसायीकरणबारे सचेतना गराइने छ।</li> <li>● उनीहरूले छनोट गरेका पशु पैदावारको व्यावसायिक योजना बनाउन सहजीकरण गरिने छ।</li> <li>● लगानी सुनिश्चितताका लागि बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूसँग समन्वय गराइने छ।</li> <li>● साना लगानी कर्ताहरूको हकमा त्यस्ता साना किसानको लागत अद्यावधिक गर्ने।</li> <li>● त्यस्ता किसानको व्यावसायिक क्षमताको विकास गर्न व्यवसाय विकास</li> </ul>

	<p>सेवा प्रदायकहरुको सहयोग लिई उनीहरुलाई आवश्यक सीप प्रदान गर्ने ।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● आयमूलक पशु व्यवसाय छनोट र सञ्चालन गर्न ऋणमा पहुँच वृद्धि र प्रविधिसँग जोड्न सहयोग गर्ने ।</li> </ul>
३. बजारसँगको सञ्जाल निर्माण गरी पशुपक्षीको व्यावसायीकरण तथा बजारीकरणका लागि बजार सञ्जालमा पशुपालक कृषक हरूलाई जोड्न सहयोग गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● यसरी व्यावसायिककरणमा सहयोग गरिएका साना किसानहरुको उत्पादनको बजारीकरण गर्न आवश्यक परे बजार संस्थाहरु जस्तै सङ्कलन केन्द्रको निर्माण तथा बजार सञ्जालमा आबद्ध गराउन थोक खरिदकर्ताहरुको पहिचान र उत्पादक र थोक खरिद कर्ता माझ समन्वय गरी सहयोग गर्ने र विशेष उत्पादन क्षेत्रमा पायक पर्ने गरी आवश्यक परेमा सङ्कलन तथा निर्यात केन्द्रको निर्माण गर्ने ।</li> <li>● उत्पादकहरुलाई बजारीकरणको सीप प्रदान गर्ने ।</li> <li>● उत्पादकहरु र थोक विक्रेताहरु बीच अन्तरक्रियाको व्यवस्था पछि उत्पादकहरु र थोक विक्रेताहरुबीच खरिद विक्रि सम्झौताको लागि सहजीकरण गर्ने ।</li> </ul>
४. पशु बीमामा जोड ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● यस्तो सेवा दाताहरु र किसान समूहबीच अन्तरक्रिया तथा भेटघाट जस्ता कार्यहरु गराइने ।</li> <li>● बाली बीमाबारे अन्य प्रचार प्रसार गरी यसलाई किसानको हितमा प्रभावकारी बनाईने छ ।</li> <li>● बीमा सहजकर्ताको सेवा घरदैलोमा नै उपलब्ध गराउने</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३. ४ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
व्यावसायिक पशुपालन फर्म	संख्या	८०	९०	१००	११०	१३०
वार्षिक दूध उत्पादन लिटर	लिटर	८०००	१००००	११०००	१२०००	१२५००
व्यावसायिक बाख्रापालक कृषक परिवार संख्या	संख्या	५०	१००	१४०	१८०	२००
खसी, बाख्रा तथा भेडाको संख्या	संख्या	८००	१२००	१३००	१४००	१५००
व्यावसायिक कुखुरा पालक फर्म	संख्या	२०	४१	६०	८०	१००
हाँस, कुखुरा र बट्टाईको संख्या	संख्या	४०००	५०००	५५००	६०००	७०००
बड्गुर पालक कृषक संख्या	संख्या	१	४	६	८	१०

बङ्गुरको संख्या	संख्या	२०	१००	१५०	२००	२७०
बार्षिक मासु उत्पादन मे.टन मा	मे.टन	६०	१००	१२०	१५०	१७०
वार्षिक अण्डा उत्पादन (गोटा मा)	गोटा	७५००	१००००	११०००	१२५००	१३०००

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१००००	५५००	४५००	-	-	१००००	-	-
२	२०८३।०८४	११०००	७०००	४०००	-	-	१००००	१०००	-
३	२०८४।०८५	१२१९०	८५००	३६९०	-	-	१००००	२१९०	-
	जम्मा	३३१९०	२१०००	१२१९०			३००००	३१९०	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.६ कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	पशुपंछी विकास तथा उत्पादन वृद्धि कार्यक्रम	पशुपंछीको विकास तथा उत्पादन वृद्धि गरी आयआर्जन वृद्धि गर्ने	सालबसालि	१००५०	वार्षिक बजेट	पशुपंछी विकासबाट उत्पादन बढेको हुने
२	भैसि पकेट विकास कार्यक्रम	दुग्ध उत्पादनका लागि पकेट क्षेत्रको रुपमा विकास गर्ने	सालबसालि	५०००	वार्षिक बजेट	१० स्थान पकेट क्षेत्रो रुपमा विकास भएको
३	पशुपंछी बजार प्रवर्द्धन, नियमन कार्यक्रम	पशुपंछी फर्म लगायतको नियमन तथा स्तरोन्नति गर्न	सालबसाली	१०००	वार्षिक बजेट	पशुपंछी विकास तथा अनिवार्य दर्ता भएको हुने
४	मासुजन्य तथा दुग्ध उत्पादन तथा अण्डामा आत्मनिर्भर कार्यक्रम	मासु दूध तथा अण्डामा आत्मनिर्भर गाउँपालिका बनाउन	सालबसाली	१७१४०	वार्षिक बजेट	मासुजन्य तथा दुग्धमा आत्मनिर्भर भएको

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

आधुनिक तवरबाट पशुपालन व्यवसाय सञ्चालन गर्नका लागि कृषकहरु आकर्षित नहुनु तथा ठुलो लगानि गर्दा बजार अभावका कारणले व्यवसाय फस्टाउनुको साटो घाटा हुने देखिन्छ । त्यसैगरी पशुपालन व्यवसायमा युवा पुस्ताले नयाँ प्रविधिका साथ यस क्षेत्रमा लगानी गर्न मञ्जुर नहुनु पनि यस क्षेत्रमा रहेको समस्या हो ।

### ३.३ भूमि व्यवस्था र सिँचाई, सहकारी तथा वित्तीय व्यवस्था

#### १. पृष्ठभूमि

सिँचाई र खानेपानीका लागि स्थानीय खोला तथा मूलहरूमा स्रोतहरूमा निर्भर रहेको यो पालिकाका दर्जन बढी सिँचाई आयोजना तथा स्थानीय कुलोहरूबाट सिँचाई सुविधा उपलब्ध भइरहेको छ। अझ पनि उच्च भागका खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा उपलब्ध हुन सकेको छैन र सिँचाई सुविधा नपुगेका स्थानहरूमा खेतीको लागि आकाशे पानीमा निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता रहेको छ। यहाँका कृषकहरूले, धान, गहुँ, मकै, फलफूलका साथै विभिन्न थरिका बेमौसमि तरकारी बालीको पनि उत्पादन गर्ने गरेको पाइन्छ। आवश्यक पूर्वाधार विकासको अभावमा सबै नागरिकले यथोचित रूपमा सिँचाईको लागि पानी व्यवस्थापन गर्न सकिरहेको अवस्था छैन। मानव वस्तीको क्रमिक विकास र जलवायु परिवर्तन तथा विश्व तापमान वृद्धि साथै प्राकृतिक स्रोतको अत्यधिक दोहनका कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने क्रम जारी छ। गाउँपालिकाका ६० प्रतिशतको जमिनमा कुनै न कुनै प्रकारको सिँचाईको व्यवस्था भएको देखिन्छ।

#### २. समस्या तथा चुनौति

समस्या र चुनौती
कृषि योग्य जमिनमा न्यून सिँचाई सुविधा हुनु, सिँचाई विकासमा आधुनिक प्रविधि (थोपा सिँचाई, प्लाष्टिक पोखरी, डीप बोरिङ) को प्रयोगमा कमी हुनु, प्रयाप्त सिँचाई कुलो र पोखरी गुणस्तरीय तथा पक्की नहुनु, भएका सिँचाई आयोजनाहरू पनि पूर्ण क्षमतामा प्रयोगमा आउन नसक्नु, मर्मत सम्भारको कमी हुनु, सिँचाई स्रोत मुहान सुक्दै जानु, जल उत्पन्न प्रकोपले सिँचाई आयोजनामा क्षति पुग्नु, कृषि प्रणाली र सिँचाई बीच अन्तरसम्बन्ध स्थापित गर्न नसकिनु आदि यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याहरू रहेका छन्।
कृषियोग्य जमिनमा सर्वयाम सिँचाई सुविधा उपलब्ध गराउन नसक्नु, कृषि र सिँचाई बीच अन्तरसम्बन्ध स्थापना नहुनु, सिँचाई आयोजनाहरू पूर्ण क्षमतामा उपयोग नहुनु, स्थानीय समुदायहरूद्वारा सञ्चालन भई आएका परम्परागत सिँचाई प्रणालीका कुलाहरूको संरक्षण हुन नसक्नु, सिँचाई कुलाहरूको मर्मत सम्भारमा लाभग्राही उपभोक्ता समितिहरूलाई जिम्मेवार बनाउन नसक्नु आदि गाउँपालिकाको सिँचाई विकासका चुनौतीहरू हुन्।

३. लक्ष्य: सिँचाई हुने जमिनको प्रतिशत वृद्धि गरी उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने

४. उद्देश्य:

- नयाँ सिँचाई योजनाहरूको निर्माण गर्ने
- भैरहेकाको मर्मत र स्तरोन्नति गर्ने
- भैरहेका सिँचाई योजनाको विस्तार गर्ने
- पानी सङ्कलन पोखरीहरूको निर्माण तथा मर्मत संभार गर्ने
- मूल संरक्षणमा विशेष पहल गरिने।

५. रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. असिञ्चित कृषियोग्य जमिनमा सिँचाईको विस्तार गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भरपर्दो सोहरूको पहिचान र समीक्षा।</li> <li>● पुराना र अवस्था बिग्रिएका योजनाहरूको स्तरोन्नति गरी दिगो बनाइने।</li> <li>● सिँचाई योजनाहरू निर्माण तथा विस्तार गर्न लागत सहभागितालाई बढी जोड दिइने।</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
	<ul style="list-style-type: none"> <li>उपल्लो तटमा साना साना सिंचाइ योजनाहरूको विकास गरिने छ ।</li> </ul>
२. सिंचाइ प्रणालीलाई दिगो बनाउन परम्परागत शैली र आधुनिक प्राविधिको प्रयोग गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>हराउँदै र सुक्दै गएका पोखरीहरूको संरक्षण गरिने छ</li> <li>कुवा हरूको संरक्षण गर्ने</li> <li>नयाँ पोखरीहरूको निर्माण गरी वर्षको पानी सङ्कलनमा जोड दिइने छ।</li> <li>मूल तथा मुहानको संरक्षण गर्ने</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.७ विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन नतिजा सूचक लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
खेती गरिएको जमिन मध्ये जम्मा सिंचित क्षेत्रफल	प्रतिशत	६०	६५	७०	७५	८०
(पूर्ण सिंचित) १२ महिना सिंचाई हुने जमिन	प्रतिशत	२५	२५	३०	३३	३७
आशिक सिंचित जमिन	प्रतिशत	५५	५५	५०	४८	४५
असिंचित जमिन	प्रतिशत	१०	१०	८	८	७.५

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	२५००	५००	२०००	-	-	२०००	५००	-
२	२०८३।०८४	४०००	५००	३५००	-	-	४०००	-	-
३	२०८४।०८५	५०००	५००	४५००	-	-	५०००	-	-
	जम्मा	११५००	१५००	१००००			११०००	५००	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.९ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सूचक
१	भूमि व्यवस्थापनका लागि जग्गा डीजिटल नापि प्रणालीको स्थापना तथा	भुमी सम्बन्धि कार्यहरू छिटोछरितो र प्रविधिमैत्री बनाउने	२०८२।०८३	१०००	भूउपयोग ऐन नियमावली	जग्गा वर्गीकरण तथा भूउपयोग योजना कार्यान्वयन भएको

	संचालन					हुने
२	सबै टोलमा साना सिँचाई, पोखरी, कुलो, नहर योजना	खेतीयोग्य जमिन सिचाई गर्न	सालबसाली	५८००	बजेट तथा कार्यक्रम	कुलो निर्माण भएको हुने
३	डीप बोरिङ्ग सहितको सिँचाई योजना	कृषि भूमि सिंचित गर्नु र कृषि उत्पादन बढाउनु	सालबसाली	३४००	५ वर्षे उर्जा योजना	१ वटा लिफ्ट सिचाई बनेको हुने
४	पालिकाभित्रका वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको नियमन तथा व्यवस्थापन	वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको अभिलेख व्यवस्थापन गर्ने	सालबसाली	६००	वार्षिक नीति कार्यक्रम	वित्तीय संस्था तथा सहकारीहरूको अभिलेख व्यवस्थापन भएको
५	भूमि व्यवस्था तथा सिचाई सम्बन्धी व्यवस्थापन तथा नियमन	भूमि तथा सिचाई मर्मत कार्य गर्न	सालबसाली	२४००	वार्षिक बजेट	भूमि तथा सिचाई सम्बन्धी कार्य भएको

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

बर्षेनी आउने बाढी तथा पहिरोले सिचाई योजनाका संरचनाहरू बिग्रिने र त्यसैमा मात्र बजेट विनियोजन हुने र लिफ्ट सिँचाई योजनाहरूका लागि अन्य दातृनिकायसँग सहकार्य गर्नुपर्ने भएकाले दातृ निकायसँग सहकार्य नभएमा सो योजना कार्यान्वयनमा जोखिम देखिन्छ। सहकारीलाई व्यवस्थित गर्नका लागि सहकारी ऐनको व्यवस्थाले पनि जोखिम छ।

## ३.४ उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय

### १. पृष्ठभूमि

उद्योग तथा वाणिज्य क्षेत्र जोशीपुर गाउँपालिकाको अर्थतन्त्रको महत्वपूर्ण आधार हो। नेपालको संविधानले तुलनात्मक लाभका क्षेत्रको पहिचान गरी उद्योगको विकास र विस्तार गर्ने, स्वदेशी लगानीलाई प्रोत्साहन गर्ने, वैदेशिक पुंजी आकर्षित गर्ने, औद्योगिक पूर्वाधार निर्माण गर्ने, स्थानीय श्रम सिपको उपयोग गर्ने, व्यापारिक स्वच्छता र अनुशासन कायम राख्दै उपभोक्ता हित संरक्षण गर्ने आदि नीति लिएको छ। स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले लघु, घरेलु र साना उद्योगको दर्ता, नवीकरण, खारेजी, नियमन, प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन एवं उद्यमशिलता विकास र प्रवर्द्धनको अधिकार दिएको छ। साथै स्थानीय सेवाको व्यवस्थापन, स्थानीय वजार व्यवस्थापन आदि कुराहरू स्थानीय सरकारको कार्यक्षेत्रमा पर्दछन्। विकासको संरचना र प्रविधिहरूमा आएका प्रगतिहरूले गाउँपालिकाका कुनै पनि बस्तीहरू वाह्य क्षेत्र वा वजारबाट हुने आयात निर्यातबाट अलग रहन सकेको अवस्था छैन।

यस गाउँपालिकामा कुल १२ वटा उद्योग संचालनमा रहेका छन्। संचालित उद्योगहरू मध्ये साना उद्योग ७ र घरेलु उद्योगको संख्या ५ रहेको छ। गाउँपालिकामा साना ठूला गरी ७६० व्यापार व्यवसाय संचालनमा रहेका छन्। वडागत रूपमा व्यवसायको संख्या हेर्दा वडा नं. १ मा सबैभन्दा उच्च संख्यामा २१४ वटा व्यवसायिक फर्महरू रहेका छन् भने वडा नं. ७ मा सबैभन्दा न्यून संख्यामा २५ वटा व्यवसायिक फर्महरू रहेका छन्। यस क्षेत्रमा १ वटा थोक बजार, ३ वटा खुद्रा बजार र १ वटा हाट बजार रहेको देखिन्छ। यस गाउँपालिकाक नजिकका बजारहरू जोशीपुर बजार, लक्कड बजार, सिमराना बजार र सिमरी बजार रहेका छन्। गाउँपालिका बाट निर्यात हुने वस्तुमा धान र आयात हुनेमा माछा र अन्डा प्रमुख वस्तु को रूपमा रहेको छ। मुख्य रूपमा लताकपडा, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार तथा यातायातका साधनहरू र कृषि तथा पशुपन्छिका लागि चाहिने मल,

विषादि, दाना र औषधिहरू नै पालिका भित्र आपूर्ति हुने प्रमुख वस्तुहरू हुन्। विगतका तथ्याङ्कलाई हेर्दा गाउँपालिकाको वित्तिय संचिति ऋणात्मक देखिन्छ। आयातलाई निर्यातले प्रतिस्थापन गर्न पालिका भित्र वस्तुहरूको उत्पादन र विविधिकरण गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौति

### समस्या तथा चुनौती

यस गाउँपालिका क्षेत्र भित्र उद्योग सम्बन्धी जानकारीको अभाव, घरेलु उद्योग सम्बन्धी तालिम पर्याप्त नहुनु, उद्योग संचालनका लागि पर्याप्त लगानीको व्यवस्था नहुनु, दक्ष जनशक्तिको उपलब्धता स्थानीयस्तरमा नहुनु जस्ता प्रमुख समस्याहरू रहेका छन्। साथै उत्पादन भएता पनि बाँसबाट सामग्री निर्माण गर्ने सीपको कमी रहेको देखिन्छ भने यसका अतिरिक्त अन्य उत्पादनमा समेत उत्पादनमुखी बजारको व्यवस्थापन नहुनु, व्यावसायिक सुचना केन्द्रको कमी जस्ता पक्षपनि उद्योग व्यवसाय विकासको प्रमुख समस्याको रूपमा रहेको छ।

आयातमा देखिएको मुख्य चुनौती भन्नु नै ग्रामीण क्षेत्रमा हुने मुद्रा संचिती घट्नु रहेको छ। ग्रामीण क्षेत्रको वित्तिय स्रोत पुन शहर तर्फ फर्किदा ग्रामीण क्षेत्र उत्पादन स्थलबाट उपभोग गर्ने वजारका रूपमा रूपान्तरण हुनु रहेको छ। निर्यात वृद्धि गर्न ग्रामीण क्षेत्र हुने उत्पादनका क्षेत्र र परिमाणमा वृद्धि गर्न लगानी गर्ने स्रोतको व्यवस्था गर्नु चुनौती रहेको छ। कच्चा पदार्थ उत्पादनमा आवश्यक सिप, ज्ञान, वजार सुचना र ढुवानीलाई अर्को चुनौतीका रूपमा लिइएको छ।

### १. लक्ष्य

स्थानीय स्रोत साधनमा आधारित उद्योग तथा वाणिज्यको माध्यमबाट गाउँपालिकाबासीको आय र रोजगारी वृद्धि गरी जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने ।

### २. उद्देश्य

- गरिवी निवारणका लागि लघु उद्यम (मेड्पा) को अवधारणा अनुरूपका उद्यम विकासका एकीकृत अवधारणहरूलाई अवलम्बन गरिने छ ।
- उद्यम तथा व्यवसाय सिर्जना र विकासका लागि उद्यमशीलताको तालिम प्रदान गरी छरिएर रहेको स्रोत साधन, जनशक्ति र सम्पदाहरूलाई अवसरहरूको रूपमा अधिकतम् उपयोग हुने गरी उद्यम स्थापना गर्ने ।
- उद्यम व्यवसायहरूलाई बजार सञ्जालमा जोड्दै बजारीकरण व्यापक बनाउने ।

### ३. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. स्थानीय स्रोत, साधन र सीप तथा बजारको मागमा आधारित उद्यम व्यवसायको स्थापना गर्न एकीकृत सेवाहरू प्रदान गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय स्रोत सबै र लक्षित समूह पहिचान गरिने ।</li> <li>• लक्षित समूहलाई उद्यमशीलताका तालिम प्रदान गरी उद्यम व्यवसाय छनोट गर्न लगाईने ।</li> <li>• उद्यम व्यवसाय सञ्चालन गर्न माग भएको सीप प्रदान गर्ने ।</li> <li>• उद्यमको प्रकार अनुसार प्रविधिमा जोडिने ।</li> <li>• उद्यमको प्रकार अनुसार प्रविधिमा जोडिने ।</li> <li>• आय आर्जनका गतिविधिहरू सुरु गर्न उद्यमी व्यवसायीलाई ऋणमा पहुँच वृद्धि गर्न सहकारी तथा बैंकहरूसँग समन्वय गराइने ।</li> <li>• उद्यमी व्यवसायीलाई बजार सञ्जालमा जोडिने ।</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
२. परम्परागत सीपहरूको आधुनिकीकरण गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>लोपोन्मुख परम्परागत शिल्पीहरूको सीपलाई बजार मैत्री र सम्मानित बनाउन त्यस्ता सीपहरूको स्तरोन्नति गरी उन्नत प्रविधिसँग जोड्ने ।</li> <li>त्यस्ता सीप र शिल्पीहरूको तथ्याङ्क अद्यावधिक गरिने छ ।</li> <li>बजारमैत्री प्रविधियुक्त सीप प्रदान गरिने छ ।</li> </ul>
३. वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका विप्रेषण प्राप्त परिवारलाई उद्यम स्थापनामा सहजीकरण गरिने र सुरक्षित आप्रवासको सुनिश्चितता गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवा तथा विप्रेषण पाउने परिवारको लगत तयार गर्ने ।</li> <li>उनीहरूलाई पायक पर्ने स्थानमा व्यावसायिक सचेतना कार्य सञ्चालन गर्ने र उपयुक्त उद्यम तथा व्यवसाय छनोट गर्न सहजीकरण गर्ने ।</li> <li>व्यावसायिक कृषि तथा अन्य गैर कृषि व्यवसायमा लगाउन सहजीकरण गर्ने ।</li> <li>सुरक्षित वैदेशिक रोजगारका लागि सूचना प्रवाह गर्ने</li> <li>वैदेशिक रोजगारका कारण उत्पन्न मानसिक समस्याहरूमा मनोसामाजिक परामर्श सेवा प्रदान (व्यक्तिगत र सामूहिक परामर्श)</li> </ul>
४. वाणिज्य तथा व्यापार प्रवर्द्धन गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>बजार सञ्जालको विकास गरिने ।</li> <li>थप कृषि तथा पशु उत्पादनहरूको सङ्कलन केन्द्र स्थापना गरिने छ ।</li> </ul>

#### ४. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

##### तालिका ३.१० विषय क्षेत्र नतिजा सूचक

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
उद्यम व्यवसायबाट सिर्जना भएको रोजगारी	प्रतिशत	१२	११	१२	१३	१५
विभिन्न उत्पादनको सङ्कलन केन्द्रको संख्या	संख्या	३	३	४	५	५
पालिकाभित्रका व्यापारिक केन्द्रहरू	संख्या	७	७	८	८	९
साझा सुविधा केन्द्र निर्माण	संख्या	०	०	१	-	-

#### ५. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

##### तालिका ३.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम (रु. हजारमा)

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य

१	२०८२।०८३	३७००	२३००	१४००	-	२००	३५००	-	-
२	२०८३।०८४	४२००	२५००	१७००	-	-	३६००	६००	-
३	२०८४।०८५	५१००	३०००	२१००	-	५००	३६००	१०००	-
जम्मा		१३०००	७८००	५२००		७००	१०७००	१६००	

## ६. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	उद्यम विकास कार्यक्रम	उद्यमी पहिचान गर्ने	सालबसाली	८०००	बजेट तथा कार्यक्रम	कार्यक्रम सञ्चालन भएको
२	साझा सुविधा केन्द्र निर्माण	उद्यमीका लागि समूहघर निर्माण	२०८२।०८३	१०००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	सुविधा केन्द्र निर्माण
३	उद्योग व्यवसाय सम्बन्धी कार्यक्रम	उद्योगहरुको व्यवस्थित अभिलेख तथा नियमनका लगायतका अन्य कार्य गर्न	सालबसाली	४०००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	अभिलेख व्यवस्थापन
४	बास, निगालो, अल्लो प्रशोधन कार्यक्रम	स्थानीय कच्चा पदार्थको उपयोग गरी उद्यम व्यवसायी सृजना गर्न	साल बसाली	५००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	उद्यम मार्फत रोजगारी सृजना

## ७. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

उद्यम विकासको सम्भावना हुँदा हुँदै पनि यस क्षेत्रमा उत्पादित वस्तुलाई बजारसम्म पुऱ्याउनुका साथै बढ्दो प्रतिस्पर्धी बजारका अगाडि लघु उद्यमबाट उत्पादित वस्तुले बजारमा टिक्न नसक्ने देखिन्छ । त्यसैगरी यहाँ उद्योगका लागि पर्याप्त लगानी गरी व्यवसाय सञ्चालन गर्न नसक्ने देखिन्छ ।

## ३.५ पर्यटन तथा सांस्कृति

### १. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा पर्यटकीय स्थल खासै नभए पनि केहि मन्दिर तथा तालहरु बाडिबबा मन्दिर, पेपरा ताल, चरिया ताल र शंकर समुदाय ताल रहेका छन् । मिश्रित खालको संस्कृति रहेको यस गाउँपालिकाभित्र जातजातिगत तथा धार्मिक विविधता रहेको छ । धार्मिक रुपमा हिन्दु धर्मालम्बीको बाहुल्यता रहेको छ । अन्य धर्ममा ईस्लाम तथा इसाई धर्म मान्नेहरु पनि रहेका छन् । जोशीपुर गाउँपालिका धार्मिक-सांस्कृतिक तथा जैविक विविधताको धनी, प्राकृतिक स्रोतको खानी र मनोरम सौन्दर्य स्थलको धनी छ । यस क्षेत्रमा पाइने जैविक विविधता, विविध सांस्कृतिक सम्पदा र प्राकृतिक मनोरम सुन्दरताले यस गाउँपालिकाको महत्त्वलाई झनै बढाएको छ । ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक धरोहर, प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा, रीतिरिवाज, भेषभूषा, कला कौशल र शान्त एवम् स्वच्छ वातावरण नै यस क्षेत्रको पर्यटनका सम्भावित क्षेत्रहरु हुन् ।

भाषा, संस्कृति र ललितकलाको संरक्षण र विकास सम्बन्धी स्थानीयस्तरको नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनगुमन र नियमन, पुरातत्व, प्राचीन स्मारक तथा संग्रहालयको संरक्षण, सम्भार, प्रवर्द्धन र विकास, परम्परागत जात्रा तथा पर्वको सञ्चालन र व्यवस्थापन, प्रचलित कानून बिरुद्धका कुरीति तथा कुसंस्कार बिरुद्ध सामाजिक परिचालन सम्बन्धी कार्य, भाषा, संस्कृति र ललितकलाको संरक्षण र विकास सम्बन्धी अन्य कार्यलाई स्थानीय सरकारको कार्यक्षेत्रका रूपमा उल्लेख गरेको छ । विभिन्न जात जाति, भाषाभाषीको मौलिक एवम् परम्परागत संस्कृतिको जगेर्नाका साथै भावी पुस्तालाई समयानुकूल हस्तान्तरण गर्नु आवश्यक छ भने पुरातात्विक र ऐतिहासिक सम्पदाको संरक्षण र संवर्द्धन गर्न पनि उत्तिकै जरुरी छ । साथै यसबाट धार्मिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्दै आर्थिक उत्थान पनि गर्न सकिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौति

### समस्या तथा चुनौती

धार्मिक स्थलहरूको मर्मत सम्भार, पर्यटकीय स्थलको पहिचान र प्रचार प्रसारमा कमी, पर्यटक स्तरका होटल तथा रेष्टुराँहरू संचालनमा कमी, आधुनिक तथा आयातित संस्कृतिको बढ्दो प्रभाव रहेको एवं व्यावसायिक होमस्टे समेत नरहेको अवस्था छ । गाउँपालिका भित्र वाह्य संस्कृतिको प्रभावका कारण मौलिक भेषभुषा, भाषा तथा संस्कृतिको हास हुँदै गएको छ । यस क्षेत्रमा रहेका ऐतिहासिक सम्पदा र भाषा तथा संस्कृतिको संरक्षण र सम्बर्द्धनमा पर्याप्त ध्यान पुगेको छैन । पश्चिमी तथा आधुनिक संस्कृतिको प्रभाव रहेको छ । मौलिक साँस्कृतिक अभ्यास र मौलिक ज्ञानको संरक्षणमा कमी रहेको छ । पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्ने जैविक विविधता कायम गर्नु, खाजा पसलहरू सञ्चालन गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेका छन् । त्यसैगरी, युवावर्ग विदेश जाने क्रम अत्यधिक हुँदा पर्यटन विकासका लागि आवश्यक मानव स्रोत संसाधन व्यवस्थापन गर्न गाह्रो हुनु, ठूला योजनामा लगानी गर्न स्थानीय निजी क्षेत्र सक्षम नहुँदा पर्यटकीय पूर्वाधार विकास अपुरो हुने अवस्था सृजना हुनु गाउँपालिकाका पर्यटन पूर्वाधार विकासका चुनौतीहरू हुन् ।

### ३. लक्ष्य

गाउँपालिकाभित्र सम्पदा मैत्री पर्यटन विकास गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

- सम्पदा तथा संस्कृतिहरूको संरक्षण र स्तरोन्नति
- प्राकृतिक सम्पदाहरूको जगेर्ना
- ऐतिहासिक जनयुद्ध स्थलहरूको संरक्षण र प्रचार
- आवश्यक पर्यटन पूर्वाधारहरूको विकास

### ५. रणनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जनताको आर्थिक विकासका लागि गाउँपालिका वित्रमा पर्यटक आकर्षित गर्न पर्यटनका पूर्वाधारको विकासमा जोड दिइनेछ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• गाउँपालिका क्षेत्रमा सम्पूर्ण बाटो घाटोको सुधार गर्ने ।</li> <li>• पर्यटक आकर्षित गर्न पर्यटनका पूर्वाधारहरूको विकासका साथै, खास गरी होटलहरूको सुधार तथा होम स्टे प्रणालीको स्थापना गरी पर्यटनमैत्री बनाउन स्थानीय व्यवसायीहरूलाई सीप तथा उत्प्रेरणा प्रदान गर्ने ।</li> <li>• गाउँपालिकाभित्र विद्यमान प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धनमा जोड दिने ।</li> </ul>

## ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका ३.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
व्यवस्थित धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थल	संख्या	६	६	७	८	९
वार्षिक पर्यटक घुम्न आउने	संख्या	०	१००	२००	३००	४००
पर्यटकको औसत बसाई	दिन	१	१	२	३	३

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१३०००	६००	१२४००	-	-	१२१००	९००	-
२	२०८३।०८४	१२०००	८००	११२००	-	-	११५००	५००	-
३	२०८४।०८५	९५००	१०००	८५००	-	-	९०००	५००	-
	जम्मा	३४५००	२४००	३२१००			३२६००	१९००	

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको व्यवस्थापन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाहरुको जगर्ना गर्न	सालबसाली	२६,०००	बजेट	९ वटा धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण भएको

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

धार्मिक क्षेत्र थुप्रै भएकाले सबै क्षेत्रको संरक्षणमा ध्यान दिनका लागि पर्याप्त बजेटको अभाव हुन सक्छ । पहिचान गरिएका पर्यटकीय क्षेत्रको विकास गरेमा पनि पर्यटकलाई यस क्षेत्रमा भित्र्याउन नसकेमा लगानी खेर जाने र संरक्षणको अभावमा जीर्ण हुने जोखिम रहन्छ ।

## ३.६ श्रम, रोजगारी तथा गरिवी निवारण

### १. पृष्ठभूमि

श्रम तथा रोजगारीलाई सुरक्षित, व्यवस्थित एवं उपलब्धिमूलक बनाउन र रोजगारबाट प्राप्त ज्ञान, सीप, पुँजी तथा अनुभवलाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा परिचालनका लागि प्रोत्साहन गर्न सुरक्षित रोजगारीको सवाललाई गाउँपालिकाले आफ्नो योजनामा समेट्न आवश्यक रहेको छ। गाउँपालिका भित्र कुल जनसङ्ख्याको आधा भन्दा बढी आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्या रहेका छन्। आर्थिक रूपमा सक्रिय जनशक्तिलाई स्थानीय स्तरमा पर्याप्त रोजगारीको अवसर प्राप्त नहुँदा यस पालिकाबाट वैदेशिक रोजगारमा जाने प्रवृत्ति बढ्दो छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को नतिजाका आधारमा यस गाउँपालिकाको कुल जनसङ्ख्याको ..... प्रतिशत मानिसहरू वैदेशिक रोजगारीमा गएका छन्। वैदेशिक रोजगारमा गएका व्यक्तिहरूले वार्षिक रूपमा करिब ..... करोड रूपैयाँ भन्दा बढी विप्रेषण पालिकामा भित्राउने गरेको देखिन्छ। गाउँपालिकामा करिब ..... प्रतिशत जनसङ्ख्या बेरोजगार छन्।

गरिबी न्यूनीकरण र मानव सुरक्षाको महत्त्वपूर्ण साधनको रूपमा रहेको नागरिकको सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षणको हकलाई संविधानले नै सुनिश्चित गरेको छ। राज्यले आर्थिक तथा सामाजिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका विपन्न एकल महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, आफ्नो हेरचाह आफै गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातीका नागरिक, दलित आदिलाई लक्षित गरी स्वास्थ्य उपचार सेवा, स्वास्थ्य बिमा, दिवा खाजा, छात्रवृत्ति, निर्वाहमुखी भत्ता लगायत विशेष व्यवस्था सहित संरक्षणको व्यवस्था गर्दै आएको अवस्था छ। संघीय सरकारमा जस्तै पालिकामा पनि विद्यमान सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्रणालीलाई अझ सुदृढ, वित्तीय रूपले दिगो तथा प्रभावकारी बनाउन निकै आवश्यक भएको छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

स्वदेशमा सीमित रोजगारी अवसर, युवा जनशक्तिको बढ्दो आकार, परम्परागत जीवन प्रणालीमा युवाहरूको घट्दो रुचि लगायतका कारणले नेपाली युवाहरू वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम बढ्दो छ। जसले अल्पकालीन रूपमा बेरोजगारीको समस्या न्यूनीकरण गर्न मद्दत पुग्नुका साथै प्राप्त विप्रेषणले मुलुकको अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउन महत्त्वपूर्ण योगदान गरिरहेको छ। रोजगारीका कारण बढ्दो बसाईसराई र वैदेशिक रोजगारीमा जाने प्रवृत्तिले स्थानीय स्तरमा जनशक्तिको कमी, पारिवारिक र सामाजिक समस्या र परनिर्भरता बढिरहेको छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा बढी रहेको विप्रेषण आयको उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उपयोग हुन नसक्दा उपभोग बढ्दो छ।

संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षणका कार्यक्रम कार्यान्वयनमा जटिलताले कार्यक्रमहरू एकीकृत रूपमा सञ्चालन हुन नसक्नु, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सम्बन्धी खण्डीकृत तथ्याङ्क नहुनु यस क्षेत्रका केही समस्याहरू हुन्। अन्तराष्ट्रिय बजारसँग प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने दक्ष जनशक्तिको विकास गरी वैदेशिक रोजगारमा पठाउन नसक्नु, वैदेशिक रोजगारको क्षेत्रमा ठगी लगायतका घटनाहरू बढ्नु, पारिवारिक तथा सामाजिक पुनः एकीकरणका सवालहरू सम्बोधन नहुनु, वैदेशिक रोजगारको दिगो विकल्प दिनु नसक्नु आदि गाउँपालिकाको लागि चुनौतीका रूपमा देखिन्छ। त्यसैगरी, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सेवाको एकीकृत सूचना प्रणालीलाई कार्यान्वयनमा ल्याउनु, एकीकृत तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्नु, सामाजिक सुरक्षाको दायरामा क्रमशः वृद्धि गरी स्रोतको दिगोपना र न्यायपूर्ण वितरण गर्नु सामाजिक सुरक्षाको क्षेत्रका विद्यमान चुनौतीहरू हुन्।

### ३. लक्ष्य

बेरोजगारी प्रतिशतलाई घटाउँदै प्रशस्त रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

क) गाउँपालिकाको बेरोजगारीदरलाई न्यून गर्नु ।

ख) गाउँपालिका क्षेत्रभित्रका जनताको वार्षिक आय वृद्धि गर्नु ।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. बेरोजगार जनशक्तिलाई निर्माण कार्यमा लगाई रोजगारी सिर्जना गरिने छ ।	गाउँपालिकाको विकास निर्माणमा गरिब तथा विपन्न वर्गका युवालाई रोजगारी प्रदान गर्न निम्न अनुसार गरिने छ । <ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाको रोजगार डेस्कले श्रममूलक रोजगारी गर्न तयार हुने त्यस्ता युवाहरूको वडागत रोस्टर तयार गर्ने छ ।</li> <li>गाउँपालिकाले सालाना सडक मर्मतमा खर्च गर्ने बजेटलाई असर देखी असोज सम्म सडक मर्मत समूह सञ्चालन गर्ने विकास निर्माणका कार्यमा लाग्ने श्रममा त्यस्ता युवालाई कार्य गराउन निर्माण शाखाले सो डेस्कबाट युवाहरूको लागत लिई पायक पर्ने स्थानमा निर्माण र मर्मत कार्यमा लगाउने छ ।</li> <li>सानातिना व्यवसायमा लगानी गर्न ऋण, रोजगारीबाट भएको बचत तथा सरल कर्जामा पहुँच वृद्धि गर्ने ।</li> </ul>
२. पालिकाभित्रका गरिब तथा विपन्न वर्गका मानिसहरू जो खाद्यान्न तथा पोषणको असुरक्षामा बाँचेका छन्, तिनीहरूको खाद्य तथा पोषण सुरक्षालाई सुनिश्चित गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>खाद्य तथा पोषणमा असुरक्षित परिवारमा पोषण सुरक्षाबारे सचेतना कार्यहरू सञ्चालन गरिने छ ।</li> <li>गाउँपालिकाका निर्माण योजनाहरूमा खाद्य असुरक्षा भएका परिवारलाई छनोट गरी रोजगारी दिइने छ ।</li> <li>यस्ता परिवारका युवाहरूलाई उनीहरूले रोजेका विषयमा सीप विकास गरी उत्पादन तथा व्यवसायमा लाग्न सहयोग गरिने छ र यसका लागि व्यावसायिक क्षमताको विकास गरिने छ ।</li> <li>गाउँपालिकाबाट सहयोग गरिने विशेष आर्थिक क्रियाकलापहरूमा यस्ता परिवारका सदस्यहरूलाई प्राथमिकता दिई सञ्चालन गरिने छ ।</li> </ul>

### ६. विषयक्षेत्र नतिजा सूचक

तालिका ३.१६ विषय क्षेत्र नतिजा सूचक

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
रोजगारीमा जम्मा कार्यदिन	दिन	१००	१००	११०	१२०	१५०
मौसमी रोजगारी सिर्जना १०० दिन	जना	६३४	१५७०	२६९१	४०३६	५६१७

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका ३.१७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१३५००	१००००	३५००	-	-	१३५००	-	-
२	२०८३।०८४	१८०००	१००००	८०००	-	-	१८०००	-	-
३	२०८४।०८५	१८०००	१००००	८०००	-	-	१८०००	-	-
	जम्मा	४९५००	३००००	१९५००			४९५००		

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका ३.१८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम	रोजगारी सिर्जना तथा तालिमलाई प्रभावकारी बनाउन	सालबसाली	४९५००	सर्शत बजेट तथा कार्यक्रम	५६१७ जनलाई रोजगारी प्रदान हुने

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

ग्रामिण क्षेत्र भएकाले रोजगारीका क्षेत्र पहिचान गर्नमा समस्या देखिन्छ । बेरोजगारी महिलाहरूको संख्या बढी हुने भएकाले सबैलाई १०० दिन बराबर रोजगारी प्रदान गर्ने जोखिम रहन्छ भने १०० दिन बाहेक अन्य दिनहरूमा बेरोजगार हुने अवस्था रहनाले यसको प्राभावकारितामा जोखिम रहन्छ ।

## परिच्छेद चार: सामाजिक विकास क्षेत्र

### ४.१ जनस्वास्थ्य तथा पोषण

#### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र सबै स्वास्थ्य संस्थाहरूमा सुरक्षित मातृत्व, पोषण सेवा र परामर्श सेवा उपलब्ध भएपनि ल्याव, एक्सरे तथा एससिटि जस्ता अत्यावश्यक सुविधाहरू उपलब्ध हुन सकेको छैन। गाउँपालिकाको १ वटा वडामा मात्रै फार्मसी सेवा उपलब्ध रहेको छ। आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई चुस्त दुरुस्त राख्न गाउँपालिका क्षेत्रभित्र १ वटा स्वास्थ्य चौकी, ३ वटा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र र १ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई गरि कुल ६ वटा स्वास्थ्य संस्था संचालन मा रहेका छन्। सरकारी स्वास्थ्य संस्थाहरूमा स्वास्थ्यकर्मीको स्वीकृत दरबन्दी कुल १५ रहेको मा हाल ३८ जना कार्यरत देखिन्छ। गाउँपालिका भित्र संचालनमा रहेका सबै स्वास्थ्य संस्थामा भने ५१ जना जनशक्ति कार्यरत छन् जसमध्ये २ जना सामान्य चिकित्सक, १० जना सि. अहेब तथा हेल्थ असिस्टेन्ट, ६ जना अहेब, १४ जना अनमी, ४ जना ल्याब टेक्निसियन तथा असिस्टेन्ट, ३ जना अन्य प्राविधिक र १२ जना अन्य प्रशासनिक जनशक्ति रहेको देखिन्छ। गाउँपालिकामा ५९ जना महिला स्वयंसेविका रहेका छन्। मुख्य रूपले यस गाउँपालिकामा झाडापखाला, रुखाखोकी, ज्वरो, मधुमेह, टाईफाइड, ग्यास्ट्रिक तथा निमोनिया लगायतका रोगहरू बढी मात्रामा लागेको देखिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौती

### समस्या तथा चुनौती

स्वास्थ्य चौकीका पूर्वाधार अपर्याप्त अवस्थामा रहेको, पर्याप्त उपकरण र औषधीहरू उपलब्ध नभएको, भवन सबैलाई पायक पर्ने ठाउँमा नभएको, जनशक्तिको अभावमा पर्याप्त बर्थिङ् सेन्टर सञ्चालन गर्न नसकिएको, सामान्य उपचार बाहेक जटिल स्वास्थ्य समस्याहरूमा उपचार सुविधा उपलब्ध हुन नसकेको पाइन्छ। साथै सर्ने तथा नसर्ने रोगहरू, कुपोषण, दुर्घटना तथा विपदजन्य स्वास्थ्य समस्याहरू विद्यमान रहनु, विश्वव्यापीकरणसँगै खानपान तथा जीवन शैलीमा आएको परिवर्तनले नसर्ने रोगहरूको भार तथा मानसिक समस्याहरू बढ्दै जानु जस्ता समस्याहरू पनि रहेका छन्।

विद्यमान भौतिक संरचनाबाट सेवा प्रवाह गर्न कठिनाई हुनु, रोगको निदान गर्नको लागि न्युनतम उपकरण र सुविधाहरू उपलब्ध गराउन नसक्नु, बजेट र जनशक्तिको अभावमा पायक पर्ने स्थानमा स्वास्थ्य चौकीका शाखाहरू, बर्थिङ् सेन्टर लगायत घुम्ती स्वास्थ्यसेवा दिन नसक्नु, आवश्यकता अनुसार जनशक्ति र औषधीहरूको आपूर्ति बढाउन नसक्नु, भौगोलिक बिकटताले अपाङ्ग, बृद्ध, बृद्धालाई सहज पहुँच पुऱ्याउन नसक्नु, बदलिँदो अस्वस्थकर जीवनशैली तथा आहार-व्यवहारको अभ्यास रहनु जस्ता चुनौतीहरू विद्यमान छन्।

### ३. लक्ष्य

"सर्वसुलभ र गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाले सुसज्जित जोशीपुर बासी"

### ४. उद्देश्य

- स्वास्थ्य संस्थाहरू र तिनीहरूबाट प्रवाह हुने सेवाको स्तरोन्नति गर्ने।
- सुरक्षित मातृत्वको सुनिश्चितता गर्ने
- पोषण सुरक्षा सुनिश्चित गर्ने
- असुरक्षित पानीको उपभोग घटाउने
- जनतामा स्वास्थ्य सचेतना वृद्धि गर्ने

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जनस्वास्थ्यसम्बन्धी सेवाहरू जनतामैत्री बनाइने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● स्वास्थ्य चौकीहरूको भवन मापदण्ड अनुसार स्तरोन्नति।</li> <li>● विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरूको भौतिक सुधार गरिने छ।</li> <li>● धेरै स्थानमा ल्याब स्थापना र उपयोग।</li> <li>● सामुदायिक स्वास्थ्य एकाइ स्थापना र उपयोग।</li> <li>● गर्भवती, सुत्केरीको लागि निशुल्क एम्बुलेन्स सञ्चालन</li> <li>● स्वयंसेविकाहरूको क्षमता विकासमा जोड दिईनेछ।</li> <li>● आधारभूत खोप र प्रसूति सेवाको प्रभावकारीता।</li> </ul>
२. सुरक्षित मातृत्व तथा प्रसूति सेवामा सुधार गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सबै वडा बर्थिङ्ग सेन्टरको स्तर वृद्धि गरिने छ।</li> <li>● सुरक्षित गर्भपतन सेवासम्बन्धी कानूनी व्यवस्थाको बारेमा महिला तथा स्वास्थ्यकर्मी लक्षित सचेतना अभिवृद्धि सञ्चालन।</li> <li>● सुरक्षित गर्भपतन र सुरक्षित प्रसूति सेवामा पहुँच पुऱ्याउने।</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
	<ul style="list-style-type: none"> <li>सुरक्षित मातृत्वका लागि सहुलिईत प्रदान गर्ने ।</li> </ul>
३. पूर्ण खोपको सुनिश्चितता गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>सबै प्रकारका खोप कार्यक्रमहरु अभियानको रूपमा सन्चालन गर्ने</li> </ul>
४. बालबालीकाको पोषण स्थितिमा सुधार ल्याउने	<ul style="list-style-type: none"> <li>वृद्धि अनुगमनलाई प्राथमिकता दिई व्यवस्थित गर्ने ।</li> <li>कुपोषणका बच्चाहरुका लागि इत्स स्थापना तथा सञ्चालन ।</li> <li>स्वास्थ्य संस्थाहरुमा पोषण कर्नरको व्यवस्था गरिने छ ।</li> </ul>
५. प्रतिकारात्मक, प्रवर्द्धनात्मक तथा उपचारात्मक आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा सबै नागरिकको पहुँच सुनिश्चित गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>सबै सरकारी स्वास्थ्य संस्थाबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा समान पहुँचको व्यवस्था गर्ने ।</li> <li>सबै नागरिकलाई सरकारी आकस्मिक स्वास्थ्य सेवामा समान पहुँचको व्यवस्था गर्ने ।</li> <li>स्वास्थ्य बीमाको कार्यक्रम विस्तार गर्ने ।</li> <li>स्वास्थ्य संस्थामा जनशक्ति, प्रविधि तथा उपकरणको व्यवस्था गरी गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने ।</li> <li>जेष्ठ नागरिक लक्षित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आव सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
अस्पताल निर्माण र सञ्चालन	संख्या	०	०	१	१	१
स्वास्थ्य चौकीको संख्या	संख्या	१	१	-	५	५
आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र	संख्या	३	३	३	३	४
सामुदायिक स्वास्थ्य इकाइ केन्द्र	संख्या	१	१	३	३	३
गाउँघर क्लिनिकको संख्या	संख्या	-	-	-	-	-
खोप केन्द्रको संख्या	संख्या	-	-	-	-	-
बर्थिङ्ग सेन्टरको संख्या	संख्या	-	-	-	-	-
सबैमा गरी स्वास्थ्य कर्मचारी संख्या	संख्या	३८	३८	आवश्यकता अनुसार पुर्ति गरिनेछ ।		
महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयम्	संख्या	५९	५९	६०	६५	६५

सेविकाहरुको संख्या						
स्वास्थ्य संस्थामा प्रसूती गराउने गर्भवती महिला	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२/०८३	३६१००	३००००	६१००	-	१००	३६०००	-	-
२	२०८३/०८४	४७०४०	४००००	७०४०	-	४०	४७०००		-
३	२०८४/०८५	५६४४८	५००००	६४४८	-	४८	५६०००	४००	-
	जम्मा	१३९५८८	१२००००	१९५८८		१८८	१३९०००	४००	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	आधारभूत स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम	स्वास्थ्य संस्था मार्फत सञ्चालन हुने सबै प्रकारका सेवा विस्तार गर्न	सालबसाली	१३६५८८	बजेट	स्वास्थ्यमा उल्लेख्य सुधार भई स्वस्थ जीवन यापनमा सहयोग पुगेको
२	पोषणमैत्री पालिका घोषणा तथा स्वास्थ्य सुशासन तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	पोषणमैत्री बनाउनका	सालबसाली	३०००	बजेट	कुपोषणमुक्त पालिका बनाउन सहयोगभएको हुने
३	स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी जनचेतनामुलक कार्यक्रम	आधारभूत स्वास्थ्य सम्बन्धि सचेत गराउने	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	
४	घुम्ती स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम	गाउँपालिका बासीको स्वास्थ्य परिक्षण गर्न	सालबसाली	७००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	स्वास्थ्य शिवीर संचालन गरी सेवा प्रदान गरेका हुने
५	एक टोल एक स्टेचर कार्यक्रम	विपद् तथा सुत्केरी गर्भवती आमाहरुलाई स्वास्थ्य संस्थाहरुमा सहज रुपमा पुर्याउने	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	स्टेचर खरिद भएका हुने
६	एम्बुलेन्स खरिद	एम्बुलेन्स सेवा उपलब्ध गराउने	२०८२/०८३	३०००	वार्षिक बजेट तथा	एम्बुलेन्स खरिद भएको हुने

					कार्यक्रम	
--	--	--	--	--	-----------	--

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रको कार्यक्रमका लागि विनियोजन भएको बजेट सशर्त कार्यक्रम भएको र स्वास्थ्य निर्देशिका अनुरूप भएकाले यसको बजेट विनियोजन नभएमा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा समस्या देखिन्छ । कार्यक्रम अनुरूप विशेष कार्यविधि तथा थप बजेट नभएमा कार्यान्वयनमा जोखिम रहन्छ ।

## ४.२ शिक्षा विज्ञान, प्रविधि तथा कला, भाषा र साहित्य

### १. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिका अन्तर्गत हाल कुल ३९ वटा विद्यालय र १ क्याम्पस रहेका छन्। विद्यालयहरूमध्ये २३ वटा सामुदायिक विद्यालय, १५ वटा संस्थागत विद्यालय र १ वटा धार्मिक विद्यालय रहेको छ। विद्यालयमा आधारित प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्रको कुल संख्या १८ रहेको छ। धार्मिक विद्यालय अन्तर्गत मदरसा र प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र अन्तर्गत विद्यालयमा आधारित प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र रहेका छन्। गाउँपालिका अन्तर्गत रहेका ३९ वटा शैक्षिक संस्थाहरूलाई तहगत रूपमा हेर्दा आधारभूत तहसम्म पठनपाठन हुने २८ वटा, माध्यमिक तहसम्मको पठनपाठन हुने ११ वटा, प्रारम्भिक बाल विकास केन्द्र १८ वटा र उच्च शिक्षा पठनपाठन हुने क्याम्पससंख्या १ वटा रहेको छ। गाउँपालिकाको कुल साक्षरता दर ७२.७ (पुरुष ७९.९% र महिला ६६.१%) प्रतिशत रहेको छ। गाउँपालिकामा माध्यमिक तहको खुद भर्नादर .... प्रतिशत छ भने आधारभूत तहको खुद भर्नादर .... रहेको देखिन्छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

शिक्षा क्षेत्रको सुधारमा राष्ट्रिय तथा स्थानीय स्तरबाट संस्थागत तथा व्यवहारिक प्रयास भएता पनि गुणस्तरीय तथा प्रतिस्पर्धी शिक्षाको दिशामा समय सापेक्ष सुधारहरू हुन सकेका छैनन्। भौगोलिक बिकटता, गरिवी र श्रोत तथा साधनको अपर्याप्तता रहेको छ। हालसम्म शिक्षण सिकाईमा शैक्षिक सामग्रीको निर्माण तथा उपयोग हुन सकेको छैन भने आधुनिक सूचना प्रविधिमा पहुँचमा कमी रहेको छ। स्थानीय आवश्यकता अनुसारको स्थानीय पाठ्यक्रम र शैक्षिक क्यालेण्डर तयारी तथा कार्यान्वयन हुन सकेको छैन। विद्यालयको अनुगमन तथा मुल्यांकनमा पर्याप्त ध्यान दिन नसक्दा शिक्षकको नियमितता र शिक्षण प्रकृया प्रभावकारी हुन सकेको छैन। सिकाई उपलब्धी विश्लेषण र कार्यान्वयनमा कमी रहेको छ।

स्थानीय शैक्षिक संस्थामा जनविश्वासको कमीका कारण गुणस्तरीय शिक्षाका लागि गाउँपालिका बाहिरका निजी शैक्षिक संस्थाप्रतिको परनिर्भरता कायम रहेको छ। उच्च शिक्षाका लागि क्याम्पस र प्राविधिक शिक्षाका लागि विद्यालयमा प्राविधिक धारको आवश्यकतालाई सम्बोधन हुन सकेको छैन। धेरैजसो ११ र १२ कक्षामा अध्ययन गर्ने विद्यार्थीको अन्यत्र वस्नु पर्ने अवस्था विद्यमान छ। कतिपय वडाहरूमा विद्यालयका भवनहरू जिर्ण र पहिरोको जोखिममा रहेका छन्। दलित जातिका बालबालिकाहरूको विद्यालयलाई निरन्तरता दिने क्रम कम छ। सानो उमेरमा विवाह गर्ने र उमेर बढ्दै गएपछि बजार र वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम रोकिएको छैन। निरक्षरता हटाउन सञ्चालन भएका अनौपचारिक शिक्षा कक्षा प्रभावकारी हुन सकेका छैनन्। पूर्वाधारतर्फ वालमैत्री तथा अपांगमैत्री भवन, खेल मैदान, घेरवार र शौचालयको कमी रहेको छ। सामाजिक परिवेशमा शैक्षिक वातावरणको कमीजस्ता समस्या विद्यमान रहेको छ।

### ३. लक्ष्य

स्वस्थ, सभ्य, सक्षम र प्रतिस्पर्धी जनशक्ति विकास मार्फत गाउँपालिकाको सामाजिक एवम् आर्थिक रूपान्तरण र सामाजिक न्याय सहितको दिगो समृद्धि हासिल गर्ने ।

#### ४. उद्देश्य

- जोशीपुर गाउँपालिकाका सबै बालबालिकालाई प्रारम्भिक बालविकासको अनुभवसहित आधारभूत शिक्षा अनिवार्य तथा निःशुल्क र माध्यमिक शिक्षा निःशुल्क सहित शिक्षामा पहुँच सुनिश्चित गरी शिक्षालाई गुणस्तरीय, जीवनोपयोगी र प्रविधिमैत्री बनाउनु,
- शिक्षामा समतामूलक अवसरहरू सुनिश्चितगर्दै शिक्षालाई सिपयुक्त समय सान्दर्भिक र गुणस्तरयुक्त बनाउनु, शिक्षामा वैकल्पिक अवसरहरू अवलम्बल गर्दै सबै तह र प्रकारको शिक्षा तथा सिपमूलक तालिममा पहुँच अभिवृद्धि गर्नु,
- शैक्षिक प्रशासनमा निरन्तर सुधार नवप्रवर्धन र सुशासनलाई संस्थागत गर्नु शैक्षिक पद्धतिलाई सृजनात्मक व्यवहारिक समावेशी तथा समतामूलक बनाउँदै लैजानु,
- गाउँपालिका स्तरीय समग्र शिक्षा प्रणालीको दक्षता प्रभावकारीता र जवाफदेहिता तथा संस्थागत सक्षमतामा अभिवृद्धि गर्नु,
- प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको विस्तार गरी सबैको पहुँच तथा गुणस्तर सुनिश्चित गर्नु, गाउँपालिका भित्रको शिक्षा प्रणालीमा सुशासन कायम गरी पारदर्शिता, उत्तरदायित्व र जवाफदेहिताको विकास गर्नु,
- शिक्षा क्षेत्रमा ज्ञान, विज्ञान र प्रविधिको विकाससँगै आएको नवीन परिवर्तन समावेश गर्नु।

#### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
शैक्षिक सुधारका कार्यहरूबाट शैक्षिक गुणस्तरमा सुधार गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बाल विकास केन्द्रको पहुँच नभएका बालबालीकाको बाहुल्य भएको स्थानहरूको छनोट गरी थप बाल विकास केन्द्रहरूको स्थापना गर्न</li> <li>● भइ रहेका बालविकास केन्द्रहरूको प्रबर्द्धन गरी स्तरीय र बालमैत्री बना राइने छ ।</li> <li>● संचालित शिक्षण संस्थाहरूको नियमित अनुमगन गर्ने</li> <li>● खेलकुद तथा तालिम सामग्री सहयोग गरिने</li> <li>● विद्यालयहरूको स्तरोन्नति तथा अपुग दरबन्दी पूरा गरिने</li> <li>● विद्यालयहरूलाई प्राविधिक शिक्षामा जोड्ने</li> </ul>
विद्यालयहरूलाई प्रविधिसँग जोडिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● छानिएका विद्यालयहरूमा विज्ञान प्रयोगशाला स्थापना गरिने</li> <li>● इ-लाइब्रेरीको व्यवस्था गरिने र</li> <li>● कक्षा कोठाहरू प्रविधियुक्त बनाइने</li> </ul>
दलित तथा (पिछडिएका वर्गका) किशोरीहरूको उच्च शिक्षामा पहुँच बढाइने छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● दलित तथा पिछडा वर्गका किशोरीहरूमध्ये जेहेन्दार हरूको छनोट गरिने।</li> <li>● त्यस्ता गरिबलाई उच्च शिक्षाका लागि भर्ना शुल्कमा अनुदान दिने ।</li> </ul>
अपाङ्गता भएको युवा युवतीको उच्च शिक्षामा	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अपाङ्गता भएका युवा युवतीमध्ये जेहेन्दारहरूको छनोट गर्ने</li> <li>● त्यस्ता जेहेन्दारलाई उच्च शिक्षाका लागि भर्ना शुल्कमा अनुदान दिइने</li> </ul>

रणनीति	कार्यनीति
पहुँच बढाइने छ ।	

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
पूर्व प्राथमिक तह खुद भर्नादर	प्रतिशत					
आधारभुत तह खुद भर्नादर	प्रतिशत					
माध्यमिक तह खुद भर्नादर (९-१२)	प्रतिशत					
छात्रवृत्ति	विद्यार्थी					
भौतिक तथा शैक्षिक पूर्वाधार विकास	विद्यालय					
साक्षरता दर	प्रतिशत	७२.७	७२.७	७५	८०	८५
विद्यालय छाड्ने दर	प्रतिशत					
मातृभाषामा पठनपाठन हुने विद्यालय	संख्या					
अपाङ्गमैत्री विद्यालयहरु	संख्या	०	०	०	१	०
पेशागत दक्षता प्राप्त शिक्षकहरु	प्रतिशत					
खानेपानी, स्वच्छता र शौचालय लगायतका सुविधा सम्पन्न विद्यालय	संख्या					
विद्युतको पहुँच भएका विद्यालय	संख्या	३९	३९	३९	३९	३९
इन्टरनेटको पहुँच पुगेका विद्यालय	संख्या					

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	११८१०८	११७२०८	९००	-	९००	११७०००	२०८	-
२	२०८३।०८४	१२५०००	१०००००	२५०००	-	२०००	१२००००	३०००	-
३	२०८४।०८५	१३००००	१०००००	३००००	-	२५००	१२७०००	५००	-
	जम्मा	३७३१०८	३१७२०८	५५९००		५४००	३६४०००	३७०८	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सूचक
१		विद्यालयको शैक्षिक गुणस्तर	सालबसाली	३६४४०८	बजेट	२३ वटा विद्यालयको

	विद्यालयमा शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण तथा व्यवस्थापन	सुदृढीकरण गर्ने				शैक्षिक गुणस्तर बढेको हुने
२	स्यानिटरी प्याड व्यवस्थापन कार्यक्रम	सामुदायिक विद्यालयका छात्राहरूलाई निशुल्क स्यानिटरी प्याडको व्यवस्थापन गर्ने	सालबसाली	३२००	बजेट	विद्यालयमा स्यानिटरी प्याड वितरण भएको हुने
३	छात्रवृत्ति तथा प्रोत्साहन कार्यक्रम	विद्यार्थीहरूका लागि छात्रवृत्ति तथा प्रोत्साहन रकम उपलब्ध गराउने	सालबसाली	५५००	बजेट	गरिव तथा जेहेन्दार २५०० विद्यार्थीलाई छात्रवृत्ति वितरण भएको
४	शिक्षकहरूलाई पेशागत तालिम	शैक्षिक गुणस्तर सुधार गर्ने	सालबसाली	३००	बजेट	दक्ष शिक्षकहरू उत्पादन गर्नु

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस क्षेत्रमा रहेको शिक्षाको गुणस्तर सुधारका लागि दक्ष शिक्षकहरू भएपनि भौगोलिक विकटताका कारण प्रविधिमैत्री शिक्षण सिकाई गर्न सहज नहुने देखिन्छ । त्यसै गरी शिक्षण सिकाईलाई आधुनिक तवरमा अथवा प्रविधिमैत्री शिक्षण सिकाई गर्न जोखिम रहेको देखिन्छ ।

## ४.३ खानेपानी तथा सरसफाई

### १. पृष्ठभूमि

खानेपानी तथा सरसफाई सेवाले मानव जीवनमा पार्ने बहुआयामिक प्रभावलाई दृष्टिगत गरी यस सेवालाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरेको छ।दिगो विकास लक्ष्यले समेत खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण गरेको छ।खुला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा भई सकेको यस गाउँपालिकामा एक घर, एक धारा तथा शौचालय निर्माणलाई उच्च प्राथमिकतामा राखिएको छ।फोहर व्यवस्थापनका लागि गाउँपालिकास्तरबाट पहल गरिएको छ।खानेपानी तथा सरसफाईको क्षेत्रमा विभिन्न गैह्र सरकारी निकायको सहयोग रहेको छ।

गाउँपालिका भित्र ९०.६ प्रतिशत घरपरिवारले ट्युबवेल/हाते पम्पको पानी उपयोग गर्ने गरेको तथा बाँकीले धारा/पाइप, मुल तथा खोला नदिनालाको पानी प्रयोग गर्ने गरेको देखिन्छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका अतिरिक्त गैर सरकारी र निजी क्षेत्रबाट समेत प्रयास भएता पनि खानेपानीका आयोजनामा स्थानीय समुदायको अपनत्वको कमी र सरसफाईजन्य परम्परागत व्यवहारका कारण आशातित सुधार हुन सकेको छैन।मानिसहरूको जमघट हुने सार्वजनिक स्थलमा सार्वजनिक शौचालयको कमी रहेको छ।स्वच्छ तथा सुरक्षित खानेपानीको व्यवस्था हुन सकेको छैन भने सुख्खा याममा कतिपय वस्तीमा खानेपानीको अभाव हुने गरेको छ।

सरसफाई सम्बन्धी आनिवानी कमजोर रहेको यस क्षेत्रमा घरमै फोहर वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन गर्ने प्रचलन रहेको छैन।पर्यटकीय मार्ग र मुख्य बजारहरूमा प्लास्टिकजन्य तथा सिशाजन्य फोहरको व्यवस्थापन हुन नसक्दा वातावरणीय प्रदुषण बढ्दै गएको छ।साथै बजार केन्द्रहरूमा समेत सडक नाली र ढल सुविधा उपलब्ध रहेको छैन।सार्वजनिक शौचालयमा सावुन, नियमित पानी आदिको नियमित व्यवस्थापन भएको देखिदैन।

### ३. लक्ष्य

जोशीपुर गाउँपालिका बासी सबैका लागि सहज र सुरक्षित खानेपानी व्यवस्था गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

- सुरक्षित खानेपानीका लागि भैरहेका खानेपानी शुद्धीकरण अभियान सञ्चालन गर्ने
- सुरक्षित खानेपानीमा जनताको सहज पहुँच वृद्धि गर्न नयाँ योजनाहरूको निर्माण र भैरहेकाको सुधार गर्न
- सरसफाइका माध्यमबाट वातावरण सुरक्षित बनाउने र जनताको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने ।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. खानेपानी योजनाहरू निर्माण, मर्मत तथा शुद्धीकरण गरी जनतालाई निरन्तर सुरक्षित खानेपानी उपलब्ध गराइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अझै पनि पाइपबाट खानेपानी उपलब्ध नभएको परिवारलाई प्राथमिकता दिई विभिन्न नयाँ खानेपानी योजना निर्माण तथा पुराना योजनाहरूको निर्माण तथा मर्मत गरिने छ ।</li> <li>● खानेपानीको आपूर्तिलाई सहज बनाउन, स्रोत नभएका ठाउँमा लिफ्ट गरेर पानी उपलब्ध गराउने ।</li> <li>● लागत सहभागितामा एक घर एक धारा कार्यक्रम अगाडि बढाउने ।</li> </ul>
२. सरसफाइ कार्यक्रमबाट जनताको स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार ल्याइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बजार क्षेत्रमा ढल र डम्पिङ्ग साइट थप व्यवस्थित गरिने ।</li> <li>● घरायसी फोहर व्यवस्थापन मा जोड दिइने ।</li> <li>● पूर्ण सफाइ अभियान चलाइने</li> </ul>

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
पाइप/धाराको पानीमा पहुँच परिवार संख्या	संख्या					
कुवाको पानीमा भर पर्ने परिवार संख्या	संख्या					
मूल तथा खोलाको पानीमा भर पर्ने परिवार संख्या	संख्या					
सार्वजनिक शौचालय संख्या	संख्या					
फोहोरमैला फ्याँक्ने स्थानको संख्या	संख्या					
फ्लस् भएको सेप्टी ट्याङ्की सहितको शौचालय प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					

साधारण शौचालय भएका परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
शौचालयनै नभएका परिवार संख्या	संख्या					

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.८ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	२०००	२००	१८००	-	२००	१०००	८००	-
२	२०८३।०८४	५०००	४००	४६००	-	२००	४०००	८००	-
३	२०८४।०८५	९०००	५००	८५००	-	१०००	७०००	१०००	-
	जम्मा	१६०००	११००	१४९००		१४००	१२०००	२६००	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.९ खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	खानापानीको आयोजना निर्माण मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन	सञ्चालित योजनाहरूको निरन्तर सुचारु	सालबसाली	६५००	वार्षिक बजेट	९५ प्रतिशत परिवारमा खानेपानीको पहुँच भएको
२	एक घर एक धारा कार्यक्रम	खानेपानी सर्वसुलभ पहुँच	सालबसाली	५०००	नीति तथा कार्यक्रम	९० प्रतिशत परिवारका घरमा धारा जडान भएको हुने
३	शौचालय निर्माण तथा व्यवस्थापन	सरसफाईमा ध्यान दिने	२०८२।०८३-०८४।०८५	३५००	नीति तथा कार्यक्रम	१ सार्वजनिक स्थानमा शौचालय निर्माण भएको हुने र ९२ प्रतिशत परिवारमा शौचालय पुगको हुने
४	खानेपानी गुणस्तर तथा शुद्धता जाँच	खानेपानी गुस्तर भएको नभएको जाँचा गर्न	सालबसाली	१०००	खानेपानी सम्बन्धी ऐन	५९ खानेपानी गुणस्तर जाँच हुने

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

खानेपानीका क्षेत्रमा बजेट वर्षेनी विनियोजन हुने भएपनि यस क्षेत्रमा आउने बाढी तथा पहिरोका कारण खानेपानीका योजनाहरू क्षति हुनाले खानेपानी मर्मतका क्षेत्रमा मात्र थुप्रै रकम खर्च हुने कारणले अन्य पक्षहरूमा ध्यान दिन नसकिने जोखिम रहन्छ ।

## ४.४ युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन

### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको उमेरगत जनसङ्ख्यालाई विश्लेषण गर्दा २० देखि २४ वर्षको उमेर समूहमा १० प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेका छन् भने २५ देखि ४९ वर्ष उमेर समूहमा ३७.७ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ। कूल जनसङ्ख्याको अनुपातमा युवा समूहको जनसङ्ख्या यतिको हुनु समग्र आर्थिक र सामाजिक विकासका लागि राम्रो हो। जोशीपुर गाउँपालिकाका विभिन्न ठाउँहरूमा खेलकुद मैदान रहेका छन्। प्रायः खेलकुद मैदानहरू विद्यालय भित्र नै रहेका छन्। यस गाउँपालिका क्षेत्र भित्र कुल ११ वटा खेलमैदान, मनोरञ्जन, पिकनिक स्थल लगायतका मनोरंजन स्थलहरू रहेका छन् जसमध्ये ९ वटा खेलमैदान, १ वटा मनोरंजनस्थल र १ वटा पिकनिक स्थल रहेको छ। यस गाउँपालिकामा कुनै पनि प्रदेश तथा जिल्लास्तरका व्यवसायिक खेलाडीहरू उपलब्ध नरहेको देखिन्छ। यस गाउँपालिका भित्र क्रियाशील रहेका युवा क्लबहरूको संख्या २२ रहेको छ। युवा क्लबहरूले खेलकुद, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सचेतनामूलक सामाजिक क्रियाकलाप क्षेत्रमा कार्य गरिरहेका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका क्षेत्रमा युवा पलायन मुख्य समस्याका रूपमा रहेको छ। युवा रोजगारी तथा उद्यमशीलताको कमी रहेको छ। खेलकुद व्यावसायिक हुन सकेको छैन भने गुणस्तरीय खेल मैदानको कमी रहेको छ। खेल क्षेत्रको विकासका लागि खेल मैदान, खेल प्रशिक्षण तथा खेलकुदको नियमित आयोजनामा कमी रहेको छ। रोजगारी, अध्ययन तथा अवसरको खोजीमा देशकै अन्य क्षेत्र तथा विदेशमा युवाहरू जाने प्रवृत्ति रहेको छ। भौगोलिक विकटता तथा उपयुक्त स्थलको अभावमा खेल मैदानको निर्माणमा कठिनाई रहेको छ। गाउँपालिकाको अधिकांश जग्गा भिरालो हुँदा प्रयाप्त खेल मैदान नभएको र अधिकांश ठाउँमा स्थानीय विद्यालयको मैदानलाई खेल मैदानको रूपमा प्रयोग गरिएको छ।

वर्षेनी श्रम बजारमा थपिने युवालाई रोजगारमूलक र व्यावसायिक शिक्षा तालिम उपलब्ध गराई रोजगारी प्रदान गर्नु, युवा प्रतिभा (पलायन रोक्नु, युवाहरूमा सकारात्मक सोचको वृद्धि गरी श्रम र संस्कृतिप्रति सम्मान गर्ने वातावरणको सिर्जना गर्नु, युवाहरूमा स्वयंसेवी भावनाको जागृत गर्नु, सामाजिक र आर्थिक सेवाहरूमा युवाको पहुँच वृद्धि गर्नु, उपयुक्त खेल पूर्वाधार आधारशीला निर्माण गर्नु तथा समुदायदेखि नै खेलकुदलाई आत्मसात् गरी बालबालिका, युवा, विद्यार्थी, ज्येष्ठ नागरिक लक्षित खेलकुद कार्यक्रम र शिक्षण, प्रशिक्षण तथा विभिन्न प्रतियोगिताहरूको आयोजना गरी स्वच्छ तथा प्रतिस्पर्धी खेलाडीको विकास एवम् खेल संस्कृतिको विकास गर्नु चुनौतीका रूपमा रहेका छन्।

### ३. लक्ष्य

शारीरिक तन्दुरुस्ति सहितको युवा शक्तिको विकास र खेलक्षेत्रको पहिचान बोकेको जोशीपुरको विकास गर्ने।

### ४. उद्देश्य

- युवा युवतीलाई खेलकुदका पूर्वाधारमा पहुँच वृद्धि गर्दै खेलकुद समाग्रीमा उपलब्ध गराउने
- खेलकुदका माध्यमबाट युवा युवतीको शारीरिक विकासको सुनिश्चितता गर्ने।
- यसका लागि खेल मैदानहरूका नयाँ निर्माण तथा पुरानाको स्तरोन्नति गर्ने।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
युवा वर्गको शारीरिक	• खेल मैदान नभएका वडाहरूमा पायक पर्ने गरी खोल मैदानहरू निर्माण गरिने छ।

रणनीति	कार्यनीति
क्षमताको विकास गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>अवश्यक देखिएका वडामा भलिवल मैदान र कभर्डहलको व्यवस्था गर्ने ।</li> <li>वार्षिक रूपमा खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना गरी ठूलो संख्यामा युवाहरुलाई सहभागी गराइने छ ।</li> </ul>
खेलकुदको माध्यमबाट आपसी सद्भाव भाइचारा बढाइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रत्येक वर्ष मनाइने राष्ट्रिय दिवस (संविधान दिवस, प्रजातन्त्र दिवस, गणतन्त्र दिवस) को दिन, अन्तरपालिका स्तरीय, पालिका स्तरीय तथा वडा स्तरीय कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
खेल मैदानको संख्या	संख्या	११	११	१२	१३	१३
खेलकुद क्लबहरुको संख्या	संख्या	२	२	३	४	५
वार्षिक रूपमा हुने गरेका खेलकुद प्रतियोगिताको संख्या	संख्या	२	२	२	३	३

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	३२००	८००	२४००	-	२००	३०००	-	-
२	२०८३।०८४	३७००	२००	३५००	-	३००	३४००	-	-
३	२०८४।०८५	४०००	५००	३५००	-	५०	३६००	१५०	-
	जम्मा	१०९००	१५००	४४००		५५०	१०२००	१५०	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	खेलपूर्वाधार विकासका लागि खेलमैदान निर्माण तथा खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम	खेलमैदानमा विकास गर्ने	सालबसाली	७५००	वार्षिक नीति कार्यक्रम	२ वटा खेलमैदान निर्माण भएको हुने र खेल प्रतिभाको विकास भएको
२	युवा तथा खेलकुद विकास	युवाहरुलाई	सालबसाली	३४००	बजेट तथा	युवाहरु खेलमूदमा

	सम्बन्धी कार्यक्रम	खेलकुदम प्रोत्साहन गर्ने			कार्यक्रम	सहभागिता भएको हुने र राष्ट्रिय स्तरमा युवाकव सहभागिता हुने
--	--------------------	--------------------------	--	--	-----------	------------------------------------------------------------

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको भोगोलिक क्षेत्र समथर रहेको पाइँदैन भएपनि पर्याप्त खाली जग्गाको अभाव रहेको छ । खेलपूर्वाधार विकासका लागि सोचेअनुरूप रकम विनियोजन गर्न नसक्दा खेल पूर्वाधार लगायतका अन्य खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम अपेक्षित रूपमा उपलब्धी नहुने जोखिम रहन सक्छ ।

## ४.५ महिला, बालबालिका तथा सामाजिक समावेशीकरण

### १. पृष्ठभूमि

महिलाहरूको क्षमता, श्रम, सीप र सृजनालाई विकास प्रकृत्यामा लगाई संविधानको मर्म अनुरूप सामाजिक समानता कायम गर्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नु आवश्यक छाविगतमा केही सामाजिक असमानता तथा विभेदका कारण यस क्षेत्रका महिला, दलित, जनजाति, अल्पसङ्ख्यक वर्ग सामाजिक तथा आर्थिक रूपले पछाडि परेका छन्। लक्षित वर्ग तथा समुदायको सामाजिक न्याय, समानता, मानवअधिकार सहित सर्वाङ्गिण विकास गर्ने लक्ष्य तथा उद्देश्यका साथ लैङ्गिक समानता तथा समावेशीकरणलाई यस योजनाले समेट्नेछ । बालबालिकाको हकलाई संविधानले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको हुँदा बाल बचाउ, बाल संरक्षण, बाल विकास र बालसहभागिता जस्ता बालअधिकारका आधार स्तम्भहरू प्रत्याभूति गर्न बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५ लागु गरिएको छात्यसैगरी ज्येष्ठ नागरिकहरूको जीवन सहज, सुरक्षित एवं सम्मानित बनाई सामाजिक न्याय कायम गर्नु कल्याणकारी राज्यको दायित्व हो भने अपाङ्गता सम्बन्धी राष्ट्रिय नीति तथा कार्ययोजनाका आधारमा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई विकासको मूलधारमा ल्याउनका लागि समावेशी र समन्यायिक पहुँच तथा सहभागितामा जोड दिइनु पर्दछ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

लैङ्गिक विभेद तथा हिंसालाई बढावा दिने सामाजिक संरचना, सोच, मूल्य, मान्यता, प्रथा, परम्परा कायमै रहनु, महिला माथि घरेलु, यौनजन्य तथा लैङ्गिकतामा आधारित हिंसा विद्यमान हुनु, सामाजिक र पारिवारिक वहिष्करणमा परेका तथा हिंसा पीडित तथा एकल महिलालाई पूर्णरूपमा संरक्षण, पुनर्स्थापना, सशक्तीकरण र स्वावलम्बी बनाउन नसकिनु महिला सम्बन्धी क्षेत्रका समस्या हुन् ।

लक्षित वर्गको चौतर्फी हितका लागि नीतिगत तथा व्यवहारिक तवरबाट सुधारका पहलहरू भएता पनि दलित, महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, बालबालीका, जेष्ठ नागरिक तथा आदिवासी जनजाति र विपन्न वर्गको सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थामा उल्लेख्य सुधारहरू हुन सकेको छैन। वाल विवाह, लैङ्गिक हिंसा, दलित तथा विपन्न तथा वाल हिंसाका घटनाहरू निर्मूल हुन सकेको छैन। लैङ्गिकहिंसा पीडित, महिलाको पहिचान हुनसकेको छैन भने हिंसा विरुद्धमा महिला आवाज सरोकारवालहरूबाट सशक्त रूपमा उठन सकेको छैन। छुवाछुत तथा सामाजिक विभेद अझै पनि कायमै रहेको छाविपन्न, हिंसा पीडित र असहायहरूका लागि विशेष व्यवस्था हुन सकेको छैन। सबै लक्षित वर्गको संजाल गठन भएको तर कृयाशिल हुन सकेको छैन। लक्षित वर्गको आत्मनिर्भरताका लागि पर्याप्त अवसर तथा क्षमता विकासका अवसरमा कमी रहेको छ।

### ३. लक्ष्य

लक्षित समूहको सम्मानजनक व्यवस्थापन तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान गर्दै समतामूलक सामाजिक सदभावलाई योगदान पुऱ्याउने

### ४. उद्देश्य

- महिला, बालबालीका तथा किशोर किशोरीहरु र शहिद परिवारको विकास तथा सामाजिक सुरक्षाको सुनिश्चितता गरी भेदभाव मुक्त बनाउने
- सामाजिक रूपमा असुरक्षित महसुस भएका नागरिकलाई सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्ने।
- समाजमा पछाडि परेका वर्ग समुदायका महिलालाई क्षमता विकासका कार्यक्रममार्फत मूल प्रवाहीकरण गर्ने र विकासको प्रतिफलमा पहुँच भएको प्रत्याभूति दिलाउने।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. लैङ्गिक तथा जातीय विभेद न्यूनीकरणका उपायहरु अवलम्बन गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने</li><li>● किशोर किशोरीहरुमा अन्तरनिहित प्रतिभा पहिचानका लागि वडा स्तरीय प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने ।</li></ul>
२. पिछडिएका वर्गका किशोर किशोरीको आर्थिक उद्यान गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● जोखिममा परेका र अवसर नपाएका युवा युवतीको पहिचान गर्ने ।</li><li>● उनीहरुलाई उद्यमशीलताको तालिम दिने ।</li><li>● उनीहरुले रोजेको विषयमा आयमूलक तालिम दिइने ।</li><li>● आयआर्जनका लागि प्राविधिको सहयोग गरिने ।</li></ul>
३. परम्परागत पेशाहरुको संरक्षण गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● परम्परागत पेशा अगालेका शिल्पिहरुको पहिचान गर्ने ।</li><li>● आवश्यकताका आधारमा थप सीप तथा कार्य थलोको विकास गर्ने ।</li></ul>
४. विपन्न वर्गका किशोर किशोरीहरुलाई शिक्षा तथा सीप प्रदान ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● विद्यालय छाडेका विपन्न वर्गका किशोरीहरुलाई उच्च शिक्षाको लागि सहयोग गर्ने</li><li>● कक्षा १२ पछि विद्यालय छाड्ने विपन्न वर्गका किशोरीहरुलाई कम्प्युटर तालिम दिने</li></ul>
५. जेष्ठ नागरिकको सम्मान तथा सुरक्षालाई विशेष जोड दिइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● वृद्धाहरुको भेला तथा भलाकुशारी स्थलको व्यवस्था गरिने ।</li><li>● वार्षिक रूपमा सम्मान गर्ने ।</li><li>● वार्षिक रूपमा पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थलहरुको भ्रमणको व्यवस्था मिलाउने ।</li></ul>
६. अपाङ्गता भएकाहरुको विकास गर्न क्षमता पहिचान गरी सम्मानित जीवन बाँच्न सक्नेगरी शिक्षित र रोजगार बनाउन जोड दिइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● अपाङ्गता भएकाहरुको सूची तयार गर्ने ।</li><li>● उनीहरुको फरक क्षमताको पहिचान गर्ने</li><li>● शिक्षामा अनुदान दिने ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>● फरक क्षमता अनुसार स्व:रोजगारीका लागि अनुदानको व्यवस्था गर्ने ।</li> </ul>
७. अनाथ तथा जोखिममा परेका बालवाकिलाई विद्यालय स्तरको शिक्षा आर्जनमा सहयोग	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अवस्था अद्यावधिक गर्ने ।</li> <li>● भर्ना शुल्क र पोषाक व्यवस्था गरी शिक्षा निःशुल्क गर्ने ।</li> </ul>
८. अप्ट्यारोमा परेका शहिद परिवारको बिकासमा जोड दिईने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अप्ट्यारोमा परेका शहिद परिवारको सूची तयार पारिने छ ।</li> <li>● उनिहरुको आवश्यकताका आधारमा शिक्षा, स्वास्थ्य र रोजगारीका लागि सहजिकरण गरिनेछ ।</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१३ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
महिलाका स्वामित्वमा सम्पत्ति रहेको (जग्गा नाममा)	प्रतिशत	०	०	५	८	१०
लैंगिक हिंसामा परेका उजुरीमा कमी	प्रतिशत	०	०	०	०	०
यौन हिंसामा कमी	प्रतिशत	०	०	०	०	०
बालकलब तथा सञ्जाल गठन	संख्या	५	५	६	७	१०
लैङ्गिक हिंसा कोष स्थापना	संख्या	०	०	०	-	-

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.१४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१२००	१०००	२००	-	५०	१०००	१५०	-
२	२०८३।०८४	१५००	१३००	२००	-	-	१५००	-	-
३	२०८४।०८५	२३००	२०००	३००	-	-	२३००	-	-
	जम्मा	५०००	४३००	७००		५०	४८००	१५०	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.१५ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
--------	-----------------------------	----------	-----------------------	----------------------	-----------	-------------------------------

१	महिला विकास तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	महिला विकास क्षेत्रमा काम गर्न	सालबसाली	३०५०	बजेट तथा कार्यक्रम	महिला विकास तथा लक्षित वर्गका लागि कार्यक्रम सञ्चालन भएको
२	लैङ्गिक हिंसा कोष स्थापना	कोष स्थापना गर्न	२०८२।०८३	२००	कोष कार्यविधि	कोष स्थापना भएको
३	लैङ्गिक हिंसामा परेकालाई पुर्नस्थापना कार्यक्रम सञ्चालन	हिंसामा परेकालाई पुर्नस्थापना गर्न	सालबसाली	१०००	बजेट तथा कार्यक्रम	हिंसामा कमी आएको हुने
४	बालक्लब तथा सञ्जाल गठन	बालबालिकाको सहभागिता वृद्धि गर्न	सालबसाली	७५०	बजेट तथा कार्यक्रम	१० क्लब गठन भएको

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाबाट यस क्षेत्रमा थुप्रै रकम विनियोजन गर्न नसक्नाले पनि महिला बालबालिकाका क्षेत्रमा काम गर्न सकिएको छैन । यस क्षेत्रमा विनियोजन गरिएको बजेट तालिम तथा दिवस कार्यक्रममा बढी खर्च हुने जोखिम रहन्छ ।

## ४.६ सामाजिक सुरक्षा तथा पञ्जीकरण

### १. पृष्ठभूमि

समावेशी तथा दिगो विकासका लागि गरिबी न्यूनीकरण र मानव सुरक्षाको महत्त्वपूर्ण साधनको रूपमा रहेको नागरिकको सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षणको हकलाई संविधानले नै सुनिश्चित गरेको छ । राज्यले आर्थिक तथा सामाजिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका विपन्न एकल महिला, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, आफ्नो हेरचाह आफै गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातीका नागरिक, दलित आदिलाई लक्षित गरी स्वास्थ्य उपचार सेवा, स्वास्थ्य बिमा, दिवा खाजा, छात्रवृत्ति, निर्वाहमुखी भत्ता लगायत विशेष व्यवस्थासहित संरक्षणको व्यवस्था गर्दै आएको अवस्था छ । संघीय सरकारमा जस्तै पालिकामा पनि विद्यमान सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण प्रणालीलाई अझ सुदृढ, वित्तीय रूपले दिगो तथा प्रभावकारी बनाउन निकै आवश्यक भएको छ ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहमा सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षणका कार्यक्रम कार्यान्वयनमा जटिलताले कार्यक्रमहरू एकीकृत रूपमा सञ्चालन हुन नसक्नु, सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सम्बन्धी खण्डीकृत तथ्याङ्क नहुनु यस क्षेत्रका केही समस्याहरू हुन् । सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण सेवाको एकीकृत सूचना प्रणालीलाई कार्यान्वयनमा ल्याउनु, एकीकृत तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्नु सामाजिक सुरक्षाको दायरामा क्रमशः वृद्धि गर्दै लैजाने । स्रोतको दिगोपना र न्यायपूर्ण वितरण ।

### ३. लक्ष्य

"समावेशी सामाजिक सुरक्षा र संरक्षण प्रणाली मार्फत् कल्याणकारी पालिकाको रूपमा स्थापित गर्ने ।"

#### ४. उद्देश्य

१. सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरूमा समाजका लक्षित वर्गको पहुँच सुनिश्चित गर्दै सुरक्षित र सम्मानजनक जीवनयापनका लागि सेवा सुविधाहरूको विस्तार गर्नु ।

#### ५. रणनीति

क) लक्षित वर्गको पहिचान गरी सुदृढ सामाजिक सुरक्षा प्रणालीको विकास गर्ने ।

ख) सुरक्षित, मर्यादित र सभ्य समाज निर्माण गर्ने ।

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ४.१६ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।०८३	२०८३।०८४	२०८४।०८५
सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	लाभग्राही संख्या					

#### ७. विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ४.१७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	७६०००	७५५००	५००	-	-	७६०००	-	-
२	२०८३।०८४	७८०००	७७०००	१०००	-	-	७८०००	-	-
३	२०८४।०८५	८००००	७९०००	१०००	-	-	८००००	-	-
	जम्मा	२३४०००	२३३५००	५००			२३४०००		

#### ८. कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ४.१८ कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	पूर्ण रुपमा बैंकिङ प्रणालीबाट सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण	सुरक्षित भत्ता वितरण	सालबसाली	२३००००	नीति तथा कार्यक्रम	सामाजिक भत्ता पूर्ण रुपमा बैंक मार्फत वितरण भएको
२	सामाजिक सुरक्षा भत्ता तथा पञ्जीकरण सम्बन्धी कार्यक्रम	भरपर्दो सेवाका लागि	सालबसाली	४०००	बजेट	सामाजिक सुरणा तथा पञ्जीकरण पूर्ण रुपमा डिजिटल हुने

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सामाजिक सुरक्षा भत्तालाई पूर्ण रूपमा बैंकिङ प्रणालीमा आवद्ध गरेपनि भौगोलिक विकटताका कारण तथा अशिक्षित तथा वृद्धवृद्धाहरु लक्षित वर्ग बढी भएका कारण उनीहरुको पहुँच नभई अन्य आफन्त तथा व्यक्तिबाट यसको दुरुपयोग हुने जोखिम रहेको छ ।

## परिच्छेद पाँच: पूर्वाधार विकास क्षेत्र

### ५.१ भवन, आवास, बस्ती तथा सहरी विकास

#### १. पृष्ठभूमि

जोशीपुर गाउँपालिकामा आवास योजना तथा एकीकृत बस्ती विकास सम्बन्धी कानून बनाउने अधिकार प्राप्त भएको छ भने केही आवास निर्माणको लागि आवश्यक स्थानीय ढुङ्गा गिट्टी, बालुवा, काठ आदिको उपलब्धता रहेको छ। आवश्यक खानेपानीका स्रोतहरू तथा प्राकृतिक जल निकासको अवस्था तथा बसोबासको लागि उपयुक्त हावापानी रहेको छ। राष्ट्रिय भवन संहिता अनुसार जोशीपुर गाउँपालिकामा भूकम्प प्रतिरोधी भवन कुल १०० निर्माण भएका छन् भने मापदण्ड बमोजिम बनेका निजी आवास करिब २०० वटा रहेका छन्। त्यसैगरी मापदण्ड पुरा नगरी निर्माण भएका निजी आवासको अन्त्य ४७० रहेको छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका सरकारी भवनको कुल संख्या ११ रहेको छ। सबैभन्दा उच्च संख्यामा वडा नं. १ मा ३ वटा भवन रहेको छ भने वडा नं. ६ मा कुनै पनि सरकारी भवन रहेको छैन।

#### २. समस्या तथा चुनौति

##### समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका वस्तिहरू व्यवस्थित नहुनु, प्रमुख मानिएका वस्तिहरूमा समेत आधारभूत सुविधा अपर्याप्त रहनु, एकीकृत वस्ति विकास कार्यक्रम संचालनमा नहुनु जस्ता समस्या विद्यमान रहेका छन्। विकसित हुँदै गेका बजार क्षेत्रमा विश्राम स्थल एवं बस प्रतिकालय र सार्वजनिक शौचालय लगायतका न्यूनतम सुविधाहरू अपर्याप्त छन्। सार्वजनिक सेवाको प्रभावकारी प्रवाहका लागि अत्यावश्यक वडा समितिको भवन, स्वास्थ्य चौकी लगायतका सार्वजनिक पूर्वाधारहरूको कमी रहेको देखिन्छ। अति विपन्न घरपरिवार लक्षित सुरक्षित आवास कार्यक्रम अपर्याप्त रहनु, भूकम्प पश्चात्को पुनर्निर्माण कार्यमा ढिलाई हुनु तथा भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माणका लागि तयार भएको दक्ष जनशक्ति गाउँपालिकामा क्रियाशील नहुनाले पनि निजी आवासहरू सुरक्षित नहुनसक्ने सम्भावना रहेको देखिन्छ। यसैगरी प्राकृतिक प्रकोपको रूपमा रहेको चट्याङ्गको उच्च जोखीम रहनुपनि वासोवासका हिसावले समस्याको रूपमा रहेको देखिन्छ।

भिरालो जमिन, खोलानालाको किनारमा वस्तिहरू रहेका, छरिएर रहेको वस्ति, वढ्दो वसाई सराई प्रवृत्ति, स्थानीय कला संस्कृति झल्किने घरहरू रहेका, यहाँका घरपरिवारहरू वसाई सराई गर्ने प्रकृति वढ्दै गएको छ, विना नक्सा र विना प्राविधिक स्टिमेटका आधारमा घरहरू बनेका, पुराना घरहरू भएका कारण भूकम्पको जोखिम रहेको, अझैपनि धेरै घरहरू खर र ढुंगाले छाएका, वस्तिहरू नदि कटान र पहिरोका जोखिममा रहेका, आवासीय घरहरूको निर्माण मापदण्ड अनुसार निर्माण हुन नसकेको, सुरक्षित आवास तथा बस्ती विकास उचित रूपमा नभएको, बजार विकास तथा विस्तारको कमी, बजारसँगको कमजोर पहुँच तथा विस्तारको अभाव, सार्वजनिक निर्माण आवश्यकता अनुसार हुन नसकेको, वस्तीहरू बीचको दुरी टाढा हुनु जोशीपुर विकासका लागि निकै चुनौतीपूर्ण देखिन्छ।

#### ३. लक्ष्य

पालिका क्षेत्रमा सहज सेवा प्रवाह र सुशासनको प्रत्याभूति भएको अवस्थाको सिर्जना गर्ने।

#### ४. उद्देश्य

- जनताका महत्वपूर्ण संस्थाहरूको कार्यथलोहरू निर्माण तथा व्यवस्थापन गरी सेवा प्रवाहलाई चुस्त, दुरुस्त बनाउने।
- वृद्धवृद्धाहरूको चौपारीका कारण उनीहरूको जीवन यापनमा खुसियाली ल्याउने।
- आमा समूहहरू अझ बढी सक्रिय भएका अवस्था हुने।

## ५. रणनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जनतालाई पायक पर्ने स्थानहरूमा सामुदायिक भवनहरू तथा अन्य आवश्यक सेवा स्थलहरूको निर्माण र भैरहेकाको स्तरोन्नति गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>सामुदायिक भवन माग भएका वडाहरूमा सबैलाई पायक पर्ने स्थान छनोट गरिने छ ।</li> <li>पायक पर्ने स्थानमा सामुदायिक भवनहरू तथा अन्य सेवा स्थलहरू निर्माण गर्दा भवन वा सेवास्थलमा आवश्यक अन्य सुविधा जस्तै खानेपानी, शौचालय तथा न्यूनतम मात्रामा फर्निचरहरूको व्यवस्था गरिने छ ।</li> </ul>
२. निम्नस्तरका जनतालाई आवासको व्यवस्था गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>आवास विहीनहरूको पहिचान गरिने छ ।</li> <li>आफ्नो आवासका लागि पालिकाबाट प्राप्त रकमका अतिरिक्त लाग्ने खर्च जुटाउन सहमति खोजिने छ ।</li> <li>सहमति पश्चात् जनता आवास निर्माणमा सहयोग गर्ने ।</li> </ul>

## ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
भवन संहिता मापदण्ड अनुसार बनेका आवासीय घर	संख्या	०	०	२	५	७
सुरक्षित आवासमा बसोबास गर्ने परिवार	प्रतिशत					
बाँकी वडा कार्यालय भवन संख्या	संख्या	३	३	४	५	५
सामुदायिक भवन संख्या	संख्या	०	०	०	१	१
स्वास्थ्य संस्थाका भवन संख्या थप हुनेछ	संख्या	७	७	८	८	८

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	३०८००	-	३०८००	-	-	२७०००	३८००	-
२	२०८३।०८४	४००००	-	४००००	-	-	३५०००	५०००	-
३	२०८४।०८५	४५०००	-	४५०००	-	-	४४०००	१०००	-
जम्मा		११५८००		११५८००			१०६०००	९८००	

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	१५ सैयाको अस्पताल भवन निर्माण कार्यक्रम	व्यवस्थित र सुविधा सम्पन्न अस्पताल भवन निर्माण गरी स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने	२०८२।०८३- २०८४।०८५	५५१००	वार्षिक बजेट	अस्पताल भवन निर्माण भएको
२	शितभण्डार निर्माण	कृषि उपजको संरक्षण गर्न	२०८२।०८३	११०००	वार्षिक बजेट	कोल्ड स्टोर निर्माण
३	वडा भवन निर्माण कार्यक्रम	वडाका प्रशासकीय कामकाजलाई व्यवस्थित गर्न	सालबसाली	३३०००	डिपीआर र वार्षिक बजेट	२ वटा वडा भवन बनेको
४	भवन आवास तथा सहरी विकास सम्बन्धी कार्यक्रम	भवन निर्माण तथा आवास र सहरी विकास सम्बन्धी तालिम लगायतका अन्य कार्य गर्न	सालबसाली	७७००	बजेट	विभिन्न किसिमका तालिम लगायतका अन्य कार्यहरु भएको

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस पालिकामा आन्तरिक स्रोतको अभावका कारण सम्पूर्ण रुपमा संघिय सरकारबाट प्राप्त बजेटबाट नै कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्ने भएकाले उक्त रकम आगामी आर्थिक वर्षमा बजेट प्राप्त नभएमा योजना कार्यान्वयन गर्न समस्या हुने देखिन्छ । यी योजनाहरु सञ्चालन गर्नका लागि बजेटको सुनिश्चितता गर्ने कार्य जटिल हुने देखिन्छ ।

### ५.२ सडक, पुल तथा यातायात व्यवस्था

#### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिका भित्र हाल सम्म साना तथा ठुला गरी कुल २११ वटा भन्दा बढी सडक रहेका छन्।सडकहरुको कुल लम्बाई २०८.२५ किलोमिटर रहेको छ।जसमध्ये ३४.९१ किलोमिटर कालोपत्रे, ११२.२७ किलोमिटर ग्राभेल, ३६.९७ किलोमिटर कच्ची, ७.२५ किलोमिटर कालोपत्रे र ग्राभेल तथा १६.८५ किलोमिटर ग्राभेल र कच्ची सडक रहेको छ।यस गाउँपालिकाको सबैजसो क्षेत्रमा सडक सुविधामा पहुच पुगेको देखिन्छ।गाउँपालिकाको क्षेत्र भित्र सडक सुविधा पुगेको क्षेत्रमा संचालन हुने प्रमुख यातायातका साधनहरुमा सार्वजनिक बस, अटो रिक्सा तथा निजी साइकल, मोटरसाइकल, ट्रक, मिनी ट्रक, कार, जिप र ट्र्याक्टर रहेका छन्।वडा नं.३ को रामनगरमा बस पार्क भएता पनि संचालन अवस्थामा रहेको छैन भने सार्वजनिक सवारी साधनको लागि वडा नं.२ को जोशीपुर बजारमा बस बिसेनी रहेको छ। सडक विस्तार जथाभावी तरिकाले गरिँदा धेरै स्थानहरुमा खेतीयोग्य जमीनको विनाश हुनका साथै पहिरोको प्रकोप बढ्ने तथा वातावरणमा प्रतिकूल असर परिरहेको देखिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौति

### समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका क्षेत्रभित्र सबै सडक बिस्तारमा कठिनाई रहनु, सडक गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वय गर्न नसकेर सडक बिस्तार तथा स्तरोन्नती गर्न कठिनाई हुनु जस्ता समस्याहरू प्रमुख रहेका छन्। यसैगरी कतिपय झोलुङ्गे पुल रहेको स्थानसम्मको सहज सडक सुविधा विस्तार हुन नसक्नु, आवश्यकता अनुसार झोलुङ्गे पुल निर्माण नहुनुले पनि आवागमनमा असहज भएको देखिन्छ। सार्वजनिक यातायातका साधनहरू नियमित रूपमा संचालन नहुनु, जिपहरूले भाडा महंगो लिने गरेको अन्य समस्याको रूपमा रहेको देखिन्छ। गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा कालोपत्रे सडक सडक संजाल विस्तार गर्न नसक्नु, सार्वजनिक यातायात नभएको हुँदा भाडादरमा नियमानुसार र यथार्थ नहुनु।

### ३. लक्ष्य

दिगो, भरपर्दो र सुरक्षित यातायात सेवामा सबै बस्तीबासीको पहुँचमा पुऱ्याउने।

### ४. उद्देश्य

- भैरहेका ग्राभेल सडकहरूलाई कालो पत्रे गर्ने।
- साविकका कच्ची सडकहरूको स्तरोन्नति र ग्राभेल गर्ने।
- आवश्यक स्थानहरूमा पुल तथा कलभर्टहरूको निर्माण गर्ने।
- नयाँ सडकहरूको विकास गर्ने।

### ५. रणनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. स्तरीय र भरपर्दो सडक यातायातको विकास	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आवश्यक पर्ने स्थानमा रणनीतिक सडकहरूको कालोपत्रे गर्ने</li> <li>● अत्यावश्यक स्थानमा नाला समेत निर्माण गर्ने।</li> </ul>
२. रणनीतिक स्थानहरूमा पुल तथा पुलेसाहरूको निर्माण गरिने	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पुल पुलेसा अवश्यक पर्ने रणनीतिक स्थानहरूको पहिचान गर्ने।</li> <li>● स्तरीय पुल तथा पुलेसाहरू निर्माण गर्ने।</li> </ul>
३. अत्यावश्यक स्थानमा ढल तथा नाला निर्माण गरिने छ	<ul style="list-style-type: none"> <li>● रणनीतिक बाटोहरूमा आवश्यकताका आधारमा हलको व्यवस्था गर्ने।</li> <li>● बस्तीस्तरका ढल निर्माणमा उपभोक्ताहरूसंग लागत सहभागितामा गरिने छ।</li> </ul>

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
कच्ची सडक (धुले)	कि मि	३६.९७	४०	४५	५०	५५
ग्राभेल सडक	कि मि	११२.२७	११५	१२०	१२५	१२०
कालोपत्रे सडक	कि मि	३४.९१	४०	४५	५०	५५
सडकको कुल लम्बाई	कि मि	२०८.२५	२२०	२३१	२४१	२६५

१२ महिना निर्वाध रुपमा चल्ने सडक पहुँच	प्रतिशत	३४.९१	४०	४५	५०	५५
-------------------------------------------	---------	-------	----	----	----	----

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	८६६०	६६०	८०००	-	-	८६६०	-	-
२	२०८३।०८४	९०००	२००	८८००	-	-	८०००	१०००	-
३	२०८४।०८५	१००००	४००	९६००	-	-	८०००	२०००	-
	जम्मा	२७६६०	१२६०	२६४००			२४६६०	३०००	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	सडक निर्माण मर्मत तथा सुधार सम्बन्धी कार्यक्रम	सडकमा सबैको पहुँच निर्वाध रुपमा गर्नका लागि र दिगो सडकका लागि	सालबसाली	१७५००	डिपिआर तथा वार्षिक बजेट	सडकहरूको सरसफाई तथा मर्मत नियमति रुपमा भएको हुने
२	पुल निर्माण	यातायातको सहज पहुँच गर्न	२०८२।०८३	५०००	नीति तथा कार्यक्रम	१ पुल निर्माण भएको हुने
३	झो. पु. निर्माण	यातायातको सहज पहुँच गर्न	२०८२।०८३-०८४।०८५	५०००	वार्षिक बजेट	१ वटा झोपु निर्माण भएको
४	सडकहरूको विवरण सहित होर्डिङ बोर्ड स्थापना	सडकबारे जानकारी प्रदान	२०८२।०८३-०८४।०८५	१६०	नीत तथा कार्यक्रम	होर्डिङ बोर्ड स्थापना भएको

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस गाउँपालिकामा कच्ची सडक थुप्रै भएको र सडकहरूको सुरक्षा नअपनाएका कारण बर्षेनी सडक सरसफाईमा थुप्रै रकम खर्च हुने गरेको छ जसले गर्दा अन्य क्षेत्रका लागि बजेट विनियोजन गर्न समस्या हुन सक्ने देखिन्छ । त्यसै गरी पुल निर्माण कार्यका लागि एउटै वर्ष बजेट विनियोजन गर्नु पर्ने भएकाले सो क्षेत्रमा बजेट विनियोजनमा समस्या हुने देखिन्छ ।

## ५.३ जलस्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

### १. पृष्ठभूमि

जोशीपुर गाउँपालिकाको प्रमुख स्रोतको रूपमा विद्युत रहेको छ। कुल घरधुरीको ९८.६२% ले विद्युत लाई बत्तिको प्रमुख स्रोतको रूपमा प्रयोग गर्ने गरेको छन् भने ०.७७% ले सोलार, ०.२७% ले मट्टीतेल, ०.०३% ले बायोग्यास र ०.३१% ले अन्य स्रोतको प्रयोग गर्ने गरेका छन्। यस गाउँपालिकामा जलविद्युत, घरेलु सौर्य र बायु उर्जा बाट विद्युत उत्पादन कार्य भएको नदेखिए तापनि घरेलु प्रयोजनका लागि सौर्य उर्जा उत्पादन गरी प्रयोग गर्ने अभ्यास भएको देखिन्छ। जसअनुसार यस क्षेत्रका ६० घरधुरीले सौर्य उर्जा प्रणाली जडान गरेका छन्।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

सबै स्थानमा विशिष्ट उपयोगका लागि राष्ट्रिय प्रशारण लाइनको विद्युत सेवा उपलब्ध हुन सकेको छैन भने उपलब्ध विद्युत सेवा पनि नियमित र व्यवस्थित हुन सकेको छैन। स्वच्छ उर्जाको रूपमा गोबर ग्यास, वायो विक्रेट र धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोको उपयोग पर्याप्त मात्रामा हुन सकेको छैन। अधिकांश वडाहरूमा परम्परागत रूपमा दाउराबाट खाना पकाउने गरिएको छ ।

वस्ती विकास, शहरीकरण तथा आर्थिक गतिविधिको विस्तारका कारण बढ्दै गएको विद्युतको माग बढ्दै गए अनुसार विद्युत आपूर्ति गर्नु, र भौगोलिक बिकटता रहेका र ग्रामीणस्तरमा छरिएको बस्तीहरूमा विद्युतीकरण गर्नु चुनौतीको रूपमा रहेका छन्।

### ३. लक्ष्य

नवीकरणीय तथा वैकल्पिक ऊर्जाको उत्पादन र उपभोगमा दक्षता बढाई वातावरण मैत्री, दिगो, भरपर्दो, गुणस्तरीय र स्वच्छ ऊर्जामा सबैको पहुँचमा बृद्धि गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

- बत्ती बाल्न विद्युतको पहुँच नपुगेका परिवारसम्म विद्युत विस्तार गर्ने ।
- ऊर्जा तथा ऊर्जाजन्य प्रविधिहरू आर्थिक र प्राविधिक रूपमा व्यवस्थापन गर्न सक्ने गरी सबैको पहुँचमा पुऱ्याई खाना पकाउँदा प्रयोग हुने दाउराको कटौती गर्ने र विद्युतमा आकर्षण वृद्धि गर्ने ।
- इन्डक्सन चुल्होको उपयोगलाई बढावा दिइने ।
- वैकल्पिक तथा विद्युत ऊर्जाको उपयोगमा वृद्धि ।

### ५. रणनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. वैकल्पिक तथा विद्युत ऊर्जामा पहुँच वृद्धि गरी खाना पकाउन प्रयोग हुने दाउरा विस्थापित गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● खाना पकाउन दाउरा प्रयोग गर्ने परिवारको पहिचान गर्ने ।</li> <li>● खाना पकाउन दाउराको बदला आवश्यक मात्रामा विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जाको सम्भावना खोजिने ।</li> <li>● लागत सहभागितामा खाना पकाउने दाउरा बाहेक वैकल्पिक ऊर्जाको विकास गर्ने ।</li> </ul>
२. विद्युत वितरणको वर्तमान अवस्थाको सुधार गरी सुरक्षित र सबैको पहुँचमा सेवा पुऱ्याइने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विद्युत ऊर्जामा पहुँच नपुगेका परिवारको लगत सड्कलन गर्ने ।</li> <li>● असुरक्षित विद्युत वितरण क्षेत्रको पहिचान गर्ने ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पहिचान भएका स्थानमा विद्युत प्राधिकरणको सहकार्यमा वितरण प्रणालीको सुधार गरी सुरक्षित र सर्व सुलभ बनाउने</li> <li>● विद्युतीय चुल्होको लागि अनुदान दिइने ।</li> </ul>
--	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
बत्तीका लागि बिजुली बाल्ने परिवार प्रतिशतमा	प्रतिशत	९८.६२	९९.५	१००	१००	१००
बत्तीका लागि वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
बत्तीका लागि मट्टीतेल प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
बिजुलीको पहुँच नपुगेका परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
खाना पकाउन बिजुली प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
खाना पकाउन एल.पी. ग्याँस प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
खाना पकाउन दाउरा प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
खाना पकाउन वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					
खाना पकाउन मट्टीतेल वा गुईठा जस्तो ऊर्जा प्रयोग गर्ने परिवार प्रतिशत	प्रतिशत					

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	१२००	२००	१०००	-	२००	१०००	-	-

२	२०८३१०८४	१८००	५००	१३००	-	-	१८००	-	-
३	२०८४१०८५	२५००	९००	१६००	-	-	२५००	-	-
	जम्मा	५५००	३६००	९००		२००	५३००		

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.९ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	जलस्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन सम्बन्धी कार्यक्रम	नवीकरणीय उर्जा तथा विद्युत प्रयोगमा जोड दिई वैकल्पिक उर्जा प्रयोगमा जोड दिन	सालबसाली	५५००	पालिका उर्जा योजना तथा बजेट	वैकल्पिक उर्जा प्रयोग बढेको हुने र विद्युतीय चुलो लगायतमा अनुदान प्रदान गरको हुने

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको ९८.६२ प्रतिशत विद्युत राष्ट्रिय प्रसारण लाइनमा जोडिएपनि यस क्षेत्रका थुप्रै क्षेत्रमा माग अनुसारको विद्युत नभएको र सिङ्गल फेजको विद्युतले वैकल्पिक उर्जा प्रयोगमा समस्या आउने देखिन्छ । त्यसै गरी वैकल्पिक उर्जाको क्षेत्रमा गरिएको लगानी सौर्य सोलारमा मात्र प्रयोग हुनाले अन्य वैकल्पिक उर्जाको क्षेत्र अन्यौलमा पर्ने जोखिम रहन्छ ।

## ५.४ सूचना तथा सञ्चार प्रविधि

### १. पृष्ठभूमि

जोशीपुर गाउँपालिका क्षेत्रमा १ वटा ईलाका हुलाक कार्यालय र १ वटा अतिरिक्त हुलाक कार्यालय रहेका छन् भने गाउँपालिकाको वडा नं.१ र ५ बाट ३ साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन हुने गरेको छ। गाउँपालिका भित्र दुरसंचार सेवा कार्यालय उपलब्ध नभएको देखिन्छ तथापि यस क्षेत्रका विभिन्न स्थानहरूमा गरि कुल ९ स्थानमा दुरसंचार टावरहरू स्थापना गरिएको छ। जसमध्ये नेपाल दुरसंचार ४ वटा र एनसेलको ५ वटा टावरहरू रहेका छन्। सबै वडामा प्राय जसो घरधुरीमा मोबाइल तथा टेलिफोनको पहुँच रहेको छ। मोबाइल सुविधामा औषत ७५.७० घरधुरीको प्रत्यक्ष पहुँच रहेको छ। रेडियो उपयोग गर्ने घरधुरी १२.७५ प्रतिशत, टेलिभिजन हुने ३८.५८%, कम्प्युटर प्रयोग गर्ने ५.४८% र इन्टरनेट प्रयोग गर्ने ११.८४% घरधुरी रहेका छन्। गाउँपालिकामा पत्रपत्रिका तथा एफ.एम.स्टेशनहरूले सञ्चार सुविधा पुऱ्याएका भएता पनि यस गाउँपालिकाबाट दैनिक रूपमा प्रकाशन हुने कुनै पत्रपत्रिका तथा एफ.एम.स्टेशनहरू नरहेको साथै गाउँबासीलाई सूचना प्रवाह गर्न स्थानीय एफ.एम. को आवश्यकता रहेको देखिन्छ। यद्यपि, टेलिभिजन, केवल नेटवर्क, र इन्टरनेटको सरल पहुँचका कारण सूचना तथा संचार विकास दिनानुदिन बढ्दै गइरहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सूचना प्रविधिको पर्याप्त उपयोग हुन सकेको छैन। सूचना तथा सञ्चारको संरचनागत विकासका पूर्वाधारमा कमी देखिन्छ। सूचना प्रविधिको विकास र साईवर सुरक्षाको लागि पर्याप्त संरचनागत व्यवस्था भएको भने छैन। केही स्थानहरूमा मोबाइल नेटवर्क अनियमित तथा ज्यादै कमजोर भएकाले सेवा प्रयोग एवं वडा कार्यालयको सेवा प्रवाहमा समेत

## समस्या तथा चुनौती

बाधा पुगेको छाहालसम्म अप्टिकल फाइबर पुग्न सकेको छैन ।

अप्टिकल फाइबर विस्तारमा गति दिने कार्य, सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रमा विकसित नवीनतम प्रविधि समय सापेक्ष प्रयोगमा ल्याउने कार्य, विद्युत प्रसारण भरपर्दो बनाउने कार्य, गाउँ क्षेत्रको ऐतिहासिक महत्वका वस्तु र सेवाहरूलाई डिजिटल अर्काइभमा सुरक्षित राख्ने कार्य, साइबर सुरक्षा सम्बन्धी संस्थागत संरचना तयार गरी आम जनतामा यस सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्य, र सामाजिक सञ्जालको वृद्धिसँगै यसमा बढ्दै गएको दुरुपयोग तथा विकृतिलाई रोक्ने कार्य चुनौती पूर्ण देखिएको छ ।

### ३. लक्ष्य

सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विकास गर्दै सबै नागरिकको पहुँच तथा उच्चतम उपयोग सुनिश्चित गरी आमनागरिकको जीवनस्तरलाई सहज बनाउने ।

### ४. उद्देश्य

१. आम सञ्चार माध्यमलाई स्वच्छ, सक्षम, निष्पक्ष, मर्यादित, विश्वसनीय बनाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधि र सेवाहरू सबै नागरिकको पहुँचमा पुऱ्याउनु ।
२. सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको सेवालालाई सर्वसुलभ, गुणस्तरीय र भरपर्दो बनाई प्रविधिको उच्चतम सेवा प्रयोग गर्नु ।

### ५. रणनीति

- क) सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धी नयाँ खोज तथा अनुसन्धान र विकासको लागि कानुनी आधार तयार गर्ने।
- ख) बजार तथा चलचित्र क्षेत्रको पूर्वाधार विकास गरी उद्योगको रूपमा विकास तथा प्रवर्द्धन गर्ने ।
- ग) समग्र प्रविधिका विकासकालागि डिजिटाइजेसन मार्फत् सामाजिक, आर्थिक र शासकीय व्यवस्थामा सुधार गर्ने।
- घ) सूचना तथा सञ्चार सेवालालाई प्रतिस्पर्धी, मर्यादित, सर्वसुलभ तथा नियमित पहुँचको स्थापना गरी सूचना प्रविधिको उच्चतम सेवा प्रयोग गर्ने ।
- ङ) सूचनामा सम्पूर्ण नागरिकहरूको पहुँच र सञ्चार प्रविधिको उच्चतम प्रयोगको सुनिश्चितता गर्ने ।

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ५.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
सञ्चार सुविधा पुगेका बस्ती	प्रतिशत	८८.१	९०	९१	९३	९४
टि.भि मा पहुँच भएका परिवार प्रतिशत	प्रतिशत	११.९	१५	१७	१९	२१
मोबाइलमा पहुँच पुगेको जनसङ्ख्या प्रतिशत	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००
इन्टरनेट प्रयोग गर्ने जनसङ्ख्या प्रतिशत	प्रतिशत	७०	७०	७५	८०	८५

७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ५.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	२५००	५००	२०००	-	-	२५००	-	-
२	२०८३।०८४	३०००	१०००	२०००	-	-	३०००	-	-
३	२०८४।०८५	३५००	१३००	१७००	-	-	३५००	-	-
	जम्मा	९०००	२८००	५७००			९०००		

८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ५.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	सूचना तथा सञ्चार प्रविधि सम्बन्धी कार्यक्रम फाइबर नेट जडान तथा मोबाइल टावर जडान	सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धमा कार्य गर्न	सालबसाली	९०००	बजेट कार्यक्रम	इन्टरनेट सेवाको पहुँच विस्तार भएको

९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस गाउँपालिकामा अझैपनि ईन्टरनेटमा सहज पहुँच पुऱ्याउन त्यति सजिलो छैन । भौगोलिक विकटताले यो समस्या रहेको छ । सूचना प्रविधिलाई समयमै अद्यावधिक गर्नका लागि आवश्यक डाटाको आवश्यकता पर्ने भएकाले यदि समयमै डाटा भएन भने जोखिम रहने हुन्छ ।

## परिच्छेद छ: वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

### ६.१ वन तथा भू-संरक्षण

#### १. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा वन जंगलको अवस्था राम्रो देखिन्छ। जोशीपुर गाउँपालिकाको समग्र भू-उपयोगको स्थिति हेर्दा गाउँपालिकाको कूल भूभाग ६५.५७ वर्ग कि.मि मध्ये करिब २.१६ वर्ग कि.मि अर्थात करिब ३.२९ हिस्सा वन जंगलले ओगटेको छ। त्यसै गरि ०.६६ भू-भाग घाँसे मैदान, ९२.३३ कृषि क्षेत्र, ०.८८ झाडी क्षेत्र रहेको देखिन्छ भने जलीय क्षेत्रको हिस्सा ०.९२ मात्र रहेको देखिन्छ। यस गाउँपालिकामा रहेका ..... वटै सामुदायिक बनहरू समुदायले नै संरक्षण र व्यवस्थापन गरिरहेका छन्। यि बनहरू सामुदायिक बनको आफ्नै बिधान अनुसार संचालन भएका छन्। सामुदायिक बनले कूल बनक्षेत्र मध्ये लगभग ..... प्रतिशत क्षेत्रफल ओगटेका छन् भने उक्त सामुदायिक बनमा करिब ..... प्रतिशत घरपरिवारहरू आबद्ध रहेका छन्। वनको उचित व्यवस्थापन गरी सामुदायिक वन कार्यक्रमलाई आय आर्जन तथा गरिवी निवारण कार्यक्रममा जोड्नका लागि यसले महत्वपूर्ण योगदान गरेको छ। महत्वपूर्ण जडीबुटीहरूलाई व्यवसायिक उत्पादन र प्रशोधन गर्न सकिने र बजारको सम्भावना रहेको पाइन्छ। त्यसैगरी यस क्षेत्रमा कृषि क्षेत्र तथा पशुपालनको कार्यक्रमलाई थप बढावा दिन सकिन्छ।

#### २. समस्या तथा चुनौति

##### समस्या तथा चुनौती

वनसम्बन्धी कानूनको परिपालना, प्राकृतिक स्रोतमा स्थानीय समुदायको न्यायोचित पहुँच तथा वन र वातावरण वीचको अन्तरसम्बन्ध तथा अन्तरपुस्ता समन्वयबारे जनसाधारणमा स्पष्ट ज्ञान र तदनुकूल भूमिका निर्वाह गर्ने कार्यहरू चुनौतीको रूपमा रहेका छन्। हराभरा जोशीपुर बनाउन वनको हैसियत सुधार र जलवायु परिवर्तन अनुकूलनमा पनि थुप्रै कार्यहरू गर्नु पर्ने छ। जलवायु परिवर्तनका हिसाबले कतिपय बालीनालीहरूको उत्पादनमा असर परेको छ भने पानीका मुहान सुक्ने तथा पानीको सतह घट्ने जस्तो अवस्था आइरहेको छ।

#### ३. लक्ष्य

वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापनद्वारा जैविक विविधता, वातावरण सन्तुलन र जलाधारलाई जोगाई राख्ने र पर्यापर्यटन तथा वनजन्य पैदावारमा आधारित उद्यमशीलतामार्फत अर्थतन्त्रमा सहयोग पुऱ्याउने।

#### ४. उद्देश्य

- वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन र वनको क्षेत्र तथा हैसियत वृद्धि र वातावरण सन्तुलन तथा भू-संरक्षण गर्ने।
- जैविक विधतालाई बढाउँदै लैजाने।
- जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरण तथा अनुकूलनका गतिविधिहरू सञ्चालन गर्ने।
- जोशीपुरलाई हराभरा बनाउने।
- भू-क्षय नियन्त्रण तथा रोकथाम गर्ने।

#### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनीकरण तथा अनुकूलनका विविध उपायहरू अवलम्बन गरी जोशीपुरलाई हराभरा कायम गरिने छ।	<ul style="list-style-type: none"><li>● वृक्षरोपणमा जोड दिइने छ।</li><li>● जलवायु मैत्री बाली छनोट तथा प्रांगारिक खेतीमा जोड दिइने छ।</li><li>● फोहोरमैला व्यवस्थापन मा सहजीकरण गर्ने।</li></ul>

रणनीति	कार्यनीति
	<ul style="list-style-type: none"> <li>मूल सुक्ने अवस्थाका पानीका मूलहरूको संरक्षणमा जोड दिइने छ ।</li> </ul>
२. जनताको सहभागितामा बन क्षेत्रको संरक्षण र प्रतिफलको न्यायोचित वितरण	<ul style="list-style-type: none"> <li>बनक्षेत्रको संरक्षणमा स्थानीय जनताको सहभागिता र न्यायोचित रूपले प्रतिफल पाउने सुनिश्चितताका लागि संघ र प्रदेशको सहयोगी हुने गरी स्थानीय नीति र कानून निर्माण ।</li> <li>स्थानीय जनतालाई बन क्षेत्रको संरक्षणबाट वातावरण, जैविक विविधता र जलाधार जोगाउन पुग्ने सहयोगबारे निरन्तर सचेतना गराइरहने ।</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

##### तालिका नं ६.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
वनले ढाकेको क्षेत्र (कूल क्षेत्रफलको)	वर्ग कि.मि.	२.१६	२.१६	२.१६	२.१६	२.१६
सामुदायिक वन संख्या	संख्या	१३	१३	१३	१३	१३

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

##### तालिका नं ६.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	३०००	४५०	२५५०	-	२००	२५००	३००	-
२	२०८३।०८४	३५००	५००	३०००	-	-	२५००	१०००	-
३	२०८४।०८५	४०००	२००	३८००	-	-	४०००	२०००	-
	जम्मा	१०५००	११५०	९३५०		२००	९०००	३३००	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

##### तालिका नं ६.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	वन तथा भूसंरक्षण कार्यक्रम	वन तथा भूसंरक्षण गर्न	सालबसाली	५०००	बजेट	वनको क्षेत्र बढेको हुने र जोखिम क्षेत्रहरूमा वक्षरोपण भएको
२	तटबन्धन तथा नदी नियन्त्रण कार्यक्रम	नदी कटान नियन्त्रण गर्न	सालबसाली	५५००	वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम	३ कि मि नदीमा तटबन्धन निर्माण हुने

३	वृक्षारोपण कार्यक्रम	वन संरक्षण तथा पहिरो नियन्त्रण गर्न	सालबसाली	५००	वार्षिक बजेट	वृक्षारोपण भएको हुने
---	----------------------	-------------------------------------	----------	-----	--------------	----------------------

## १. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

वातावरण संरक्षण कार्यमा ध्यान पुऱ्याउन सकेपनि भूसंरक्षण कार्यका लागि बजेटको अभावले कार्य गर्न जोखिम रहेको छ । भौगोलिक धरातल पहिरोको जोखिम बढी हुने भएकाले भूसंरक्षण कार्य कार्यान्वयन हुनेमा जोखिम नै रहने सम्भावना देखिन्छ ।

## ६.२ विपद् जोखिम व्यवस्थापन

### १. पृष्ठभूमि

गाउँस्तरीय विपद् जोखिम व्यवस्थापनका समिति क्रियाशील रहेको अवस्था छागाउँपालिकाले उच्च र मध्यम जोखिम क्षेत्रहरू पहिचान गरी विभिन्न संघ संस्थाले विभिन्न किसिमका तालिम लगायत स्थानीय समुदायको क्षमता अभिवृद्धिका लागि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको छ।हालका दिनमा भुकम्प प्रतिरोधी भवनहरू निर्माणमा वृद्धि हुन थालेको छ।गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापनका लागि विपद् पछिको नगद तथा वस्तुगत राहतको लागि स्थानीय विपद् कोषको समेत व्यवस्था गरेको छ।

जोशीपुर गाउँपालिकाको समग्र अवस्थाको अवलोकन गर्दा गाउँपालिकाका केही स्थानका घरधुरी जोखिममा रहेका छन्। खोलानालाले वर्षेनी बाटो परिवर्तन गर्ने गरेका कारण नदी किनारमा रहेका कृषि क्षेत्र बगरमा परिणत हुने गरेका छन्। नदी कटानका साथै गाउँपालिका भित्र पहिरोको जोखिमयुक्त क्षेत्रहरू समेत रहेका छन्।यदाकदा वनजंगल वरपरका क्षेत्रमा आगलागीको जोखिम समेत रहेको छ।चट्याङ्गका कारण समेत यदाकदा धनजनको क्षति हुने गरेको छ।विपद् जोखिम तथा सम्भाव्य क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन भई सो अनुसारको भू-उपयोग पद्धति अवलम्बन गर्ने नीति कार्यान्वयन भएको छैन।विपद्को त्रासले स्थानीयहरू घर/बस्ती छाडी अन्यत्र बसाइँसराइ सर्ने सम्मको अवस्था सिर्जना भएको छ।विपद्को जोखिमले जग्गा/जमिन बिक्री गर्ने वा भू-उपयोग परिवर्तन गर्ने प्रवृत्ति रोक्नु सकिएको छैन।गाउँपालिका स्तरमा वैज्ञानिक भू-उपयोग प्रणाली स्थापना तथा विपद् न्यूनीकरण गर्न नयाँ प्रविधिको प्रयोग भएका देखिएको छैन।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

भूमिको व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक रूपमा उपयोग हुन नसक्दा विकासका प्रयासहरू दिगो नहुने जोखिम रहेको छ । विपद् प्रतिकार्यका लागि सामुदायिक तथा संस्थागत क्षमता कम हुनु गाउँपालिकाको प्रमुख चुनौतीका रूपमा रहेको छ । प्रमुख वस्तीहरूमा सामुदायिक आश्रयस्थलहरू छैनन्।आपतकालिन सेवाका लागि प्रयास एम्बुलेन्स सेवा तथा दमकलको ब्यवस्था नहुनु, विपद् आइपर्दा आवश्यक पर्ने न्यूनतम औषधी एवम् उपकरणहरूको व्यवस्था नहुनु, पालिकामा शव वाहन सेवा नहुनु, विपद् पुर्व सूचना प्रणालीको अभाव जस्ता समस्या तथा चुनौतीहरू रहेका छन्।जलवायु परिवर्तन जन्य जोखिम उच्च भए पनि विपद् प्रतिरोधी कृषि बालीहरूको विस्तार हुन सकेको छैन।जलवायु परिवर्तनका असरहरूलाई न्यूनीकरण गर्न वा अनुकूलन गर्न ज्ञान, सीप र संयन्त्र विकासमा त्यति ध्यान पुग्न सकेको देखिदैन।अव्यवस्थित भू-उपयोग तथा अनियन्त्रित भौतिक पूर्वाधार निर्माणका कारणले वातावरणीय सन्तुलनमा नकारात्मक असर परेको छ।गाउँ क्षेत्रमा जम्मा हुने प्लाष्टिक जन्य फोहरमैला एवं स्वास्थ्य संस्थाबाट निस्कने फोहरहरूले समेत वातावरणमा प्रतिकूल असर पारेको छ।

### ३. लक्ष्य

यस पालिकाको विपद् व्यवस्थापनको क्षमता बढाउँदै विपद् बाट हुने मानवीय, सामाजिक, आर्थिक, भौतिक तथा जीविकोपार्जनका साधनहरूको क्षती न्यूनीकरण गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

- विपद् व्यवस्थापनका पूर्व सतर्कताहरूबाट जनताको जिउ धनको सुरक्षा प्रत्याभूति गराउनु ।
- विपद्हरूको प्रतिकार्यका लागि सकुशल पूर्व व्यवस्था र सतर्कता अपनाउनु ।
- विकास प्रक्रियामा विपद् जोखिमको अनुमान र व्यवस्थापन सम्बन्धी उपायहरू मूलप्रवाहीकरण गर्ने ।
- स्थानीय सरकार तथा समुदाय स्तरमा विपद् व्यवस्थापनका निमित्त चाहिने पूर्व तयारी, उद्धार, राहत र पुनर्स्थापनाको क्षमता वृद्धि गर्दै जाने।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. अनपेक्षित विपद् व्यवस्थापन का लागि पूर्व सतर्कता र प्रतिकार्यहरूमा जोड दिइने छ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● आगलागिमा नियन्त्रणका लागि सबै सरकारी तथा सामुदायिक वनमा अग्नि रेखा बनाइने छ ।</li> <li>● बाढी पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणका कार्यहरू गरिने छ ।</li> <li>● आकर्षक विपद् कोषको स्थापना गरिने ।</li> <li>● विपद् सतर्कताका लागि स्वयंसेवक परिचालन गरिने छ ।</li> <li>● विपद् सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिने छ ।</li> </ul>
२. बाढी पहिरो रोकन वैकल्पिक उपायको खोजि गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बाढी पहिरो क्षेत्रको वर्गीकरण गरी तुलनात्मक रूपमा सस्तो, वातावरणीय दृष्टिकोणले उपयुक्त हुने गरी बायो इन्जिनियरिङ प्राविधिको प्रयोग गरिनेछ ।</li> </ul>
३. भौतिक संरचनाहरू विपद् थेग्न सक्ने गरी डिजाईन र निर्माण गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● भवन आचार संहिता (विल्डिङ कोड) बनाइ लागू गर्ने</li> <li>● भौतिक संरचनाको डिजाइन र निर्माण गर्दा अनुमानित विपद् थेग्न सक्ने गरी गर्ने</li> </ul>

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ६.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
विगत वर्षहरूमा बाढी, पहिरो र आगलागिबाट धन सम्पत्तिको क्षति भएको परिवार संख्या	संख्या		६०	५०	५०	४०
खर तथा पराल तथा काठले छाएको घर भएका परिवार संख्या	संख्या	०	०	०	०	०
एम्बुलेन्सको संख्या	संख्या	१	१	२	२	२

दमकलको संख्या	प्रतिशत	०	०	०	१	१
विपद् व्यवस्थापन गाउँ समिति बनेको	संख्या	०	छ	८	८	८
सुरक्षित स्थान तोकीएको स्थानको संख्या		०	तोकीएको छैन	१	२	३
विपद् व्यवस्थापन पूर्व तयारी योजना बनेको		छैन	छैन	बनाइनेछ	कार्यान्वयन गरीनेछ	
विपद् व्यवस्थापन कोष स्थापना	रु		२२०००००	आवश्यकता अनुसार व्यवस्था गरीनेछ		

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ६.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	७४००	३००	७१००	-	-	७४००	-	-
२	२०८३।०८४	८०००	४००	७६००	-	-	७५००	५००	-
३	२०८४।०८५	९०००	४००	८६००	-	-	५०००	४०००	-
	जम्मा	२४४००	११००	२३३००			१९९००	४५००	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ६.६ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रम	विपद्बाट हुने क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न	सालबसाली	२३०००	वार्षिक बजेट	विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्दै क्षति कम भएको
२	विपद् पुर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना तर्जुमा	विपद् पुर्व तयारी योजना तर्जुमा गर्न	२०८२/०८३	८००	वार्षिक बजेट	पुर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजना तयारि भइ कार्यान्वयन हुनेछ

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि विपद् प्रतिकार्य योजना तथा विपद् उत्थानशील योजना जस्ता निर्माण नभएकाले विपद् जोखिम न्यूनीकरण गर्न केही हदसम्म असहज भएको महशुस भएको छ । साथै विपद् जोखिमका लागि छुट्याइने बजेट बढी भन्दा बढी विपद् बाट क्षतिग्रस्त संरचनामा मात्र हुने भएकाले यसको अन्य क्षेत्रमा बजेट कार्यान्वयन सही रूपमा हुने जोखिम रहन्छ ।

## ६.३ वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन

### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकामा वातावरण संरक्षण कार्यका लागि सामुदायिक वन तथा अन्य खुला स्थानमा वृक्षरोपण गरी वन क्षेत्र क्षेत्रफल वृद्धि गर्ने काम गरिन्छ । वातावरण व्यवस्थापनलाई विकास कार्यसँग आबद्ध गर्ने क्रममा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनलाई संस्थागत गर्ने प्रयत्न भएको छ । वस्तु तथा निर्माणको हकमा आयोजना सञ्चालन गर्दा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन गरेर मात्र आयोजना निर्माण हुने गरको छ । वातावरण संरक्षण तथा वृक्षरोपण कार्यक्रम मार्फत जलवायु परिवर्तनका क्षेत्रमा काम गर्न सकिन्छ ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी तथ्याङ्क सङ्कलन र सूचना प्रवाहको कमी, स्थानीय स्तरमा वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी कार्य गर्न प्रभावकारी निकायको अभाव, वातावरण तथा जलवायु परिवर्तनबाट पर्ने नकारात्मक असरहरू न्यूनीकरण गर्न पर्याप्त मानव, आर्थिक र भौतिक स्रोतहरूको कमी, वातावरण तथा जलवायु सम्बन्धी कार्यक्रमहरू गाउँपालिका स्तरीय विकासका कार्यक्रमहरूसँग आबद्ध गरी योजना तर्जुमाको अभाव, जलवायु परिवर्तनको प्रभाव, जोखिम सम्बन्धी अध्ययन तथा अनुसन्धान यथेष्ट रूपमा नहुनु आदि समस्याहरू रहेका छन् । जलवायु परिवर्तनको असरबाट अनुकूलित हुनु । खोला तथा सार्वजनिक स्थलहरूबाट ढुङ्गा, गिट्टी, बालुवा, माटोको अधिक दोहन । होटल, उद्योग, कलकारखाना, यातायात तथा अन्य मानवीय क्रियाकलापहरूबाट हुने फोहर उत्सर्जन नियन्त्रण । बढ्दो क्रममा रहेको वन विनासलाई रोक्नु । जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी कार्यक्रमहरूलाई जनस्तरमा आन्तरिकीकरण गर्नु ।

### ३. लक्ष्य

वातावरणमैत्री र जलवायु परिवर्तनसँग अनुकूलित हुने गरी स्वच्छ र सफा वातावरण सहितका विकास कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

१. दिगो विकासको लक्ष्य हासिल गर्न वातावरणमैत्री सफा स्वच्छ र हरित वातावरण संरक्षण गर्नु ।
२. प्रदूषणमुक्त र स्वच्छ वातावरण कायम गर्न मानवीय क्रियाकलाप तथा विकास प्रक्रियालाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलित गराउनु ।

### ५. रणनीति

- क) विकाससँग सम्बन्धित कार्यक्रममा वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तनलाई आन्तरिकीकरण गर्ने।
- ख) जलवायु परिवर्तनबाट प्राकृतिक स्रोत तथा मानिसमा पर्ने प्रभावलाई न्यूनीकरण गर्न अनुकूलन कार्यक्रम चलाउने ।
- ग) वातावरण प्रदूषण हुन नदिने तथा फोहरमैला व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउने ।
- घ) जल तथा मौसम सम्बन्धी सूचना तथा सेवालाई नियमित रूपमा सम्प्रेषण गरी सम्बन्धित संस्था तथा सरोकारवालाहरूलाई जलवायु परिवर्तन न्यून गर्ने कार्यहरूमा परिचालन गर्ने ।

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ६.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व.	चालु आ.व.	मध्यमकालीन लक्ष्य
------	------	----------	-----------	-------------------

		सम्मको उपलब्धि	सम्मको अनुमानित उपलब्धि	२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
सुधारिएको चुलो तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत	०	०	६	७	१३
रिचार्ज पोखरीहरु निर्माण	संख्या	०	०	९	१३	२२

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ६.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	८००	२००	६००	-	-	८००	-	-
२	२०८३।०८४	१०००	२००	८००	-	-	५००	५००	-
३	२०८४।०८५	१२००	२००	१०००	-	-	४००	८००	-
	जम्मा	३०००	६००	२४००			१७००	१३००	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ६.९ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तनको प्रभाव जोखिम सम्बन्धी कार्यक्रम	वातावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन असर कम गर्न	सालबसाली	२१००	वार्षिक तथा कार्यक्रम	वृक्षरोपण लगायतका कार्य भएको हुने
२	रिचार्ज पोखरी निर्माण	पानीको मुहान संरक्षण गर्न	सालबसाली	४००	उर्जा योजना	२२ वटा रिचार्ज पोखरी निर्माण भएको
३	सुधारिएको चुलो तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	कल्पिक उर्जा प्रयोग	सालबसाली	५००	उर्जा योजना	१३ वटा टोलमा सुधारिएको चुलो कार्यक्रम लागू हुने

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस गाउँपालिकाको भौगोलिक परिवेश एकै किसिमको नभएकाले वातावरण संरक्षण कार्यका लागि अन्य सरकारमार्फत कार्य गर्नु पर्ने भएकाले यसको कार्यान्वयन गर्नका लागि स्रोतको थप आवश्यकता पर्ने हुनाले जोखिम रहने अनुमान गर्न सकिन्छ ।

## ६.४ फोहोरमैला व्यवस्थापन

### १. पृष्ठभूमि

सरसफाईको अवस्था हेर्दा यस गाउँपालिकामा एक घर एक चर्पीको कार्यान्वयन पूर्ण रूपमा सम्पन्न भएको अवस्था देखिदैन । यो गाउँपालिकाभित्र कुनै पनि वडामा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएको छैन । घरायसी फोहोर

व्यवस्थापन बाहेक अन्य फोहरमैला व्यवस्थापनका नाममा फोहोरहरू खोलाखोल्साका होचा भागमा अनियन्त्रित तरिकाले फाल्ने प्रवृत्ति यत्रतत्र देखिन्छ । घरधुरीको शौचालय बाहेक गाउँ, टोल र समुदायमा फोहरमैलाको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

## २. समस्या तथा चुनौति

### समस्या तथा चुनौती

फोहरमैलाको व्यवस्थापनलाई चुस्त र प्रविधिमैत्री बनाउन नसक्नु, क्रमश विकास भैरहेका ग्रामीण बजारहरूमा फोहर उत्सर्जन भई व्यवस्थापन योजना नबनेको, घरेलु स्तरमा समेत सरसफाइको पूर्ण व्यवस्थापन हुन नसकेको, समुदायमा फोहरमैला व्यवस्थापनको लागि सम्भावित ठाउँ र तिनको प्राविधिक पक्षको विश्लेषण गर्न नसकिएको, सार्वजनिक स्थलमा शौचालय तथा फोहरमैला व्यवस्थापन तथा ढल निकास हुन नसक्नु पनि अन्य समस्याहरू हुन् । सरसफाइको गुरुयोजना बनाई योजनाबद्ध विकास तथा व्यवस्थापन गर्न नसक्नु । फोहरको उचित व्यवस्थापन नहुँदा प्रदुषण वृद्धिभई विभिन्न सरुवा रोगको संक्रमण हुनसक्ने । सरसफाइ व्यवस्थापन शुल्क निर्धारण गरी समुदाय भित्र सरसफाइ सम्बन्धी आयोजनाहरू सञ्चालन गर्न सामूहिक कोषको व्यवस्था गर्न समुदायको चासो नहुनु । पाखो तथा भिरालो जमिनमा फोहरमैला व्यवस्थापनकोलागि भौतिक संरचना बनाउन कठिन हुनु । खानेपानीको समस्या रहेका बस्तीहरूमा शौचालयको सरसफाइमा समेत समस्या हुनु ।

### ३. लक्ष्य

गुणस्तरीय र दिगो सरसफाइ सेवा विस्तार गर्ने ।

### ४. उद्देश्य

१. समुदायका पायक पर्ने स्थानहरूमा फोहर सङ्कलनको व्यवस्था मिलाउनु ।
२. सरसफाइ सुविधाको पहुँचको सुनिश्चितता गर्नु ।

### ५. रणनीति

- क) समुदायका घनाबस्ती भएको ठाउँ, हाटबजार लाग्ने र सेवा प्रदायक कार्यालय भएका स्थानहरूमा फोहरमैला व्यवस्थापनको गुरु योजना बनाई फोहोर सङ्कलनको व्यवस्था गर्ने ।
- ख) गाउँपालिकामा शौचालय तथा सरसफाइको सुनिश्चितता गर्ने ।
- ग) सरसफाइको पहुँच भएका प्रत्येक घर धुरीमा क्रमिक रूपमा गुणस्तरीय सरसफाइको पहुँच बृद्धि गर्ने ।
- घ) सरसफाइ सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ६.१० विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत	९८.१	९८.१	९८.५	९९	९९.५
फोहोर व्यवस्थापन गर्ने परिवार	प्रतिशत	०	०	५	८	१०
फोहोर संकलनका लागि कन्टेनर	संख्या	०	०	१	०	२

## ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ६.११ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	५००	२००	३००	-	-	५००	-	-
२	२०८३।०८४	१०००	२००	८००	-	-	८००	२००	-
३	२०८४।०८५	१२००	३००	९००	-	-	१०००	२००	-
	जम्मा	२७००	७००	२०००			२३००	४००	

## ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ६.१२ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यक्रम	वातावरण संरक्षण फोहोर व्यवस्थापनका लागि	सालबसाली	२७००	नीति कार्यक्रम	वातावरण संरक्षणका कार्य भएको

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि पर्याप्त अध्ययन अनुसन्धान नहुनु तथा बजारबाट निसक्ने फोहोरका लागि उचित व्यवस्थापनको स्थान अभावले जोखिम रहन्छ ।

## परिच्छेद सात: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

### ७.१ नीति, कानून, मापदण्ड, सेवा प्रवाह र सुशासन

#### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाले स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को अधीनमा रही सेवा प्रवाहलाई कानूनसम्मत बनाउनका लागि थुप्रै ऐन कानून तथा कार्यविधिहरू निर्माण गरिसकेको छ । शासन प्रणालीलाई जनमुखी, सक्षम, सुदृढ, सेवामूलक र उत्तरदायी बनाउनु नयाँ लोकतान्त्रिक गणतन्त्रको तथा यस गाउँपालिकाको आवश्यकता हो । यसका लागि शासन प्रणालीमा सबै क्षेत्र, वर्ग, समुदाय र सरोकारवालाको पहुँच र सहभागितालाई सुनिश्चित गर्न आवश्यक छ । सुशासनकालागि संघीय तथा प्रादेशिक संवैधानिक निकाय तथा आयोगसँगको सम्पर्क र समन्वय, अभिलेख व्यवस्थापन र कार्यान्वयन, गाउँपालिकामा सार्वजनिक सेवा वितरणको न्यूनतम मापदण्ड निर्धारण र सेवाग्राही सन्तुष्टी सर्वेक्षण तथा सेवा प्रवाहको अनुगमनको पनि व्यवस्था गर्न आवश्यक रहेको छ । त्यसै सन्दर्भमा गाउँपालिकामा बन्न लागेको यस खर्च संरचनाले प्रदायक निकाय तथा समग्रमा सार्वजनिक शासन प्रक्रियामा सुशासनको संस्थागत विकासमा समेत महत्त्वपूर्ण हुनेछ ।

#### २. समस्या तथा चुनौति

समस्या तथा चुनौती

## समस्या तथा चुनौती

सुशासन जनताले महसुस गर्ने विषय हो। पालिकाले प्रयास गर्दा गर्दै पनि पूर्णता प्राप्त गर्न समय लाग्ने हुन्छ। किनकि यसको सीमा हुँदैन र यो निरन्तर सुधार गर्दै लैजाने विषय हो। यो सजिलो छैन तर असमाव पनि नभएको हुँदा यसले कडा मेहनत र इमान्दारिताको माग गर्छ।

सरकारी प्रक्रियामा सरलीकरण, सेवा प्रवाहमा स्तरीकरण, जनशक्तिको क्षमतामा वृद्धिकरण र आचरणमा शुद्धीकरणका माध्यमबाट सुशासन बहाल गर्ने काम निकै चुनौतीपूर्ण छ। स्थानीय तहका योजना पद्धति र प्रक्रिया, सहभागितामूलक तथा समावेशी शासन प्रक्रिया, तथा निर्णय प्रक्रियामा पनि जवाफदेहिता एवम् पारदर्शिता कमजोर अवस्थामा रहेको छ। असल शासनका मुलभूत सिद्धान्त र आधारहरूका बारेमा जनता सचेत हुन नसकेको, राज्यबाट प्राप्त हुने केही सेवा सुविधाको बारेमा सेवाग्राहीहरू अनभिज्ञ रहेको, सेवा प्रदायक कार्यालयहरूले वडा कार्यालयसँग सहकार्य गर्न नसकेको, गाउँपालिकामा पर्याप्त दरवन्दी नभएको, केही सीमित व्यक्ति बाहेक अन्य तहका जनताहरू सुशासनको सम्बन्धमा मतलब नराख्ने गरेको, वडास्तरमा सार्वजनिक सुनुवाइ र आयव्यय विवरण सार्वजनिक गर्ने परिपाटी नभएको साथै कर्मचारीहरू स्थानीय संरचनामा अनुकूलन भैनसक्नु आदि यस गाउँपालिकाका समस्याहरू हुन्।

सम्ममा प्राप्त नमूना कानून, विधि तथा नियमावली र आवश्यकताका आधारमा ७१ वटा विषयमा ऐन, नीति, नियम, कार्यविधि निर्माण गरिएको छ। तर्जुमा भएका ऐन, नीति, नियम, कार्यविधिको बारेमा सबै जनप्रतिनिधि, वडा समिति, आम नागरिक विशेष गरी विपन्न तथा लक्षित वर्गलाई सुसूचीत गराउने, प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने र सो को पालना हुनु जरूरी छ। विषय क्षेत्रगत रूपमा बजेट विनियोजना सन्तुलित गरी रोजगार, उत्पादनमूलक तथा आयमूलक आयोजनामा लगानी अपेक्षाकृत कम रहेको छ। पालिकाको बेरुजु घट्दो क्रममा रहेको अवस्था भए पनि आ.व. २०८०/८१ सम्ममा बेरुजु रकम रु १२,९७,२३,४७५ कायम रहेको अवस्था छ। परम्परागत शासनमुखी कार्य प्रवृत्तिलाई सेवामुखी तथा सेवाग्राही प्रति उत्तरदायी प्रशासनिक संरचनामा बदल्नु। शासकीय प्रणालीमा पारदर्शिता तथा जवाफदेहिता सुनिश्चित गर्नु। विकास निर्माणका कार्यहरू समयमै गुणस्तरीय ढङ्गले सम्पन्न गरी आम नागरिकको स्थानीय सरकार प्रति विश्वास आर्जन गर्नु। सेवा प्रवाह तथा सूचना प्रवाहमा भौगोलिक कारणले कठिनाई हुनु। सेवा प्रदायक सरकारी संस्थाहरू जिल्लामै केन्द्रित भई वडा गाउँपालिकासम्म पनि आउन नसक्नु। सुशासन व्यवस्थापनको लागि स्थानीय सामाजिक सञ्जालहरूको अति आवश्यक भवन निर्माण गर्न लगायत शिक्षा, स्वास्थ्य, सञ्चार, यातायात, कृषि, पर्यटन आदिको क्षेत्रगत विकास गर्न आर्थिक तथा बजेटको अभाव हुनु।

### ३. लक्ष्य

शासन प्रक्रियाका सबै अवयवहरूलाई समुन्नत बनाउँदै जनताले सुशासन, विकास र समृद्धिको अनुभूति गर्ने गरी कार्यसम्पादन गर्न सक्ने संस्थागत क्षमता विकास गर्ने।

### ४. उद्देश्य

- शासन सञ्चालनका निमित्त आवश्यक नीति, कानून, योजना, सङ्गठन, जनशक्ति, सहयोगी भौतिक पूर्वाधार, बजेट, कार्यक्रम, कार्यविधि, समय, प्रविधि र सहयोगी शासकीय औजार समेतका शासकीय अवयवहरूलाई समुन्नत बनाउने।
- शीघ्र सेवा तीव्र विकास गर्नसक्ने संस्थागत क्षमता विकास गर्ने।
- सेवा बजारहरूको विकास र परिचालन।

### ५. रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
१. संस्थागत प्रणालीमा आवश्यक	● न्याय सम्पादनका लागि नीति, नियम र कानूनहरूको निर्माण गर्ने।

रणनीति	कार्यनीति
सुधार गरिने	<ul style="list-style-type: none"> <li>● न्याय सम्पादन र विधेयकहरू तयार गर्न सहजताका लागि कानुन विज्ञको सेवा प्राप्तिको व्यवस्था गर्ने ।</li> </ul>
२. चप योजना तथा नीति नियम र कार्यविधिहरूको तयारी ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● पालिकाको गुर्योजना लगायत प्राप्त नमूना कानुन अनुसार आवश्यकताका आधारमा ऐन, नियम, विधि तथा कार्यविधिहरूको तयार गरिने छ ।</li> </ul>
३. आवश्यक सेवा बजारहरूको विकास र परिचालन गरिने छ ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● अगुवा कृषकहरूमध्येबाट कृषि सेवा कार्यकर्ता १४ र पशु सेवा कार्यकर्ता १४, खानेपानी मर्मत कार्यकर्ता १४ र विद्युत मर्मत कार्यकर्ता १४ गरी ४२ जनाको छनोट गरी तालिम प्रदान गरी परिचालन गरिने छ ।</li> </ul>
४. सङ्गठन, जनशक्ति र सहयोगी पूर्वाधार विकास गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● विषयगत जिम्मेवारी बहन गर्न सक्ने सङ्गठनात्मक संरचना स्थापना गर्ने ।</li> <li>● सङ्गठनात्मक जिम्मेवारी सम्पादन गर्न आवश्यक जनशक्तिको प्रबन्ध गर्ने र सो जनशक्तिको काम गर्ने रहर (उत्प्रेरणा), जिम्मेवारी सम्हाल्ने सीप (दक्षता) र मेहनत गर्ने वानी विकास गर्न प्रशिक्षण र प्रोत्साहन प्रदान गर्ने ।</li> <li>● जनशक्तिलाई पद र जिम्मेवारी सुहाउदो कार्यकक्ष, फर्निचर, कम्प्युटर लगायत यन्त्र उपकरण र इन्टरनेट सुविधा तथा सवारी साधन प्रदान गर्ने ।</li> </ul>
५. समयमा बजेट, कार्यक्रम र सरल कार्यविधि तर्जुमा, स्वीकृति र कार्यान्वयन गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● बजेटलाई यथार्थपरक रूपमा तर्जुमा गर्ने। बजेट कार्यान्वयन कार्यतालिका बनाएर कार्यान्वयन गर्दै जाने ।</li> <li>● वार्षिक विकास कार्यक्रम अन्तर्गतका भौतिक पूर्वाधार विकास सम्बद्ध आयोजना/परियोजना डिपिआर गराएर मात्र कार्यान्वयन गर्ने ।</li> <li>● प्रक्रियालाई सरलीकरण गर्दै कार्यविधि जारी गर्ने र सोको प्रयोगबाट असल नतिजा समयमै हासिल गर्ने ।</li> </ul>
६. प्राविधिको प्रयोगलाई शासकीय औजारको अभ्यास गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>● शासन सहयोगी प्राविधिकको प्रयोग गर्ने ।</li> <li>● समन्वय, अनुगमन तथा मूल्यांकन, सार्वजनिक सुनुवाइ जस्ता शासकीय औजारहरूको प्रयोग गर्दै जाने ।</li> </ul>

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

##### तालिका नं ७.१ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
स्वीकृत ऐन कानुन तथा कार्यविधि निर्माण	संख्या	५५	६०	६५	७०	७५

डिजिटल नागरिक बडापत्र	संख्या	०	०	१	२	२
सेवाप्रवाहबाट नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण	प्रतिशत	७०	८०	८५	८८	९०

### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ७.२ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२/०८३	४००	२००	२००	-	-	३५०	५०	-
२	२०८३/०८४	५००	२५०	२५०	-	-	५००	-	-
३	२०८४/०८५	६००	४००	२००	-	-	४००	२००	-
	जम्मा	१५००	८५०	६५०			१२५०	२५०	

### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ७.३ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	डिजिटल नागरिक बडापत्रको निर्माण	सेवाग्राहीको सहजताका लागि	सालबसाली	४००	नीति कार्यक्रम	३ डिजिटल नागरिक वडा पत्र राखिएको हुने
२	नीति कानून तथा सेवा प्रवाह र सुशासन सम्बन्धी कार्यक्रम	पालिका भित्रको कामकारवाहीलाई कानूनसम्मत बनाउन र सेवा प्रवाह चुस्त दुरुस्त बनाउन	सालबसाली	६००	वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम र बजेट	७५ वटा कानून निर्माण हुने र ९० प्रतिशत जनता सेवाप्रवाहबाट सन्तुष्ट भएको
३	संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण कार्यक्रम	संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गर्न	२०८२/०८३	५००	बजेट तथा कार्यक्रम	संगठन संरचना तयार भएको हुने

### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सेवाग्राहीको मापन गर्नका लागि गाउँपालिकाबाट खासै ध्यान नदिएको अवस्थामा यस क्षेत्रमा भएको बजेट कार्यान्वयन नहुने जोखिम रहन्छ ।

## ७.२ संगठनात्मक विकास तथा मानव संसाधन

### १. पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाले प्रशासनिक कामकाज कार्यान्वयन र सहजिकरणका लागि हालसम्म २६ वटा ऐन, ६ वटा नियमावली २७ वटा कार्यविधिहरू, ४ वटा निर्देशिका, ५ वटा मापदण्ड, २ निर्देशिका र १ नीति लगायत जम्मा ७१ वटा कानून बनाइ कार्यान्वयनमा लिएको छ। सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय, न्यून समय लागत छिटो सेवा उपलब्ध बनाउन सम्भव भएका सेवा सुविधाहरू वडा कार्यालयबाटै अनलाइन उपलब्ध गराउदै आइरहेको छ। त्यसैगरी गाउँपालिकाले संगठन व्यवस्थापन तथा सर्वेक्षण प्रतिवेदन २०७९ लाई पनि स्वीकृत गरेको छ। समीक्षा गोष्ठीहरू आयोजना गरी टिप्पणी र सुझाव सङ्कलन गरी छलफल गर्ने गरिएको छ।

राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा तयार गरिएको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ बमोजिम गाउँकार्यपालिकामा गठन भएको मानव संसाधन विकास र संस्थागत क्षमता विकास सम्बन्धी विषयगत समितिले सेवाप्रवाहका मापदण्ड निर्धारण, सेवाप्रवाहमा विद्युतीय सूचना प्रविधिको प्रयोग, लेखाङ्कन, राजस्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन, आन्तरिक लेखापरीक्षण जस्ता गम्भीर प्रकृतिका प्राविधिक काम गर्नुपर्ने अवस्था रहेको छ।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

यस पालिकामा भौतिक स्रोत साधन पुग वा अपुगको अवस्था विश्लेषण गर्दा स्वास्थ्य क्षेत्र र शिक्षा क्षेत्रमा कर्मचारीको अभाव र समुदाय सहयोग कार्यकर्ताको अभाव रहेको अवस्था छ। संघीय ढाँचाको शासन प्रणाली अन्तर्गत स्थानीय तहले राज्यशक्तिको प्रयोग गर्दै कार्यपालिका, व्यवस्थापिका र न्यायपालिका सम्बन्धी कार्यसम्पादन गर्ने सन्दर्भमा जनशक्तिको काम गर्ने उत्साह, क्षमता र मेहनतलाई उत्पादनशील बनाउने र सरकारले प्रदान गर्ने सेवा सुविधाबाट जनताले सुशासन, विकास र समृद्धिको अनुभूति गर्ने अवस्था सिर्जना गर्न र सरकारले आर्जन गर्ने राजस्वको दर र दायरा बढाउदै जाने कार्य निकै चुनौतीपूर्ण छ। गाउँ कार्यपालिकाका लागि संविधान प्रदत्त अधिकारहरूको उपभोगका लागि जनप्रतिनिधिहरूमा यथेष्ट अनुभवको अभाव हुनु, संघियताको मर्म अनुसार गाउँ कार्यपालिकाको काम कर्तव्य पुरा गर्नकालागि आवश्यक जनशक्तिको कमी हुनु तथा गाउँपालिका क्षेत्रमा विकासको सम्भावना भएका अनेकौं क्षेत्रहरू विशेष गरी पर्यटन, वन, कृषि तथा पशुपालनमा शिक्षित र तालिमप्राप्त जनशक्तिको कमी रहनु यस पालिकाका प्रमुख समस्याहरू हुन्। उमेर, लिङ्ग, शैक्षिक स्थिति, आर्थिक अवस्था, जातीय संस्कार आदिका कारण योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनमा जनप्रतिनिधिहरूको बुझाइ, सहभागिता र सक्रियता समान हुन नसक्नु। युवा जनशक्तिको विदेश पलायनले गर्दा गाउँघरमा आर्थिक सम्भाव्यता भएका क्षेत्रहरू कृषि, वन, पर्यटन आदिमा तालिम आदिकालागि उपयुक्त प्रशिक्षार्थी स्थानीय तहमा नभेटिनु।

### ३. लक्ष्य

गुणस्तरीय मानव संसाधन र सक्षम स्थानीय संस्थाहरूका माध्यमबाट गाउँपालिकाको आर्थिक समाजिक विकास गर्ने।

### ४. उद्देश्य

१. गाउँपालिकाको सेवाप्रवाहलाई गुणस्तरीय बनाउनु।
२. स्थानीय स्तरमा आर्थिक सामाजिक विकासकालागि अवसरहरूको विकास गर्नु।

### ५. रणनीति

क) जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता विकास गर्ने।

- ख) कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने ।  
 ग) आधुनिक प्रविधिको बढी प्रयोग गर्ने ।  
 घ) कृषि, वन र पर्यटन क्षेत्रको विकासकालागि संस्थागत पहल गर्ने ।

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ७.४ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
नीति, कानून, निर्णय र सेवा प्रवाह सन्तुष्ट सेवाग्राही	प्रतिशत	७५	८०	८५	८८	९०
संस्थागत स्वमूल्यांकनको प्राप्तांक प्रतिशत	प्रतिशत	७४.२५	८०.५	८५	९०	९२
बार्षिक आन्तरिक आय रकम	रु.	७८३४२६९.६४	१६९४७०००	१७०६४५००	१८०५००००	१९०५००००

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ७.५ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	२००००	१५०००	५०००	-	१०००	१३०००	६०००	-
२	२०८३।०८४	२२०००	१७०००	५०००	-	१०००	२००००	१०००	-
३	२०८४।०८५	२३०००	२००००	३०००	-	१०००	२००००	२०००	-
	जम्मा	६५०००	५२०००	१३०००		३०००	५३०००	९०००	

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ७.८ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सूचक
१	क्षमता विकास योजना	कर्मचारी तथा पदाधिकारीलाई आवश्यक तालिमका लागि	२०८२।०८३	१०००	नीति कार्यक्रम	सिडि प्लान बनेको
२	संगठनात्मक विकास तथा मानव संसाधन सम्बन्धी कार्यक्रम	दरबन्दी संरचना अनुसारका कर्मचारी व्यवस्थापन लगायतका अन्य कार्य गर्न	सालबसाली	६४०००	बजेट तथा कार्यक्रम	ओ एण्ड एम स्वीकृत भई सोही अनुरूप कर्मचारी संख्या कायम भएको हुने

## ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकाको स्वीकृत दरबन्दी अनुसार कर्मचारी पूर्ण रूपमा नहुनु र कर्मचारीहरूलाई करारमा नियुक्ति दिने कार्यले गर्दा थुप्रै रकम तलब भत्तामा मात्र जाने गर्दछ । स्रोतको सुनिश्चितता गर्न सकिएन भने र दक्ष र तालिम प्राप्त कर्मचारी नभएमा रकमको सही सदुपयोग नहुने हो कि भन्नेमा शंका रही जोखिम रहिरहनेछ ।

## ७.३ तथ्याङ्क प्रणाली, योजना व्यवस्थापन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

### १. पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकाले प्राथमिक सर्वेक्षण तथा द्वितीय स्रोतको तथ्याङ्कको प्रयोग गरेर “गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र, प्रकाशन गरी तथ्याङ्क प्रयोगको एक तहको आधारशीला तयार गरेको छ । साथै सबै वडाहरूले आन्तरिक प्रयोजनकोलागि खण्डित रूपमा तथ्याङ्क सङ्कलन गर्ने कामको शुरुवात गरेका छन्, तर व्यवस्थित भइसकेको छैन।

### २. समस्या तथा चुनौति

#### समस्या तथा चुनौती

राष्ट्रिय योजना आयोग र प्रदेश योजना आयोगसँग नियमित रूपमा परामर्श गरी नीति तथा योजना तर्जुमा गर्ने कार्यक्रमहरूको वर्गीकरण गर्ने वातावरण बन्न नसक्नु । योजना तर्जुमालाई मार्गनिर्देश गर्न आवश्यक खण्डीकृत तथ्याङ्कको उपलब्धता नहुनु । पर्याप्त जनशक्ति, भौतिक संरचना र बजेटको अभाव रहनु । तथ्याङ्क सङ्कलन र व्यवस्थापन हेर्ने शाखा व्यवस्थित नहुनु, वडा स्तरमा तथ्याङ्क खण्डीकृत गर्न कठिनाइहरू रहनु, तथ्याङ्क सङ्कलन, प्रशोधन र विश्लेषण गर्न दक्ष जनशक्ति उपलब्ध नहुनु साथै तथ्याङ्क एकीकृत नहुँदा प्रयोगमा एकरूपकता कायम गर्न नसक्नु आदि मुख्य समस्याका रूपमा रहेका छन् । तथ्याङ्कमा आधारित रहेर योजना तर्जुमा गर्ने र योजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्ने परिपाटीको आधारशीला तय गर्नु । तथ्यगत अध्ययन, अनुसन्धान र विश्लेषण गर्दै विषयगत समस्या, चुनौती र अवसरहरूको पहिचान गर्न सघाउ पुऱ्याउन आवश्यक तथ्याङ्कको सङ्कलन र व्यवस्थापन गर्नु । तथ्याङ्कको प्रयोगमा एकरूपकता कायम गर्नु । प्रथम पञ्चवर्षीय योजना, वार्षिक विकास कार्यक्रम र मध्यमकालीन खर्च संरचना बीचको सामन्जस्य कायम गर्दै योजना कार्यान्वयनलाई प्रभावकारी बनाउनु । योजना निर्माणकोलागि आवश्यक विज्ञ जनशक्तिहरू पालिका स्तरमा नै उत्पादन गरी योजना निर्माणको प्रणालीलाई मजबुत र दिगो बनाउनु । नियमित रूपमा विषयगत तथ्याङ्क सङ्कलन, प्रशोधन र विश्लेषण गरी योजना छनौट गर्ने प्रणालीको आधारशीला तयार गर्नु । योजना कार्यान्वयन गर्ने निकायको क्षमता र दक्षता अभिवृद्धि गरी योजना कार्यान्वयन गर्नु ।

### ३. लक्ष्य

गाउँपालिकाका सबै किसिमका तथ्याङ्क अद्यावधिक गरी सबैकालागि पहुँचयोग्य बनाउने र परिणाममुखी योजना निर्माण गरी गाउँपालिकालाई समृद्ध बनाउने ।

### ४. उद्देश्य

१. तथ्याङ्क नियमित रूपमा अद्यावधिक गर्ने प्रणालीको विकास गर्नु ।
२. तथ्याङ्क सङ्कलन प्रक्रियालाई आधुनिकीकरण गर्नु ।

### ५. रणनीति

- क) तथ्यका आधारमा स्थानीय आवश्यकतालाई समेटेर परिणाममुखी नीति तथा योजना बनाउने ।
- ख) विषयगत समितिहरू बनाई तहगत सम्बन्ध तथा अन्तरसरकारी समन्वय कायम गर्ने ।

- ग) योजना अनुगमन निर्देशिका र सयन्त्र बनाई नियमित समीक्षा गर्ने साथै तेस्रो र स्वतन्त्र पक्षबाट विशेष आयोजनाहरूको मूल्याङ्कन गर्ने ।
- घ) तथ्याङ्कको सङ्कलन, प्रशोधन, व्यवस्थापन र प्रकाशनलाई व्यवस्थित बनाउने ।
- ङ) तथ्याङ्क सङ्कलन, प्रशोधन र वितरण प्रणालीको आधुनिकीकरण गर्ने ।

#### ६. विषयक्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

तालिका नं ७.७ विषय क्षेत्रगत नतिजा सूचक र लक्ष्य

सूचक	एकाई	गत आ. व. सम्मको उपलब्धि	चालु आ. व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२।८३	२०८३।८४	२०८४।८५
समयमै सम्पन्न हुने योजनाहरू	प्रतिशत	७०	७५	८०	८५	९०
सफ्टवेयरमा आधारित तथा तथ्याङ्क प्रणालीमा सेवाग्राहीको पहुँच	प्रतिशत	०	०	५०	६०	७०
पालिकाभित्र क्रियाशिल गैसस तथा नागरिक समाजहरू	संख्या	५	७	१०	१०	१०

#### ७. विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

तालिका नं ७.८ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

रकम रु. हजारमा

क्र सं	आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
		कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
१	२०८२।०८३	५०००	६००	४४००	-	-	५०००	-	-
२	२०८३।०८४	५५००	७००	४८००	-	-	५५००	-	-
३	२०८४।०८५	६०००	५००	५५००	-	-	६०००	-	-
	जम्मा	१६५००	१८००	१४७००			१६५००		

#### ८. कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

तालिका नं ७.९ कार्यक्रम आयोजनाको संक्षिप्त विवरण

क्र सं	उपक्षेत्र/कार्यक्रम/ आयोजना	उद्देश्य	अवधि (सुरु र समाप्ति)	कुल लागत (रु हजारमा)	पुष्ट्याई	आगामी तीन वर्षको उपलब्धी सुचक
१	व्यवस्थित सुचना तथा सफ्टवेयरमा आधारित तथ्याङ्क प्रणाली कार्यक्रम	सुचना तथा अभिलेख व्यवस्थापन प्रणाली चुस्त दुरुस्त राख्न	सालबसाली	१६५००	वार्षिक नीति कार्यक्रम र बजेट	सफ्टवेयर लागु भई सूचना प्रणाली लगायतका कार्याहरू अनलाईनमा मार्फत भएको

#### ९. जोखिम पक्ष तथा अनुमान

तथ्याङ्क प्रणालीलाई व्यवस्थित गर्नका लागि व्यापक अध्ययन अनुसन्धान हुन जरुरी छ । यस कार्यका लागि अध्ययन अनुसन्धान गरिएन भने तथ्याङ्क प्रणाली पूर्ण रुपमा सत्य तथ्यपरक नभइ अनुमानयोग्य हुने जोखिम बढी रहन्छ ।

## अनुसूचीहरू

### अनुसूची १

रकम रु. हजारमा

#### कार्यक्रम तथा आयोजनाको प्राथमिकीकरण अङ्क निर्धारण तालिका

क्र.सं	विषयगत, कार्यक्रम/आयोजना	आगामी पहिलो आ. व. को				आगामी दोस्रो आ. व. को				आगामी तेस्रो आ. व. को				साङ्केतिकरण				
		कूल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	कूल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	कूल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	रणनीतिक स्तम्भ	प्राथमिकीकरण	विश्व विकास लक्ष्य संकेत	लैङ्गिक संकेत	जलवायु संकेत
१.	६ नं वडा कार्यालय भवन निर्माण	२५००	०	२५००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	P1	२	२	२
२.	जोशीपुर २ र ५ जोड्ने घैला मैनपोखरी पुल निर्माण	१०२००	०	१०२००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	P1	१	२	२
३.	नेतराम रावतको घरदेखि पश्चिम पकरिया जाने सडक कालोपत्रे	२०००	०	२०००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	P1	२	२	२
४.	सिद्धार्थ बोडिङ्ग स्कुल देखि सिमरी सम्मको सडक कालोपत्रे	५०००	०	५०००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	P1	१	२	२
५.	सत्यनारायण भण्डारीको खेत देखि धन व. को खेत सम्म तटबन्धन	०	०	०	०	१०००	०	१०००	०	०	०	०	०	१	P2	८	२	२
६.	रघुनाथ वहुमुखी क्याम्पसको पछाडी तटबन्धन निर्माण	०	०	०	०	८००	२००	६००	०	०	०	०	०	१	P2	८	२	२

७.	वृक्षारोपणको साथै घेरवार कार्यक्रम सामुदायिक वन	०	०	०	०	१२००	५००	७००	०	०	०	०	०	१	P2	8	2	2
८.	स्मार्ट बोर्डको व्यवस्था	०	०	०	०	७००	२००	५००	०	०	०	०	०	१	P2	8	2	3
९.	स्वास्थ्य भवन निर्माण	२०००	२०००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	P1	11	2	2
१०.	दुध डेरी संकलन केन्द्र निर्माण	०	०	०	०	७५०	७५०	०	०	०	०	०	०	१	P2	8	2	2
११.	शिवकेदार सामुदायिक नजिक पार्क निर्माण	९००	९००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	P1	8	2	2
१२.	थारु संग्रालय निर्माण	०	०	०	०	१६००	१६००	०	०	०	०	०	०	१	P2	9	1	3
१३.	सिचाइको लागि डिप वोरिङको निर्माण	३०००	३०००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	४	P1	1	3	
१४.	गौशाला भवन निर्माण	०	०	०	०	६००	६००	०	०	०	०	०	०	२	P2	9	2	2
१५.	काँडा नदिमा तटबन्धन	१५००	१५००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	P1	13		2
१६.	खेलमैदान नजिक तटबन्धन	०	०	०	०	२०००	२०००	०	०	०	०	०	०	४	P2	9	3	3
१७.	धैरेनी नालामा तटबन्धन	०	०	०	०	८००	८००	०	०	०	०	०	०	२	P2	8	2	3
१८.	स्थानीय सामुदायिक संस्था क्षमता विकास तथा परिचालन कार्यक्रम	७००	०	७००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	3	2	-
१९.	आयोजना बैंक पूर्व संभाव्यता अध्ययन तथा डिपिआर तयारी	१५००	०	१५००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	2	3	-

२०.	मद्यकालिन खर्च संरचना तर्जुमा तथा अद्यावधिक	५००	०	५००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	4	2	-
२१.	सामुदायिक विधालयहरूमा CCTV क्यामरा जडान	१०००	१०००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	3	1	-
२२.	सामुदायिक विधालयहरूमा साइकल स्ट्याण्ड निर्माण	९००	९००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	4	2	-
२३.	सामुदायिक विधालयमा रहेका भवन तथा शौचालय पुन निर्माण	१६००	१६००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	6	2	2
२४.	सामुदायिक विधालयमा नालि सहितको पर्खाल निर्माण	०	०	०	०	१२००	१२००	०	०	०	०	०	०	३	P2	6	2	2
२५.	वर्धिड सेन्टरको व्यवस्थापन	८००	८००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	P1	6	2	2
२६.	ल्याव, एक्सरेको व्यवस्थापन	०	०	०	०	३५००	३५००	०	०	०	०	०	०	३	P2	6	2	2
२७.	जनहित समूदाय वनलाई पर्यटन क्षेत्र बनाउने	०	०	०	०	७००	०	७००	०	०	०	०	०	२	P2	9	2	3
२८.	रघुनाथ स्कूलको जग्गामा डिपवोरिड निर्माण	०	०	०	०	५००	५००	०	०	०	०	०	०	२	P2	9	2	3
२९.	सुधारिएको खोर निर्माण	८००	८००	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	P1	5	1	-
३०.	माटो परिक्षणको ल्याव	०	०	०	०	६००	०	६००	०	०	०	०	०	२	P1	5	1	-





मध्यमकालीन खर्च संरचना

जोशीपुर गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, जोशीपुर, कैलाली २०८२